

सनम तेरी कसम एक्ट्रेस मावरा होकेन ने बेटे को दिया जन्म, पोस्ट शेयर कर फैंस को बताया क्यूट सा नाम

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 31
न्यूनतम - 19

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 297 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर सोमवार 26 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 16 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

दुश्मन की रणनीति के हिसाब से खुद को ढालना जरूरी

● एयरफोर्स चीफ बोले-कोई लक्ष्य हमारी पहुंच से बाहर नहीं ● एयर चीफ मार्शल बोले-ऑपरेशन सिंदूर में साबित भी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने पश्चिमी मोर्चे पर 1,200 किलोमीटर चौड़े और 200 किलोमीटर क्षेत्र में सटीक हमले किए। इससे साबित हुआ कि वायुसेना की पहुंच से कोई भी लक्ष्य बाहर नहीं है। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने एक बार फिर दिखाया कि देश की सुरक्षा में वायुसेना की अहम भूमिका है। ऑपरेशन से एक सबक साफ है कि हमें हमेशा कई विकल्प अपने पास रखने चाहिए और दुश्मन की रणनीति बदलने पर तेजी से खुद को उसके मुताबिक ढालने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने यह बात एक एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कही। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता किसी एक हथियार या विमान की वजह से नहीं मिली। इसमें सटीक खुफिया जानकारी, एक-दूसरे से जुड़े सैन्य नेटवर्क, दूर से हमला करने वाले हथियार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, मजबूत वायु रक्षा प्रणाली और ड्रोन को रोकने की क्षमता ने मिलकर काम किया।



वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा

अब वायुसेना को अपनी युद्ध क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। इसके लिए लड़ाकू विमानों और सैन्य संसाधनों की संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही, खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, ड्रोन को रोकने और मजबूत नेटवर्क बनाने की क्षमता बढ़ानी होगी। फैसले लेने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल भी बढ़ाना होगा। भारतीय वायुसेना का विजन 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य से जुड़ा है। विकसित भारत के लिए देश का सुरक्षित और संकटों का सामना करने में सक्षम होना भी जरूरी है।

सेना ने एलओसी में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे।

महीनों से किराया नहीं दिया लाखों के नकली नोट छापे

● नागपुर के कमरे में मिले 37 लाख, गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी, आरोपी फरार



नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में किराए के कमरे में नकली नोट छापने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महीनों से किराया नहीं दिया था। मकान मालिक ने कमरे का ताला तोड़ा तो अंदर 500-500 के नोटों के बंडल के साथ प्रिंटर और छपाई में इस्तेमाल होने वाला सामान भी मिला। बरामद नकली नोटों की कुल कीमत करीब 37 लाख बताई गई है। नोटों की गिनती के लिए मशीन मंगानी पड़ी। आरोपी फिलहाल फरार है। आरोपी की पहचान पुष्पक कृष्ण भंडारकर उर्फ बेंडाने के रूप में हुई है। वह नागपुर के त्रिमूर्ति नगर का रहने वाला है। उसने करीब डेढ़ साल पहले खरबी इलाके में कमरा किराए पर लिया था। उसका रेंट एग्रीमेंट जनवरी में खत्म हो गया था। इसके बाद उसने कई महीनों तक किराया नहीं दिया।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को तगड़ा झटका

● जलालाबाद के पूर्व विधायक रमिंदर आवला ने थामा अकाली दल का दामन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जलालाबाद से पूर्व विधायक रमिंदर सिंह आवला ने शिरोमणि अकाली दल का दामन थाम लिया है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर



सिंह बादल ने उनका पार्टी में स्वागत किया है। सुखबीर सिंह बादल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने पूर्व विधायक के साथ फोटो भी शेयर की। सुखबीर सिंह बादल ने अपनी पोस्ट कर लिखा कि वरिष्ठ नेता और जलालाबाद से पूर्व विधायक, रमिंदर सिंह आवला का शिरोमणि अकाली दल में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। जलालाबाद ने मुझे तीन बार सेवा करने का मौका दिया। यह एक ऐसा चुनाव क्षेत्र भी है, जिसने अकाली दल की सरकारों के दौरान क्रांतिकारी विकास देखा है।

जम्मू में रहने वाले 65 पाकिस्तानियों के खिलाफ चार्जशीट

● इनमें 15 लोगों की मौत हो चुकी, 1970 में भारत में घुसे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से रहने वाले 65 पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इनमें 15 की पहले ही मौत हो चुकी है। जम्मू क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्पेशल क्राइम विंग जम्मू ने जम्मू संभाग



के चार जिलों जम्मू, पुंछ, राजोरी और कठुआ में दर्ज आठ मामलों की जांच पूरी कर संबंधित अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए हैं। इन मामलों में 50 जीवित आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किए गए हैं, जबकि 15 अन्य आरोपियों की मौत हो चुकी है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, मृत आरोपियों की भूमिका भी जांच में सामने आने पर रिकॉर्ड में दर्ज की गई है। इस संबंध में स्पेशल क्राइम विंग, क्राइम ब्रांच जम्मू में एफआईआर नंबर 16/2024 दर्ज की गई थी। विश्वसनीय सूचना के आधार पर दर्ज मामले में आरोप था कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कई नागरिक वैध यात्रा दस्तावेजों के आधार पर 1970 के दशक के अंतिम वर्षों और उसके बाद भारत आए थे।

सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में अरुणाचल में कोहराम

● एनएचपीसी ऑफिस और थाने में भीड़ ने लगाई आग

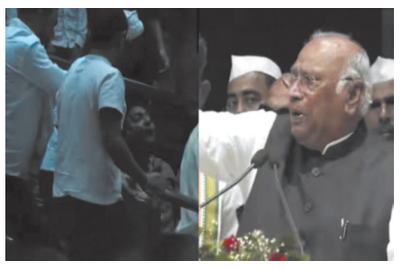
ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट के प्रस्तावित सियांग प्रोजेक्ट के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क गई। भीड़ ने एनएचपीसी ऑफिस और पुलिस स्टेशन में आग लगा दी। सात-आठ पुलिस वाहन भी जला दिए गए। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और विधायकों के घरों में तोड़फोड़ की। पथराव में डीएसपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रस्तावित बांध का मकसद चीन से आने वाले पानी को नियंत्रित करना और बाढ़ का खतरा कम करना है। सियांग, अपर सियांग और पूर्वी सियांग जिलों में शुक्रवार को 12 घंटे का बंद बुलाया गया था।



बिहार में खड़गे के कार्यक्रम में भारी हंगामा

● मोदी कहीं नहीं जाएंगे सुन बिगड़े खड़गे के बोल

पटना (एजेंसी)। पटना में रविवार को कांग्रेस के कार्यक्रम में हंगामा हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बापू सभागार में भाषण दे रहे थे। तभी एक शख्स उठकर बोला कि मोदी जी नहीं जाने वाले हैं। जब तक देश में विद्रोह नहीं होगा, मोदी सरकार नहीं हटेगी। इस पर खड़गे गुस्सा होकर बोले- मोदी क्या उसका बाप भी जाएगा। यह बात उन्होंने 3 बार दोहराई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उस शख्स की पिटाई कर दी, जिसने कहा था- मोदी नहीं जाने वाले। मल्लिकार्जुन खड़गे पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे।



भाजपा बोली- इनकी कार्यशैली माफिया ओं जैसी

भाजपा ने एक्स पर खड़गे का वीडियो शेयर करके लिखा- कभी जिस भाषा को गुंडे-मवालियों से जोड़ा जाता था, आज कांग्रेस अध्यक्ष उसी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि एक माफिया गैंग प्रतीत होती है। बिहार के दरभंगा में 27 अगस्त 2025 को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां को गाली दी गई थी। इसके विरोध में बिहार बंद किया गया और प्रदर्शन भी किए गए थे। पटना में कार्यकर्ताओं में मारपीट भी हुई थी।

बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाले नायक थे श्री बाबू

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि श्री बाबू आधुनिक बिहार में लोकतंत्र को मजबूत करने वाले नायक थे। आज कई जगह लैंड रिफॉर्म्स के कानून आए हैं, उसके लिए इंदिरा गांधी ने तो बहुत काम किया था। 1937 में बिहार में कांग्रेस की पहली सरकार श्री कृष्ण बाबू के नेतृत्व में बनी। इसके बाद आजाद भारत में 1947 में बिहार में सरकार बनी। उनके मुख्यमंत्री काल में जमींदारी प्रथा खत्म, भूमि सुधार और चकबंदी एक्ट आई।

महाराष्ट्र के जलगांव में आरएसएस के पथ संचलन पर बवाल

● धार्मिक स्थल के सामने हुआ पथराव पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। पथ सचंलन के विरोध में पुरुषों ने महिलाओं को आगे कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान पथराव होने की बात भी सामने आ रही है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, किंगगांव गांव में आरएसएस के रूट मार्च के दौरान एक मस्जिद के पास विरोध-प्रदर्शन होने से तनाव फैल गया। पथराव की खबर है और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। इस घटना के बाद जिला पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है।

॥ श्री महावीराय नमः ॥



शोकसभा

गावपूर्ण श्रद्धांजलि

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय

श्रीमती मगन माला जैन

धर्मपत्नी श्री सुनील जैन ● सिद्धार्थ फर्नीचर

का आकस्मिक निधन बृहस्पतिवार, 22 अक्टूबर 2026 को हो गया है।

प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। "उनकी आत्मिक शांति के लिये"

सोमवार, 26 अक्टूबर 2026

समय: दोपहर 2:00 बजे

आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल

जानसठ रोड, लक्ष्मण विहार, मुजफ्फरनगर

लोकेशन स्कैन करें

शोकाकुल परिवार

श्रीमती दर्शनमाला जैन (सास)

- श्री सुनील जैन (पति)
- सुमित जैन-शालू जैन (पुत्र-पुत्रवधू)
- अमित जैन-तान्या जैन (पुत्र-पुत्रवधू)
- श्वेता जैन-दीपक जैन (पुत्री-दामाद)
- शैफाली जैन-पुनीत जैन (पुत्री-दामाद)
- विज्ञा, अतिशा (पौत्री)
- भव्य, आयांश (पौत्र)
- आन्या, स्पर्शी, पार्श्वी (धेवती)
- आर्ष जैन (धेवता)
- कुमकुम जैन (जेठानी)
- सुबोध जैन-मीनाक्षी जैन (देवर-देवरानी)
- सन्मति-डिम्पल जैन (भतीजा-बहू)
- नितिन-अभिलाषा जैन (भतीजा-बहू)
- सचिन-वैशाली जैन (भतीजा-बहू)
- नेहा-शशांक जैन (भतीजी-दामाद)
- निधि-मनोज जैन (भतीजी-दामाद)
- शैम्पी-सूरज जी (भतीजी-दामाद)
- सिद्धार्थ जैन, डॉ. सृष्टि जैन (भतीजा-भतीजी)
- सक्षम, कशिका, दर्श, मितांशु (पौत्र-पौत्री)

प्रतिष्ठान

सिद्धार्थ फर्नीचर

33, प्रेमपुरी, मु.नगर

भव्य इलेक्ट्रॉनिक्स, 34, प्रेमपुरी, मु.नगर | सुदर्शन फर्नीचर, घास मण्डी, मु.नगर | पारस फर्नीचर, प्रेमपुरी, मु.नगर | सन सिलाई मशीन कं., पारसनाथ, मु.नगर

मोबाइल: 9897118373, 9760012517, 9897678317

भोपाल ISBT पर निजी ट्रेवल्स की 7 बसों में आग

आसपास खड़ी बसें भी चपेट में आईं; सभी ट्रिप कैंसिल



भोपाल। राजधानी भोपाल में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (ISBT) पर रविवार शाम आग लगने से हड़कंप मच गया। यहां करीब 7 बसों में आग लगने की सूचना है। घटना के बाद बस स्टैंड परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग से प्रभावित बसें वर्मा ट्रेवल्स की बताई जा रही हैं। बसों में लगी आग की ऊंची उठती लपटें और धुएं का गुबार देखकर यात्रियों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग तेजी से फैली और आसपास की बसों को चपेट में ले लिया। सूचना मिलते पर दमकल विभाग की गाड़ियां और स्थानीय प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।



मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

*सामाजिक समरसता, न्याय एवं मानवता के उद्घोषक आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की पावन जयंती पर आप सभी को हृदय से बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं। **महर्षि वाल्मीकि जी केवल भारतीय संस्कृति के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हैं।** उन्होंने अपनी अमर कृति रामायण के माध्यम से सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का जो संदेश दिया है, वह युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा।*

*क्रौंच पक्षी के वध से उपजी करुणा महर्षि वाल्मीकि जी के मुख से प्रथम श्लोक के रूप में प्रकट हुई और इसी से रामायण की रचना का मार्ग प्रशस्त हुआ। **भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवंत करते हुए उन्होंने ऐसे आदर्श समाज की कल्पना प्रस्तुत की, जिसमें प्रेम, न्याय, समरसता और बंधुत्व सर्वोपरि हों। भगवान श्रीराम ने निषादराज को आत्मीय मित्र बनाया, जिसे वाल्मीकि रामायण में कहा गया है कि 'तत्र राजा गुहो नाम रामस्यात्मसमः सखा।'** यह प्रसंग हमें स्मरण कराता है कि सामाजिक पहचान से ऊपर उठकर आत्मीयता, सम्मान और समानता का भाव ही समाज को जोड़ता है। रामराज्य की परिकल्पना भी प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण पर आधारित है। आज उत्तर प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि जी के इन्हीं आदर्शों को आत्मसात कर समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान में जुटी है।*

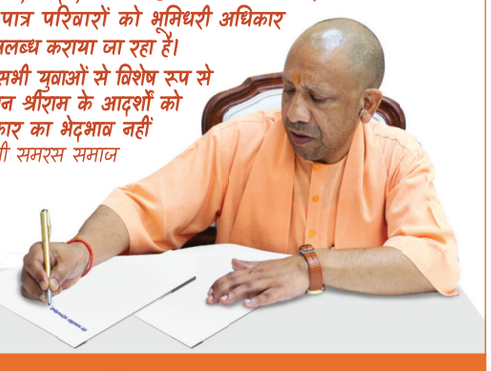
***हमारी सरकार ने महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके पावन स्थलों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।** चित्रकूट स्थित उनके पावन साधना स्थल के विकास की पहल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, ताकि श्रद्धालु और युवा पीढ़ी उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। जहां रामायण की रचना हुई उस बिठूर में भी महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास एवं संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किए गए।*

***अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को महर्षि वाल्मीकि जी का नाम दिया जाना उनकी विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्रदान करता है।** प्रदेश में वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। साथ ही, हमारी सरकार वंचित एवं पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।*

*महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाओं का मर्म तभी साकार होगा, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिलें। **इसी भावना से हमारी सरकार ने स्वच्छताकर्मियों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं। वनटांगिया समाज के गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने के साथ ही मुसहर, कोल, थारू और घुमंतू समुदायों तक आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, वंचित समाज के पात्र परिवारों को भूमिधरी अधिकार प्रदान कर उन्हें सम्माननजनक जीवन का आधार उपलब्ध कराया जा रहा है।***

***महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती पर मैं आप सभी युवाओं से विशेष रूप से कहना चाहूंगा कि युवा ऊर्जा के प्रेरणा पुंज भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए यह संकल्प लें कि किसी प्रकार का भेदभाव नहीं मानेंगे।** जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का स्वप्न साकार होगा। जय श्रीराम!*

आपका
योगी आदित्यनाथ



समरस यूपी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

अनमोल वचन

हमारी इन्द्रियाँ घोड़े हैं, मन लगाम है, बुद्धि सारथी है। यदि बुद्धि सक्षम है और अपने मन को रोकने की क्षमता है तो इन्द्रियों पर नियंत्रण किया जा सकता है। अन्यथा जिसकी बुद्धि बिगड़ गई वह इन्द्रियों का दास होकर अनेक दुखों को भोगता है। अनभिज्ञ पुरुष के रथ ही वास्तव में दलदल में तकलीफ एवं कष्ट सहते रहते हैं। विवेकहीन प्रवेश सर्वनाश कर देता है। जबकि बुद्धिमान नवीन को कठिन समस्या से भी आसानी से निकाल देता है। इन्द्रियों के निग्रह के लिए निरन्तर अभ्यास की आवश्यकता है अन्यथा इनका तूफान रोकना असम्भव है। यह कोई सरल कार्य नहीं है। प्रयास करने पर भी दुष्ट इन्द्रियाँ मन को हर लेती हैं। साधारण पुरुष की बात तो छोड़ दें विद्वान पुरुष भी जो रात दिन इन्द्रियों के निग्रह में लगा हुआ है, उसे भी अपने जाल में फँसा लेती हैं। किन्तु विवेकी पुरुष निरन्तर प्रयत्न करते रहते हैं और हार नहीं मानते।

मुजफ्फरनगर में प्रदूषण फैलाने वाली 3 स्लग यूनिट्स सील: रात में चला प्रशासन का चाबुक, बिजली कनेक्शन भी काटे गए

जांच के दौरान प्रदूषण नियंत्रण उपकरण और एनओसी नहीं मिली

मुजफ्फरनगर। जनपद में बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से संचालित और हवा में जहर घोल रही औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ प्रशासन एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर गठित संयुक्त प्रशासनिक समिति ने शुक्रवार रात ताबड़तोड़ निरीक्षण करते हुए गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर तीन इकाइयों को मौके पर ही सील कर दिया तथा उनके बिजली कनेक्शन भी काट दिए।

सूजडू क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही थीं इकाइयां

प्रशासनिक संयुक्त समिति ने मुजफ्फरनगर के सूजडू क्षेत्र में शुक्रवार देर रात अवैध रूप से स्थापित इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 'एमएस स्टील एम्पायर', 'एमएस गय्यूर' और 'आदिल ट्रेडर्स' नाम की तीन इकाइयां अवैध रूप से संचालित पाई गईं। निरीक्षण में सामने आया कि इन इकाइयों में रोलिंग मिलों से निकलने वाले स्लैग (SIO) को क्रश करके पाउडर बनाने और उसकी ट्रेडिंग का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा था।



नहीं थे प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ना ही मिली एनओसी

टीम ने जांच के दौरान पाया गया कि स्लैग की क्रशिंग से भारी मात्रा में धूल उड़ रही थी, जिससे क्षेत्र में अत्यधिक वायु प्रदूषण फैल रहा था। इसके बावजूद धूल और प्रदूषण को रोकने के लिए परिसर में कोई भी समुचित प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था स्थापित नहीं की गई थी। इसके अलावा तीनों फैक्ट्रियों के संचालक मौके पर संचालन से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज, अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) या सहमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। मुख्य द्वार सील, बिजली काटी गई

नियमों की धज्जियां उड़ाने पर संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों इकाइयों के मुख्य द्वारों को सील कर उनका संचालन पूरी तरह बंद करा दिया। इसके साथ ही विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर इन इकाइयों के विद्युत कनेक्शन भी कटवा दिए गए। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी गीतेश चंद्रा ने बताया कि सहायक अभियंता (अए) संतोष कुमार और अवर अभियंता (खए) राजा गुप्ता सहित अन्य कर्मचारियों की टीम ने निरीक्षण के बाद सीलिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में वायु प्रदूषण फैलाने वाली अन्य गतिविधियों पर भी कड़ी निगाह रखी जा रही है और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दरोगा अरुण चाहर को श्रद्धांजलि देने सड़कों पर उतरे व्यापारी, कैंडल मार्च निकाल नम आंखों से किया याद



मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की स्टेडियम चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक अरुण चाहर की जानसठ में हुए सड़क हादसे में मौत से पुलिस विभाग के साथ-साथ शहर में भी शोक की लहर है। अपने व्यवहार और व्यक्तित्व से लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले दरोगा अरुण चाहर को श्रद्धांजलि देने के लिए शहर के व्यापारी सड़कों पर उतरे। व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकालकर दिवंगत उपनिरीक्षक को नम आंखों से याद किया और उनके असमय निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दौरान माहौल गमगीन रहा और उपस्थित लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कैंडल मार्च की शुरूआत शहर के सराफा चौक से हुई। हाथों में जलती हुई मोमबत्तियां लेकर व्यापारी भगत सिंह रोड होते हुए शिव चौक पहुंचे। यहां दिवंगत उपनिरीक्षक अरुण चाहर के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कैंडल मार्च में शामिल व्यापारियों और आम नागरिकों ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान लोगों ने कहा कि अरुण चाहर का असमय दुनिया से चले जाना बेहद दुखद है। वह अपने व्यवहार, मिलनसार स्वभाव और लोगों के प्रति आत्मीयता के कारण सभी के बीच लोकप्रिय थे।

उनके निधन से पुलिस विभाग के साथ-साथ उन्हें करीब से जानने वाले लोगों को भी गहरा आघात पहुंचा है। व्यापारियों और आम नागरिकों की ओर से आयोजित कैंडल मार्च ने यह संदेश दिया कि अरुण चाहर भले ही आज उनके बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेंगी। इस दौरान मुजफ्फरनगर के उद्योगपति एवं भाजपा नेता विभु सिंघल उर्फ विभोर ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उपनिरीक्षक अरुण चाहर बहुत ही मेहनती थे।

रामराज में चेकिंग अभियान के दौरान 2 आरोपी गिरफ्तार: अवैध शराब बरामद,आबकारी अधिनियम में चालान

रामराज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल

रामराज(मुजफ्फरनगर)। थाना रामराज पुलिस ने क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 40 पव्वे अवैध देसी शराब बरामद की है। दोनों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए उनका चालान कर दिया गया है।

चेकिंग अभियान के दौरान हत्थे चढ़े आरोपी

थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने बताया कि अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से रामराज पुलिस हुसैनपुर से जलालपुर नीला मार्ग तथा जमालपुर ट्यूबवेल के समीप सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम को दो संदिग्ध युवक पैदल आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने शक के



आधार पर दोनों को रोककर जब उनकी तलाशी ली, तो उनके कब्जे से 20-20 (कुल 40) पव्वे देसी शराब बरामद हुए। पूछताछ में हुई शिनाख्त पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपनी पहचान राजा पुत्र मुस्लिम (निवासी ग्राम गढ़ी मुझेडा, थाना मीरापुर) तथा नीरज पुत्र सरनाम (निवासी ग्राम समाना उर्फ रामराज, थाना रामराज) के रूप में दी है। आबकारी अधिनियम में चालान

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी शराब को अवैध रूप से बिक्री या तस्करी के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उनका चालान कर दिया। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार और तस्करी के खिलाफ यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

चरथावल बीईओ के समर्थन में उतरे शिक्षक: बीएसए को ज्ञापन सौंप दर्ज कराया विरोध

झूठे आरोपों से विभाग की छवि खराब करने का लगाया आरोप

मुजफ्फरनगर। तीन दिन पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के बाद अब क्षेत्र के कई शिक्षक बीईओ के पक्ष में खुलकर सामने आ गए हैं। शनिवार को ब्लॉक के विभिन्न शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को ज्ञापन सौंपा और बीईओ के समर्थन में अपनी बात रखी।

बाहरी लोगों द्वारा छवि धूमिल करने का आरोप

बीएसए को ज्ञापन सौंपते हुए वक्ताओं ने कहा कि बीईओ पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने बताया कि गत 22 अक्टूबर को दूसरे ब्लॉकों से आए कुछ लोगों ने स्थानीय कुछ शिक्षकों के साथ मिलकर बीआरसी पर खंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन किया था और अनियमितताओं के आरोप



लगाए थे। शिक्षकों का कहना था कि बिना किसी ठोस आधार के लगाए गए इन आरोपों से विभाग और अधिकारियों की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

अनुशासन और विभागीय गरिमा बनाए रखने की अपील

शिक्षकों ने मांग की कि विभाग की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से चलाने के लिए अधिकारियों का मनोबल बढ़ाना आवश्यक है और ऐसे प्रदर्शनों से विभागीय अनुशासन प्रभावित होता है। उन्होंने प्रशासन से मामले का संज्ञान लेने का अनुरोध किया। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख लोग रहे शामिलखंड शिक्षा अधिकारी के समर्थन में ज्ञापन देने वालों में हरिराज सिंह, आदेश कुमार, जसराज सिंह, कैलाश चंद और मोहतशीम सहित कई अन्य शिक्षक व संगठन प्रतिनिधि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मरीज की मौत: परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। नगर के मोहल्ला लद्धावाला निवासी शमीम मलिक की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय निवासियों ने डॉक्टरों पर इलाज में घोर लापरवाही बर्तने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी जिला अस्पताल पहुंच गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। इलाज में लापरवाही का आरोप

परिजनों के अनुसार, लद्धावाला निवासी



शमीम मलिक को तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में तैनात डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने मरीज की स्थिति पर समय रहते ध्यान नहीं दिया और इलाज में भारी लापरवाही बरती, जिसके कारण शमीम की हालत बिगड़ती चली गई और अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया।

अस्पताल परिसर में उमड़ी भीड़, परिजनों में भारी रोष

शमीम मलिक की मौत की खबर मिलते ही लद्धावाला मोहल्ले से भारी संख्या में लोग और परिजन जिला अस्पताल में एकत्र हो गए। आक्रोशित परिजनों और समर्थकों ने अस्पताल प्रशासन और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। अस्पताल परिसर में बढ़ती भीड़ और हंगामे को देखते हुए सुरक्षा के लिहाज से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

आवंटित: दीपावली के बाद शुरू होगा पेराई सत्र

जिले के किसान अपनी तैयारियों में जुटे

शामली। नए पेराई सत्र की तैयारियों के तहत शासन ने जिले की तीनों प्रमुख चीनी मिलों को कुल 189 गन्ना खरीद केंद्र आवंटित कर दिए हैं। हालांकि, इस बार जिले की चीनी मिलों का पेराई सत्र लगभग एक सप्ताह पिछड़ गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि दीपावली के बाद मिलों में पेराई कार्य औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा।

किस मिल को मिले कितने केंद्र

शासनादेश के अनुसार, जिले की ऊन चीनी मिल को सर्वाधिक 89 खरीद केंद्र आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा थानाभवन मिल को 72 तथा शामली मिल को 28 गन्ना खरीद केंद्र मिले हैं। जिला गन्ना अधिकारी रणजीत सिंह कुशवाहा ने



बताया कि शामली चीनी मिल को आवंटित 28 खरीद केंद्रों के साथ 19,386 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्रफल को जोड़ा गया है।

कई खरीद केंद्रों का हुआ स्थानांतरण

प्रशासनिक और व्यावहारिक सुगमता को देखते हुए कुछ केंद्रों का फेरबदल भी किया गया है। थानाभवन मिल के तीन खरीद केंद्रों–गंदेवड़ा 'ए' व 'बी' को सहारनपुर जिले की ननौता मिल तथा लिसाढ़ पंचम को शामली मिल में स्थानांतरित किया गया है। वहीं, शामली मिल के अंतर्गत आने वाले खेड़ी पट्टी केंद्र को मुजफ्फरनगर की तितावी चीनी मिल में ट्रांसफर किया गया है।

दीपावली बाद शुरू होगी पेराई, 8प्रतिशत आ रही रिकवरी

मिलों के संचालन को लेकर प्रबंधन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ऊन चीनी मिल के यूनिट हेड कुलदीप पिलानिया के अनुसार, मिल में 10 नवंबर के बाद पेराई सत्र शुरू होने की संभावना है। शामली चीनी मिल के यूनिट हेड संजय शर्मा ने बताया कि मिल में नई टरबाइन स्थापित की गई है, जिसके सफल परीक्षण के उपरांत पेराई का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। थानाभवन मिल का संचालन भी दिवाली के बाद संभावित है। जिला गन्ना अधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि शुरूआती जांच और सैंपलिंग के अनुसार इस बार गन्ने में शर्करा की रिकवरी लगभग 8 प्रतिशत आ रही है।

कैराना में ओवैसी की जनसभा, भाजपा और विपक्षी दलों पर साधा निशाना

शामली। कैराना क्षेत्र के तीतरवाड़ा रोड पर आयोजित जनसभा को संबोधित करने पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को सुनने के लिए मैदान में हजारों लोगों की भीड़ जुटी है। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियों के बीच ओवैसी ने अल्पसंख्यक समाज की राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा उठाया और भाजपा, सपा व कांग्रेस पर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि अल्पसंख्यक समाज को राजनीतिक आजादी और अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाने की जरूरत है। उन्होंने सवाल उठाया कि वर्ष 2014, 2017, 2019 और 2022 के चुनावों में भाजपा की जीत के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने मस्जिदों को ध्वस्त किए जाने के मुद्दे का जिक्र करते हुए सपा और कांग्रेस की राजनीति पर भी सवाल उठाए। ओवैसी ने उत्तराखंड का जिक्र करते हुए भी अपनी बात रखी और उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी पार्टी की भूमिका को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी नहीं चाहती कि योगी आदित्यनाथ तीसरी बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनें। जनसभा में ओवैसी ने अल्पसंख्यक समाज की राजनीतिक भागीदारी और प्रदेश की सियासत से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए अपनी पार्टी का पक्ष रखा।

पीईटी परीक्षा देने नहीं पहुंचे 6235 अभ्यर्थी, डीएम ने किया केंद्रों पर निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। जनपद में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक मुकम्मल इंतजामों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से हुई। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए मुजफ्फरनगर में कुल 22 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां दो पालियों में परीक्षा का आयोजन किया गया। पहले दिन की परीक्षा में डीएम व एसएसपी ने भी केंद्रों की व्यवस्था संभाली। रविवार को दोनों पालियों में 6235 अभ्यथियों ने परीक्षा दोड़ी। जनपद में 22 केंद्रों पर हुई पीईटी परीक्षा तीन दिन होनी है। पहले दिन रविवार को परीक्षा की समय सारणी के अनुसार प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9 बजे से शुरू हुई, जबकि द्वितीय पाली दोपहर 3 बजे से आयोजित की गई। परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला और वे तय समय से काफी पहले ही अपने-अपने केंद्रों पर पहुँचना शुरू हो गए थे। सभी केंद्रों पर चैकिंग के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से ठीक एक घंटा पहले केंद्रों में कड़ी चेकिंग के बाद प्रवेश दिया गया।

प्रथम पाली की परीक्षा में कुल 10,320 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 7,108 ने परीक्षा दी और 3,212 अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में भी 10,320 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 7,297 ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 3,023 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 14,405 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के नोडल अधिकारी एवं एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह ने बताया कि दोनों पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न हुई है।

गाजियाबाद पहुंचीं कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक, बोलीं देश में हो रही वोट चोरी

वोट बचाओ देश बचाओ अभियान शुरू वोट रक्षक घर-घर जाकर करेंगे मतदाता सूची की जांच 1 नवंबर को महा रैली का ऐलान

गाजियाबाद। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक रविवार को गाजियाबाद जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए देश में वोट चोरी होने का आरोप लगाया उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से वोट बचाओ देश बचाओ अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

रागिनी नायक ने कहा कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में विपक्ष इस मुद्दे को देशभर में उठाएगा उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने और मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित करने के आरोप लगाए।

25 जिलों में प्रेस वार्ता घर घर पहुंचेंगे वोट रक्षक

रागिनी नायक ने बताया कि अभियान के तहत देश के 25 जिलों में प्रेस वार्ता कर लोगों को मतदाता सूची से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जानकारी दी जाएगी इसके बाद वोट रक्षक बनाए जाएंगे, जो घर-घर और बूथ स्तर पर जाकर मतदाता सूची की जांच करेंगे उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान जिन लोगों के नाम गलत तरीके से काटे जाने का आरोप है, उनके दस्तावेजों के सत्यापन और दोबारा पंजीकरण की प्रक्रिया को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

1 नवंबर को महा रैली नवंबर में दिल्ली कूच की तैयारी

कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की ओर से वोट चोरी के मुद्दे पर महा रैली आयोजित करने की योजना है उन्होंने कहा कि एक से 25 नवंबर तक गांवों में चौपाल लगाकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा विभिन्न राज्यों से रैलियां निकालकर लोगों को दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया जाएगा। उनके मुताबिक, 25 और 26 नवंबर को दिल्ली में कार्यक्रम के समापन की योजना है।

प्रदर्शन रोकने के मुद्दे पर सरकार को घेरा

दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर रागिनी नायक ने कहा कि लोकतंत्र में सड़क पर विरोध और संसद में संवाद दोनों का महत्व है उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के साथ राष्ट्रपति को भी ज्ञापन दिया है।

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संवैधानिक अधिकार हैं रागिनी नायक ने सरकार पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे पर अपना संघर्ष जारी रखेगी।

अंत में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करते हुए एसआईआर को खारिज करने और कथित तौर पर हटाए गए मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जब तक इन मांगों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा।

विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन, जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

संघ के 100 वर्षों के राष्ट्रसेवा के सफर पर डाला प्रकाश, समाज को संगठित कर राष्ट्रहित में कार्य करने का किया आह्वान

मुजफ्फरनगर। विजयदशमी पर्व के अवसर पर रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा रामलीला टिल्ला स्थित हनुमान शाखा से पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकजुटता का परिचय दिया। क्षेत्र की विभिन्न गलियों से होकर निकले पथ संचलन का स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में विभाग प्रचारक भूपेंद्र ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना, उसकी विचारधारा और



राष्ट्रहित में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वर्ष 1925 में संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने विजयदशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी।

संघ का प्रमुख उद्देश्य समाज को संगठित करना, समाज की सुप्त शक्ति को जागृत करना तथा लोगों को राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में समाज और राष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है।

संघ की शताब्दी यात्रा समाज के संगठन, राष्ट्रभावना और सेवा के संकल्प को मजबूत करने का प्रतीक है। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए व्यक्ति का आचरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संघ के कार्यकर्ता अपने व्यवहार, अनुशासन और सेवा भावना के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाने का कार्य करते हैं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय डिस्ट्रिक्ट एक्जीबिशन कमेटी मुजफ्फरनगर

संख्या: 038 /सी०एम०-प्रदर्शनी **दिनांक: 23-10-2026**

(ई-ऑक्शन सूचना)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डिस्ट्रिक्ट एक्जीबिशन कमेटी मैदान में दिनांक 21-11-2026 से 15-12-2026 तक (कुल 25 दिन) नुमाईश मेला-2026 मुजफ्फरनगर का आयोजन किया जाना है। उक्त निविदा जेम पोर्टल पर दिनांक 24-10-2026 से दिनांक 28-10-2026 दोपहर 12 बजे तक प्रदर्शित रहेगी। उक्त ठेके हेतु जेम पोर्टल पर दिनांक 03-11-2026 प्रातः 11 बजे से दिनांक 04-11-2026 दोपहर 12 बजे तक निविदा दाताओं से निविदाएं आमंत्रित हैं। नियम व शर्तें जेम पोर्टल पर उपलब्ध हैं। ठेके के धनराशि पर जी०एस०टी० एवं अन्य सरकारी टैक्स अतिरिक्त है।

वेबसाइट:-https://gem.gov.in/
ऑक्शन आई०डी० 42330

नगर मजिस्ट्रेट/प्रभारी अधिकारी
डिस्ट्रिक्ट एक्जीबिशन कमेटी
मुजफ्फरनगर।



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 26 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



ताऊ के अंतिम संस्कार में आ रही महिला को डंपर ने कुचला, मौके पर मौत

बुढ़ाना में नगर पंचायत कार्यालय के पास हादसा, टक्कर लगने से करीब 10 फीट दूर उछलकर गिरी महिला; दुकान के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना, डंपर छोड़कर चालक फरार

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ताऊ की मौत की खबर सुनकर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने मायके पहुंची 56 वर्षीय रेहाना की सड़क हादसे में मौत हो गई। बस से उतरकर पैदल घर जा रही रेहाना जब सड़क पार कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह करीब 10 फीट दूर जाकर गिरीं और गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया। घटना पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर फरार चालक की तलाश में जुटी है। हादसा बुढ़ाना में नगर पंचायत कार्यालय के पास कमल टॉकीज के निकट सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। महिला की मौत से परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस घर में ताऊ की मौत के कारण पहले से मातम पसरा था, वहां रेहाना की असमय मौत से दुख और बढ़ गया। एक ही दिन में परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार, रेहाना अपने ताऊ सादिक की मौत की खबर सुनकर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बुढ़ाना आई थीं। उनका मायका रोडवेज बस अड्डे से करीब 300 मीटर की दूरी पर है। बस से उतरने के बाद वह पैदल ही घर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान कमल टॉकीज के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रेहाना उछलकर सड़क पर दूर जा गिरीं। उनके सिर में गंभीर चोट लगी और खून बहने लगा। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन रेहाना की जान नहीं बच सकी। हादसे



के बाद डंपर चालक मौके पर रुकने के बजाय वाहन छोड़कर फरार हो गया। आसपास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में दुर्घटना की घटना कैद हो गई। पुलिस इस फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने और फरार चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद क्षेत्र में सड़क पर तेज रफ्तार भारी वाहनों की आवाजाही और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। हालांकि, परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया। चौकी प्रभारी ललित कसाना ने बताया कि हादसे के बाद डंपर को कब्जे में ले लिया गया है। परिजन पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे, जिसके बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। फरार चालक की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है। रेहाना के भाई परवेज के अनुसार, उनके पति इरशाद सऊदी अरब में एक होटल में काम करते हैं। उनके बड़े बेटे शाहरुख (25) लोनी में क्लीनिक चलाते हैं, जबकि छोटा बेटा साहिल (20) कारोबार करता है। रेहाना की दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। बड़ी बेटी शिबा (30) और छोटी बेटी साहिबा (22) हैं। रेहाना की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। ताऊ सादिक की मौत के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मायके पहुंची रेहाना खुद भी हादसे का शिकार हो गईं।

सहायता समिति के नाम पर ठगी का आरोप, खतौली में नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पांच साल तक हर महीने 500 रुपये जमा कराए, रकम दोगुनी करने का भी दिया था लालच, शिकायतकर्ता ने बेटे के नाम से भी जमा कराए थे रुपये

मुजफ्फरनगर। खतौली थाना क्षेत्र के गांव छछरपुर में सहायता समिति के नाम पर लोगों से रुपये जमा कराने और निर्धारित समय पूरा होने के बाद रकम वापस नहीं देने का मामला सामने आया है। गांव निवासी मोनू कुमार ने समिति से जुड़े लोगों पर धोखाधड़ी कर कुल 1.80 लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव छछरपुर निवासी मोनू कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर कहा था कि वे आपकी अपनी सहायता समिति नाम से एक संस्था चलाते हैं। संस्था में प्रतिमाह 500 रुपये जमा करने पर पांच साल बाद 30 हजार रुपये के बदले 50 हजार रुपये देने का आश्वासन दिया गया था। इसके अलावा एकमुश्त रकम जमा करने पर सवा पांच साल बाद दोगुनी राशि मिलने की बात भी कही गई थी। इन आश्वासनों पर विश्वास करके उन्होंने अपने और अपने बेटे के नाम से समिति में रुपये जमा कराने शुरू कर दिए। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने अपने नाम से एक डायरी के माध्यम से निर्धारित अवधि तक प्रतिमाह 500 रुपये जमा किए। इसके अलावा एकमुश्त जमा योजना के तहत तीन जुलाई 2019 को 15 हजार रुपये भी जमा कराए। इस रकम के बदले समिति से जुड़े लोगों ने उन्हें अलग-अलग किताबें और डायरियां दी थीं, जिनमें जमा की गई रकम का हिसाब दर्ज किया जाता था। मोनू कुमार का आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे वंश के नाम से भी दो अलग-अलग डायरियां बनवाई थीं। इन डायरियों के माध्यम से भी प्रतिमाह 500-500 रुपये जमा कराए गए। शिकायत में बताया गया कि एक डायरी में नौ अक्टूबर 2015 से नौ सितंबर 2020 तक तथा दूसरी डायरी में 12 सितंबर 2016 से 12 अगस्त 2021 तक कुल 30-30 हजार रुपये जमा किए गए। डायरियों पर समिति से जुड़े लोग हस्ताक्षर करके उन्हें देते थे। समय पूरा होने पर रुपये मांगने लगे तो टालमटोल का आरोप

शिकायतकर्ता के मुताबिक, अपने और बेटे के नाम से रकम जमा कराने की निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उन्होंने समिति से जुड़े लोगों से अपनी जमा पूंजी वापस मांगी। उनका कहना है कि कुल 1.80 लाख रुपये की मांग करने पर आरोपी लगातार आजकल कहकर टालते रहे।

काफी समय बीतने के बावजूद उन्हें उनकी रकम वापस नहीं की गई।

आरोप है कि 10 जून 2026 को जब मोनू कुमार ने दोबारा सख्ती से अपने रुपये मांगे तो संबंधित लोगों ने कथित तौर पर रकम लौटाने से इनकार कर दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने कहा कि वे अब रुपये वापस नहीं देंगे और उन्हें जो करना है, कर लें। इसके बाद उन्हें आशंका हुई कि समिति के नाम पर योजना बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी की गई है।

मोनू कुमार ने मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। शिकायत में गांव छछरपुर निवासी सोलनपाल, अनिल, सत्यवीर, कृपाल, गुरदीप बादल, शानू, सविता, सुरेश और रतन सहित मेरठ निवासी मुसद्दीलाल के नाम शामिल हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इन लोगों ने एकराय होकर समिति के नाम पर उसकी रकम हड़प ली।

सड़क हादसे में जान गंवाने वाले उपनिरीक्षक अरुण चाहर को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी

पुलिस लाइन में एसएसपी समेत आला अधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि, दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए सिविल लाइन थाने की स्टेडियम चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण चाहर का उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से मुजफ्फरनगर पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। शासकीय कार्य से जानसठ क्षेत्र में गए उपनिरीक्षक अरुण चाहर ड्यूटी संबंधी कार्य पूरा करने के बाद वापस सिविल लाइन लौट रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल उपनिरीक्षक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जानसठ पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। दिवंगत उपनिरीक्षक अरुण चाहर को पुलिस लाइन मुजफ्फरनगर में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक



सूरज कुमार राय सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधिकारियों ने दिवंगत उपनिरीक्षक की सेवाओं को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं। श्रद्धांजलि देने वालों में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ और पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे सहित समस्त क्षेत्राधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी। राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें अंतिम सलामी दी गई। इसके बाद दिवंगत उपनिरीक्षक के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया और अंतिम संस्कार के लिए उनके निवास स्थान रवाना किया गया। पुलिस के अनुसार, 24 अक्टूबर की रात थाना जानसठ क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में कार सवार के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को उपचार के लिए सीएचसी जानसठ में भर्ती कराया। बाद में घायल की पहचान सिविल लाइन थाना क्षेत्र की स्टेडियम चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण चाहर के रूप में हुई। बताया गया कि उपनिरीक्षक अरुण चाहर शासकीय कार्य से जानसठ थाना क्षेत्र में गए थे। वहां से वापस सिविल लाइन लौटते समय वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। परिजनों को हादसे और निधन की सूचना दी गई तथा शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्यवाही पूरी की गई। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी जानकारी जुटाने के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है। जांच के आधार पर हादसे से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जाएगा। कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी को खोने से पुलिस परिवार में शोक उपनिरीक्षक अरुण चाहर का असामयिक निधन मुजफ्फरनगर पुलिस के लिए अपूरणीय क्षति है। ड्यूटी के दौरान अपने साथी को खोने से पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शोकाकुल हैं। पुलिस विभाग ने उनके कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और सेवाभाव को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए यह घटना गहरे दुख का विषय है। अपने साथी अधिकारी को खोने का दुख पुलिस लाइन में आयोजित अंतिम सलामी के दौरान भी देखने को मिला। अधिकारियों ने दिवंगत उपनिरीक्षक को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुजफ्फरनगर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि दुख की इस घड़ी में विभाग दिवंगत उपनिरीक्षक अरुण चाहर के परिवार के साथ खड़ा है। परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही नियमानुसार देय सेवा संबंधी लाभ और पुलिस वेतन पैकेज के अंतर्गत मिलने वाले अनुमन्य लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

ककरौली पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

बेहड़ा सादात, खाईखेड़ा, टंढेड़ा और निजामपुर से पकड़े गए आरोपी, सचिन के खिलाफ हत्या समेत 14 मुकदमे दर्ज

मुजफ्फरनगर। ककरौली थाना पुलिस ने वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में बेहड़ा सादात निवासी सचिन, खाईखेड़ा निवासी रहीश, टंढेड़ा निवासी निसार और निजामपुर निवासी ओमवीर शामिल हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडिक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण और ककरौली थाना प्रभारी दीपक चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सचिन निवासी बेहड़ा सादात, रहीश निवासी खाईखेड़ा, निसार निवासी टंढेड़ा



की उम्र करीब 45 वर्ष और ओमवीर निवासी निजामपुर है। पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार, सचिन के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में 14 मुकदमे दर्ज हैं। रहीश के खिलाफ मारपीट और धमकी देने से संबंधित एक मुकदमा दर्ज है। निसार के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज है। वहीं, ओमवीर के खिलाफ विद्युत अधिनियम, मारपीट और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम समेत विभिन्न मामलों में तीन मुकदमों का उल्लेख किया गया है।

चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुनेश सिंह, दिनेश सिंह, देवेंद्र सिंह और शैलेन्द्र सिंह तथा कांस्टेबल कृष्ण कुमार, देशराज सिंह और शैलेन्द्र सिंह शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, चारों अभियुक्तों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बिलासपुर कट पर लगातार दूसरे दिन बवाल, मामूली साइड लगने पर भिड़े दो गुट

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर बीच सड़क करीब 10 मिनट तक चलती रही मारपीट, एक युवक के कपड़े फटे, घटना का वीडियो सामने आने से सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित बिलासपुर कट लगातार दूसरे दिन मारपीट की घटनाओं को लेकर चर्चा में आ गया है। यहां मामूली विवाद के बाद युवकों के बीच झगड़ा इस कदर बढ़ा कि दोनों पक्ष बीच सड़क एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने लगे। करीब 10 मिनट तक चले इस विवाद के दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मारपीट की घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के युवक एक-दूसरे से भिड़ते दिखाई दे रहे हैं। लगातार दो रात इस इलाके में मारपीट की घटनाएं सामने आने से हाईवे के इस कट पर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामूली साइड लगने से शुरू हुआ विवाद, सड़क पर बरसे लात-घूंसे जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब नौ बजे बिलासपुर कट के पास दो बाइकों के बीच मामूली टक्कर या साइड लगने को लेकर विवाद शुरू हुआ। दोनों बाइकों पर सवार चार से पांच युवकों के बीच पहले कहासुनी हुई।



शुरूआत में मामूली लग रहा विवाद देखते ही देखते बढ़ गया और दोनों पक्षों के युवक हाथापाई पर उतर आए। आरोप है कि कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के युवक एक-दूसरे से भिड़ गए। सड़क पर ही मारपीट शुरू होने से मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। युवक एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाते रहे। विवाद के दौरान एक युवक के कपड़े तक फट गए। मामूली सड़क विवाद का इस तरह मारपीट में बदल जाना मौके पर मौजूद लोगों के लिए भी चर्चा का विषय बना रहा। प्रत्यक्षदर्शी बिट्टू के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच करीब 10 मिनट तक कहासुनी और मारपीट होती रही। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। कुछ लोग विवाद में हस्तक्षेप करने के बजाय खड़े होकर घटना देखते रहे, जबकि बाद में कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग कराया। हाईवे के कट के पास सड़क पर हुई इस घटना से यह सवाल भी उठता है कि मामूली विवाद के दौरान आखिर लोग संयम क्यों नहीं रख पाते और छोटी-सी बात हाथापाई तक कैसे पहुंच जाती है। हालांकि, विवाद के पीछे की पूरी वजह और मारपीट में शामिल लोगों की भूमिका जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद बिलासपुर कट पर हुए विवाद की चर्चा तेज हो गई है। वीडियो में युवक आपस में मारपीट करते नजर आ रहे हैं। विवाद बढ़ने के साथ दोनों पक्षों के बीच हाथापाई भी तेज होती दिखाई देती है। हालांकि, वीडियो में नजर आ रहे युवकों की पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है। वीडियो में दिखाई दे रही घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर होने वाले विवादों और उन्हें रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप की जरूरत को सामने रखा है।

मामूली साइड लगने जैसी बात पर सड़क पर मारपीट होने से न केवल संबंधित लोगों के लिए परेशानी पैदा होती है, बल्कि आसपास मौजूद लोगों और सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए भी स्थिति असहज हो सकती है। बिलासपुर कट पर यह पहली घटना नहीं है। इससे एक रात पहले शुक्रवार को भी इसी इलाके में कई लोगों द्वारा एक युवक की पिटाई किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

मुजफ्फरनगर में नकली अंग्रेजी शराब बनाने और पैकिंग करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, सात आरोपी गिरफ्तार

210 बोतल अंग्रेजी शराब, 99 खाली बोतलें, 398 ढक्कन और नकली रैपर बरामद; शराब की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले, तीन कार और पांच मोबाइल पुलिस ने कब्जे में लिए

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नकली रैपर और पैकिंग सामग्री के इस्तेमाल से शराब तैयार करने के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 210 बोतल अंग्रेजी शराब, 99 खाली बोतलें, 398 ढक्कन, चार रैपर और शराब की बोतलों व कार्टून की पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। मौके से घटना में प्रयुक्त तीन कार और पांच मोबाइल फोन भी कब्जे में लिए गए हैं। पुलिस ने सभी सात आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन और पुलिस



अधीक्षक नगर अमृत जैन के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में नशे के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस और जिला एसओजी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रामपुर तिराहे के पास रेलवे लाइन पुल के नीचे चेकिंग और गश्त के दौरान सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित और राकेश निवासी समालखा, जिला पानीपत, हरियाणा, मेहताब निवासी शाहपुर जदीद, थाना दौराला, जिला मेरठ, धीरज निवासी शिव कॉलोनी, शामली, रामप्रकाश निवासी मूल रूप से दरियापुर, थाना बल्दीराय, जिला सुल्तानपुर और हाल निवासी चंडीगढ़, हरदीप सिंह निवासी रेलपार पंजाबी कॉलोनी, शामली तथा कुलदीप निवासी नसीरपुर, थाना तितावी, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।पुलिस सभी आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जानकारी जुटा रही है। बरामद शराब, खाली बोतलों, ढक्कनों, रैपर और पैकिंग उपकरणों के संबंध में भी जांच की जा रही है। पुलिस की बरामदगी सूची के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 210 बोतल अंग्रेजी शराब, 99 खाली बोतलें, 398 ढक्कन और चार रैपर बरामद हुए हैं। इसके अतिरिक्त तीन प्लास्टिक के बोरों में पैकिंग से संबंधित सामग्री मिली है। इस सामग्री में प्लास्टिक के ढक्कन पैक करने वाला हीट ड्रायर, कार्टून पैक करने वाली मशीन, क्लिप लगाने वाला सरौता, दो सिरिंज, टेप के दो बंडल, तीन धारदार ब्लेड वाले चाकू, एक पेचकस, कार्टून पैक करने वाली सफेद प्लास्टिक स्ट्रिप और लोहे की क्लिप का एक पैकेट शामिल है। पैकेट में 100 क्लिप बताई गई हैं। पुलिस के मुताबिक, बरामद सामग्री में शराब की बोतलों और कार्टून की पैकिंग से संबंधित कई उपकरण शामिल हैं।

एमजी वर्ल्ड विजन स्कूल में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, 75 लोगों की आंखों की जांच

24 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि के बाद निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन, जरूरतमंदों को दवाइयां भी वितरित, हर महीने लगाया जा रहा है शिविर

मुजफ्फरनगर। जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एमजी वर्ल्ड विजन स्कूल परिसर में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। एमजी चैरिटेबल ट्रस्ट और वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय, प्रेमपुरी के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में 75 लोगों की आंखों की जांच कर उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जांच के दौरान 24 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद की शिकायत मिलने पर उनकी सहमति से निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर में जरूरत के अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

शिविर का शुभारंभ एमजी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश चंद गोयल ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष रोहित सिंघल, वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय प्रेमपुरी के अध्यक्ष शिवचरण दास गर्ग और विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ.



मृणालिनी अनन्त मौजूद रहीं। प्रधानाचार्या ने अतिथियों, चिकित्सक और नेत्र रोगियों का विद्यालय परिसर में स्वागत किया। एमजी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश चंद गोयल ने बताया कि विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय हरबंस लाल गोयल और स्वर्गीय विमलावती देवी की पुण्य स्मृति में प्रत्येक माह के चौथे रविवार को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को आंखों की जांच, उचित परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय, प्रेमपुरी के सहयोग से नियमित रूप से किया जा रहा है। इसके माध्यम से ऐसे लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें नेत्र संबंधी समस्याओं के उपचार की आवश्यकता है। शिविर में वरदान नेत्र चिकित्सालय, प्रेमपुरी की वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉ. स्वाति अग्रवाल ने मरीजों की आंखों की जांच की। उन्होंने रोगियों को उनकी समस्या के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श दिया और आवश्यकतानुसार दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। आंखों की जांच के दौरान 24 मरीजों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई। इन मरीजों को उनकी सहमति के आधार पर निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में पहुंचे अन्य लोगों को भी आंखों की देखभाल और उपचार के संबंध में आवश्यक सलाह दी गई। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को एक ही स्थान पर नेत्र जांच, उपचार संबंधी परामर्श और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। आयोजकों ने बताया कि संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय हरबंस लाल गोयल और स्वर्गीय विमलावती देवी की स्मृति में संचालित यह सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा।

कार्यक्रम में एमजी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष सतीश चंद गोयल, उपाध्यक्ष रोहित सिंघल, वरदान धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय के अध्यक्ष शिवचरण दास गर्ग और प्रधानाचार्या डॉ. मृणालिनी अनन्त उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बजरंगी सेना के अध्यक्ष को फेसबुक पर जान से मारने की धमकी, छपार थाने में मुकदमा दर्ज

धमकी देने वाले ने मुख्यमंत्री और पुलिस के खिलाफ भी की गाली-गलौज, पीड़ित ने जताई जान-माल के नुकसान की आशंका, अज्ञात आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग

मुजफ्फरनगर। सोशल मीडिया के माध्यम से जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आने के बाद छपार थाना पुलिस ने राष्ट्रीय बजरंगी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमित बजरंगी की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप है कि फेसबुक पर एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। जब उन्होंने धमकी देने वाले व्यक्ति को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार और पुलिस का हवाला देते हुए जवाब दिया, तो आरोपी ने मुख्यमंत्री और पुलिस के खिलाफ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। घटना के बाद से पीड़ित और उनके परिवार में चिंता का माहौल है। शिकायतकर्ता ने अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताते हुए पुलिस से आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। छपार थाना क्षेत्र



के गांव दतियाना निवासी सुमित शर्मा उर्फ सुमित बजरंगी ने पुलिस को दी गई लिखित तहरीर में बताया कि वह राष्ट्रीय बजरंगी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 की रात फेसबुक के माध्यम से एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। सोशल मीडिया पर मिली इस धमकी को उन्होंने गंभीरता से लिया और धमकी देने वाले व्यक्ति को जवाब दिया। सुमित बजरंगी के मुताबिक, उन्होंने संबंधित व्यक्ति से कहा कि वह योगी आदित्यनाथ के शासन में सुरक्षित हैं और उत्तर प्रदेश पुलिस धमकी देने वाले को नहीं छोड़ेगी। आरोप है कि इस जवाब के बाद अज्ञात व्यक्ति ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुलिस के खिलाफ भी गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में इस पूरे घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत में सुमित बजरंगी ने आरोप लगाया कि धमकी देने वाले व्यक्ति ने केवल उन्हें ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि जवाब देने पर मुख्यमंत्री और पुलिस के प्रति भी अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। पीड़ित के अनुसार, सोशल मीडिया पर इस तरह की धमकी मिलने से उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता होने लगी। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना के बाद उनके परिवार में भी गंभीर चिंता बनी हुई है। उन्हें आशंका है कि धमकी देने वाला व्यक्ति उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य के साथ कोई अप्रिय घटना कर सकता है। इसी वजह से उन्होंने पुलिस से शिकायत पर संज्ञान लेकर समय रहते उचित कदम उठाने और उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। सुमित बजरंगी ने पुलिस को दी गई शिकायत में यह भी स्पष्ट किया कि धमकी मिलने की घटना 13 अक्टूबर की रात की है, लेकिन वह उस समय बाहर गए हुए थे।

संपादकीय

अभी तो सर्दी शुरू भी नहीं हुई, जहरीली हवा ने बढ़ाई चिंता

सर्दियों की शुरुआत से पहले ही दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ने लगा है। अल-नीनो के चलते कम बारिश और ज्यादा तापमान प्रदूषण की समस्या गंभीर कर सकते हैं। पराली और वाहनों का धुआं भी चुनौती बढ़ाएगा। सर्दियों ने अभी बस आहट ही दी है और देश के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता बिगड़ने लगी है। बुधवार को यूपी के गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, बागपत, बुलंदशहर, हरियाणा के गुरुग्राम, बहादुरगढ़, बल्लभगढ़ समेत कई शहरों में भी 200 के ऊपर यानी खराब रहा। दिल्ली-एनसीआर में तो ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का पहला चरण लागू करना पड़ा है।ठंड के मौसम में यह कहानी हर साल की है। आशंका है कि इस बार अल-नीनो की वजह से मुश्किल और बढ़ेगी। इसके चलते सर्दियों में बारिश कम होगी और तापमान ज्यादा रहेगा। इससे वायु प्रदूषण बढ़ सकता है। अभी वह पीक सीजन आना भी बाकी है, जब पराली जलाने की सबसे ज्यादा घटनाएं दर्ज होती हैं। पिछले साल बाढ़ की वजह से पंजाब में कम पराली जलाई गई थी, इस दफा आंकड़ा अभी से बढ़ा हुआ है। इसी तरह, दिवाली के आसपास भी हवा की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित होती है। दिल्ली की बात करें तो उसके लिए सर्दियों में सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। पिछले साल नवंबर में 24 दिनों तक एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 300 के ऊपर रहा था और तीन दिन तो 400 के पार चला गया था यानी गंभीर। अबकी दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए खास योजना बनाई है, जो ग्रेप से अलग है और एक नवंबर से लागू होगी। इसमें कंस्ट्रक्शन साइटों पर रोक, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर पाबंदी जैसे कदम शामिल हैं। हालांकि ये उपाय तभी असर दिखा पाएंगे, जब इन पर सख्ती से अमल हो।ग्रेप या दूसरे उपाय समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। इनके जरिये कुछ वक्त तक और कुछ हद तक प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। देश के शहरों और खासकर महानगरों को विस्तृत कार्ययोजना की जरूरत है। इस मामले में चीन का उदाहरण सामने है, जिसने अपने अपने बड़े शहरों को बहुत हद तक साफ बनाया है। 2013 से 2024 के दौरान चीन की राजधानी पेइचिंग में पीएम 2.5 के सालाना औसत स्तर में 66 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। चीन ने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन व इलेक्ट्रिक वीकल को बढ़ावा और कोयले पर निर्भरता घटाकर यह सफलता हासिल की है। दिल्ली में होने वाले प्रदूषण का एक सबक यह भी है कि अगर एक जगह उपाय किए जाते हैं, पर दूसरी जगह निगरानी कमजोर पड़ती है, तो पूरा फायदा नहीं मिलेगा। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों के आसपास के इलाकों को भी एक्शन प्लान में शामिल करना होगा।

देहली में बैठे-बैठे मोदी ने ईराक में कर दिया खेल, इंडिया के पास अब तेल ही तेल

रूस हो, इराक हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है।

दुनिया की नजर इस बात पर टिकी है कि भारत रूस से कितना तेल खरीद रहा है, वेनेजुएला से कितना तेल खरीदेगा और अमेरिकी दबाव के आगे भारत अपने फैसले बदलेगा या नहीं। लेकिन इस पूरे शोर-शराबे के बीच एक बड़ा सवाल जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है कि इराक से भारत कितनी बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहा है और इस खरीद से अपने आर्थिक हितों को कैसे साध रहा है? देखा जाये तो रूस और वेनेजुएला के तेल पर दुनिया बहस करती रहे, लेकिन भारत की असली रणनीति समझनी है तो इराक के साथ उसके तेल कारोबार पर नजर डालनी होगी। यही वह मोर्चा है, जहां भारत अपनी जरूरत, बाजार और कीमत के हिसाब से फैसले लेकर दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति किसी के दबाव से नहीं, बल्कि देश के हितों से तय होती है।



इराक, भारत की ऊर्जा सुरक्षा का एक बड़ा स्तंभ

देखा जाए तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है। देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, उद्योग और आम आदमी के जीवन में पेट्रोलियम की अहम भूमिका है। ऐसे में तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि भी भारत के आयात बिल, महंगाई और रुपये पर दबाव डाल सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में इराक ने भारत को 4.711 करोड़ मीट्रिक टन कच्चा तेल उपलब्ध कराया। यह भारत के कुल तेल आयात के मूल्य का लगभग 19.16 प्रतिशत था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि इराक भारत के लिए कोई मामूली या वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता नहीं है। वह भारत की ऊर्जा व्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। भारतीय तेल कंपनियां इराक से नियमित रूप से तेल खरीदती हैं और इस व्यापार के माध्यम से दोनों देशों के आर्थिक संबंध भी मजबूत होते हैं।

अक्टूबर 2026 की खरीद-क्यों चर्चा में आया इराक का तेल?

इराक से भारत की खरीद का महत्व हाल के घटनाक्रमों से और बढ़ गया है। 22 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में भारत ने इराक से प्रतिदिन लगभग 8.30 लाख बैरल तेल आयात किया, जबकि अगस्त में यह मात्रा लगभग 1.71 लाख बैरल प्रतिदिन थी। इसी दौरान भारत का रूस से तेल आयात लगभग 14 प्रतिशत घटकर 18 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। यह बदलाव बताता है कि भारत की तेल खरीद किसी एक राजनीतिक समीकरण से तय नहीं होती। जब मध्य-पूर्व का तेल प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध होता है, तो भारतीय रिफाइनरियां उसकी ओर रुख कर सकती हैं। रूस का तेल भी भारतीय बाजार के लिए महत्वपूर्ण बना रहता है, लेकिन खरीद का फैसला कीमत, परिवहन खर्च, उपलब्धता और रिफाइनरी की जरूरतों के आधार पर होता है।

इस रणनीति का एक और उल्लेखनीय उदाहरण सामने आया। इसी महीने की एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने इराक के बसरा टर्मिनल से लगभग 20 लाख बैरल बसरा मीडियम क्रूड की एक खेप खरीदने पर सहमति जताई थी। रिपोर्ट में इस खरीद के लिए दुबई के तेल मूल्य से 32 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत का उल्लेख किया गया। यह उदाहरण उस मूल सिद्धांत को सामने लाता है जिस पर भारत की ऊर्जा रणनीति आधारित होनी चाहिए। यानि जहां बेहतर आर्थिक शर्तें मिलें, वहां से तेल खरीदने के विकल्प खुले रखे जाएं।

वैश्विक बाजार पर क्या पड़ता है इसका असर?

देखा जाये तो तेल बाजार में भारत जैसे बड़े खरीदार का निर्णय केवल उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता। भारत प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। इसलिए यदि भारतीय कंपनियां रूस के बजाय इराक या दूसरे मध्य-पूर्वी उत्पादकों से अधिक तेल खरीदती हैं, तो अलग-अलग तेल ग्रेड की मांग, व्यापारिक प्रवाह और क्षेत्रीय मूल्य प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। सितंबर 2026 में मध्य-पूर्व से भारत का कुल तेल आयात बढ़कर लगभग 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया। यह भारत के कुल तेल आयात का लगभग 54 प्रतिशत था। बताया जा रहा है कि मध्य-पूर्वी तेल की बेहतर उपलब्धता और रूसी तेल पर घटते मूल्य-लाभ ने इस बदलाव में भूमिका निभाई।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि इराक से ज्यादा तेल खरीदते ही दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें गिर जाएंगी। वैश्विक कीमतों पर ओपेक की उत्पादन नीति, युद्ध, समुद्री परिवहन, मांग और आपूर्ति जैसे कई कारक असर डालते हैं। लेकिन भारत का विविध स्रोतों से खरीदना आपूर्तिकर्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और अपने लिए बेहतर सौदे हासिल करने में मदद कर सकता है।

यहां सवाल उठता है कि इस सबसे भारत को क्या फायदा हो सकता है? देखा जाये तो पहला फायदा है आयात लागत में बचत। अगर किसी खेप का वास्तविक पहुंच-मूल्य अन्य विकल्पों की तुलना में कम पड़ता है, तो भारतीय कंपनियों का खर्च घट सकता है। इसका लाभ रिफाइनरियों के मुनाफे और व्यापक अर्थव्यवस्था को मिल सकता है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमत का लाभ पेट्रोल-डीजल के खुदरा दामों में कितना पहुंचेगा, यह करों, रिफाइनिंग लागत और सरकारी मूल्य निर्धारण जैसे दूसरे कारकों पर भी निर्भर करता है।

दूसरा फायदा है रणनीतिक स्वतंत्रता। भारत को रूस, इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और जरूरत के अनुसार अन्य उत्पादकों से तेल खरीदने के विकल्प बनाए रखने चाहिए। इससे किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता कम होती है और प्रतिबंधों या आपूर्ति संकट की स्थिति में विकल्प उपलब्ध रहते हैं। तीसरा फायदा है भारत की सौदेबाजी की ताकत। जब भारतीय रिफाइनरियां कई बाजारों से खरीद सकती हैं, तो किसी एक आपूर्तिकर्ता की शर्तों को स्वीकार करना उनकी मजबूरी नहीं रह जाता। लेकिन इस लाभ को बनाए रखने के लिए समुद्री मार्गों की सुरक्षा, तेल की गुणवत्ता, परिवहन बीमा और भुगतान व्यवस्था का भी ध्यान रखना जरूरी है।

इसके अलावा, इराक से प्रतिस्पर्धी शर्तों पर तेल खरीदना और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत के हितों को सर्वोपरि रखना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा रणनीति का एक बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। दुनिया भर की सरकारें तेल की बढ़ती कीमतों और उसके आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल के बीच पेट्रोल-डीजल की घरेलू कीमतों में लगभग स्थिरता बनाए रखकर आम जनता को बड़ी राहत देने की कोशिश की है। रूस हो, इराक हो या कोई दूसरा तेल उत्पादक देश, भारत का जोर इस बात पर रहा है कि तेल जहां से भी मिले, उसकी खरीद देश के आर्थिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जाए। यही मोदी सरकार की रणनीति की खासियत है कि वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बेहतर विकल्प तलाशना और अंतरराष्ट्रीय बाजार के दबाव को सीधे आम आदमी की जेब पर हावी न होने देना। जब दुनिया के कई देश महंगे तेल की चुनौती से जूझ रहे हैं, तब भारत में कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर बनाए रखना मोदी सरकार की ऊर्जा नीति की एक अहम उपलब्धि के रूप में पेश किया जा सकता है।

हालांकि इराक से तेल खरीदने में जोखिम भी हैं। खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और आपूर्ति में संभावित बाधाएं भारत के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। इसलिए सस्ता तेल तभी वास्तविक रणनीतिक लाभ है, जब उसकी आपूर्ति भरोसेमंद और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी हो।

बहरहाल, दुनिया भारत की रूस से तेल खरीद पर नजर रखे या वेनेजुएला से संभावित खरीद पर बहस करे, भारत की ऊर्जा नीति का मूल्यांकन व्यापक तस्वीर के आधार पर होना चाहिए। इराक से 4.711 करोड़ टन वार्षिक तेल आपूर्ति और सितंबर 2026 में वहां से आयात में आई तेज बढ़ोतरी यह दिखाती है कि मध्य-पूर्व भारत की ऊर्जा सुरक्षा में कितनी अहम भूमिका निभाता है। यदि मोदी सरकार और भारतीय तेल कंपनियां प्रतिस्पर्धी कीमतों, सुरक्षित आपूर्ति और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को एक साथ साध पाती हैं, तो यह व्यावहारिक कूटनीति की बड़ी सफलता होगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

हमें एआई के सदुपयोग में सबसे आगे रहना होगा



(नितिन पाई)

अगर आप कोई एआई कंपनी चला रहे हैं और पूंजी जुटाना चाहते हैं, तो निवेशकों को यह भरोसा दिलाना आपके हित में होगा कि जो सबसे पहले 'आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस' (एजीआई) विकसित करेगा, दुनिया पर उसका हमेशा के लिए एकाधिकार हो जाएगा। इसी तरह, यदि आप उस देश के शासक हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था या शेयर बाजार ऐसी ही कंपनियों पर निर्भर है, तो एआई तकनीक को एक 'दौड़' घोषित कर देना आपको फायदा पहुंचा सकता है। इसका मतलब यह कतई नहीं कि एआई वास्तव में एक दौड़ है।

जब बताया जाता है कि पिछली सदी की परमाणु व अंतरिक्ष दौड़ ने न तो नए खिलाड़ी को आने से रोका और न ही किसी देश को निर्णायक बढ़त दिलाई, तो एआई होड़ के समर्थक कहते हैं कि इस बार मामला अलग है, क्योंकि एआई खुद से बेहतर एआई बना सकता है। और, खुद को सुधारने की यह क्षमता ही इस तकनीक को दूसरों से अलग बनाती है। यह तर्क दमदार तो है, पर इसे साबित करने के लिए कुछ शर्तों को पूरा करना होगा- एआई की क्षमता में होने वाली वृद्धि बड़े पैमाने पर होनी चाहिए; यह वृद्धि इतनी तीव्र हो कि दूसरों तक इसके पहुंचने की गति इसके बढ़ने की गति से कम रहे; और फिर आगे चलकर इसकी विकास-गति धीमी न पड़े। अभी तो प्रभावशाली उपलब्धियों को ही इस दावे का ठोस प्रमाण माना जा रहा है कि हमारे पास ऐसी एआई तकनीक हो सकती है, जो बाकी सभी एआई को खत्म कर देगी।

दरअसल, किसी भी दौड़ के लिए तीन शर्तें जरूरी हैं- पहली, लक्ष्य स्पष्ट हो; दूसरी, सबसे पहले पहुंचने पर बड़ा लाभ मिले; और तीसरी, यह लाभ दूसरा न हासिल कर सके। एआई के मामले में ये तीनों शर्तें पूरी नहीं होतीं। कुछ लोग एजीआई को अंतिम लक्ष्य मानते हैं, पर इसकी स्पष्ट परिभाषा अब तक नहीं बनी है। यह भी साफ नहीं है कि सबसे पहले विकसित करने वाली कंपनी को ही इसका पूरा लाभ मिलेगा। इसलिए संभव है कि एजीआई तक पहुंचने के बाद हमें यह एहसास हो कि यह अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि लगातार आगे खिसकता क्षितिज है।

एआई को दौड़ कहना गलत क्यों है? अगर इसमें केवल निजी निवेशकों का पैसा लगा होता, तो बात अलग थी, लेकिन दुनिया भर की सरकारें इस होड़ में शामिल होने के लिए जनता का पैसा, जमीन, पानी, ऊर्जा जैसे संसाधन खर्च कर रही हैं। जबकि, इन संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास, राष्ट्रीय ताकत और प्रतिष्ठा अर्जित करने के लिए कहीं अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। एआई को दौड़ बताने से इसे सुरक्षा और भू-राजनीति से जोड़कर देखा जाने लगा है, नतीजतन ऐसी नीतियां बनने लगी हैं, जिनसे तकनीकी क्षेत्र पर भी बंदिशें, निर्यात-नियंत्रण या प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। अमेरिका में तो विमान, दवाएं, यहां तक कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थ भी सुरक्षा प्रमाणन के बिना बाजार में नहीं उतारे जा रहे। मगर यह देखना दिलचस्प है कि एआई प्रयोगशालाएं सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण अपने अगले मॉडल की रिलीज को टाल देती हैं। उनको इस तरह की छूट 'दौड़' की मौजूदा अवधारणा के कारण ही मिलती है।

भारत को इस होड़ से बचना चाहिए। देश में सरकारी खर्च से एआई का विकास हो सकता है, लेकिन इसलिए नहीं कि हमें अमेरिका और चीन से मुकाबला करना है। भारत का नीतिगत जोर एआई को तेजी से अपनाने और उसे अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंचाने पर होना चाहिए। इससे हमें वैश्विक बढ़त मिल सकती है, क्योंकि किसी भी नई तकनीक का असली लाभ तभी मिलता है, जब उसका व्यावहारिक इस्तेमाल होने लगे। बिजली को व्यापक रूप से अपनाने में दशकों लगे थे, लेकिन एआई के मामले में यह प्रक्रिया तेज हो सकती है, बशर्ते सही सरकारी नीतियां बने। भारत को ऐसा बुनियादी ढांचा बनाना होगा कि एआई का मौजूदा बुलबुला फूटने के बाद भी वह उपयोगी बना रहे।

अर्थशास्त्री विलियम नार्डहॉस के मुताबिक, रेल, विमानन और इंटरनेट जैसी पिछली तकनीकी खोजों से पैदा हुए कुल मूल्य का महज दो प्रतिशत हिस्सा ही इनको बनाने वाली कंपनियों को मिला, बाकी लाभ उपभोक्ताओं और इन तकनीकों का इस्तेमाल करने वाले कारोबारों ने उठाया। यह तथ्य हमें नहीं भूलना चाहिए। निदेशक, तक्षशिला संस्थान।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युद्ध से थक चुके देशों में शांति की पहल

दरअसल, ईरान के खिलाफ अकारण छेड़ी गई जंग में अमेरिका को जिस अपमान का सामना करना पड़ा है, उस पर ट्रंप अपना गुस्सा बमुश्किल छिपा पा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया ने खुलासा किया और पेंटागन ने मान भी लिया कि ईरान के हाथों अमेरिका को नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि ट्रंप यह दावा नहीं कर पाते हैं कि ईरान को उन्होंने अपनी शर्तों पर झुका दिया है, तो इतिहास उन्हें एक पराजित नेता के रूप में ही याद रखेगा। इस पूरे समीकरण में अब इजरायल का मुद्दा पीछे चला गया है। अमेरिका ने बहुत ही सावधानी और खामोशी के साथ एक ऐसा गठबंधन तैयार कर लिया है, जो ईरान को घेरकर रखेगा, ताकि वह कोई नया हमला न कर सके।

(एम जे अकबर)

युद्ध का अंत या तो जीत के साथ होता है या फिर लड़ते-लड़ते थक जाने पर। जीत की तुलना में थकान को समझना कहीं अधिक आसान होता है, क्योंकि इसमें संसाधनों को मापा जाता है; इच्छाशक्ति जैसे संसाधन की सीमा को भी। वहीं दूसरी ओर, जीत के दो पहलू होते हैं। इसे तभी सार्थक माना जाता है, जब दुश्मन अपनी हार स्वीकार कर ले।

युद्ध हमेशा खत्म नहीं होते, बेशक कोई लड़ाई थम जाए। कई बार तो वे पीढ़ियों तक चलते रहते हैं। रूस ने जारशाही सामंती व्यवस्था, कम्युनिस्ट तानाशाही और 1990 के बाद के लोकतांत्रिक दौर में भी यूक्रेन को अपनी रणनीतिक सीमा का हिस्सा माना है। यह सोच तब भी बनी रही, जब सोवियत संघ टूट गया और यूक्रेन में राष्ट्रवाद की भावना मजबूत होने लगी। यह साफ तौर पर नहीं कहा जा सकता कि पश्चिम एशिया में युद्धों की शुरुआत कब हुई, लेकिन यह स्पष्ट है कि इनका अंत दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। पाकिस्तान ने अपने जन्म के महज दस सप्ताह के भीतर अक्तूबर 1947 में कश्मीर पर कब्जा करने के इरादे से एकतरफा और छद्म युद्ध छेड़ दिया था। आज 75 साल बाद भी इसके उतार-चढ़ाव के बारे में लिखा जाता है।

यूक्रेन पर रूस के बढ़ते खतरे का मौजूदा दौर 24 फरवरी, 2022 को शुरू नहीं हुआ था, जब मॉस्को ने उस पर जमीनी हमला किया, बल्कि इसकी शुरुआत तो 2014 में ही हो गई थी, जब उसने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगी आज भी 2014 से जुड़े इस अहम सवाल का जवाब देने से बचते हैं कि



उन्होंने महज विरोध की औपचारिकता निभाकर क्रीमिया पर रूसी कब्जा क्यों मान लिया था? उस समय वाशिंगटन में बराक ओबामा, लंदन में डेविड कैमरन और बर्लिन में एंजेला मर्केल सत्ता में थीं। उन्होंने कुछ नहीं किया। अगर क्रीमिया पर कब्जा रणनीतिक रूप से ठीक था, तो फिर मॉस्को को इसी तर्क पर रूसी भाषी पूर्वी यूक्रेन पर दावा करने से क्यों रोका जाना चाहिए?

बहरहाल, सवाल यह है कि क्या रूस भी अब युद्ध करते-करते थक गया है? फिलहाल यह तो पता नहीं, लेकिन यूक्रेन पर जरूर थकान हावी हो रही है। उसके हथियार खत्म हो चुके हैं, मोर्चे पर उसकी स्थिति लगातार कमजोर पड़ने लगी है, उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और कब्जाए गए इलाकों को फिर से वापस पाने की उम्मीदें लगभग दम तोड़ चुकी हैं। नतीजतन, राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुरंत युद्ध-विराम की गुहार लगा रहे हैं।

हालांकि, व्लादिमीर पुतिन अभी उतने थके नहीं दिख रहे, मगर हर युद्ध अपनी बड़ी कीमत वसूलता है। यूक्रेन युद्ध में वह अपने ही देश की मौजूदा पीढ़ी के संसाधनों को झोंक रहे हैं। ऐसा जोखिम उठाना गैर-जिम्मेदाराना होगा। पुतिन को अब तक वह नहीं मिला है, जिसके मिलने की उम्मीद उनको 2022 में थी, बल्कि वह लक्ष्य अब उनसे बहुत दूर जा चुका है। ऐसे में, और अधिक हासिल करने की कोशिश में अब तक मिली बढ़त को गंवाने के बजाय उनके लिए बेहतर यही होगा कि जो पा चुके हैं, उस पर अमेरिका और यूरोप से रजामंदी हासिल कर लें।

यह अमेरिकी शासन-व्यवस्था की खासियत है कि वहां का राष्ट्रपति फैसलों को प्रभावित करने की जितनी ताकत रखता है, उतनी क्षमता अन्य लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के पास नहीं होती। व्हाइट हाउस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसों के लिए एक अनुकूल राजनीतिक ठिकाना है, जो 'हम' के मुकाबले 'मैं' को अधिक महत्व देते हैं। मॉस्को को डोनाल्ड ट्रंप से बेहतर कोई दूसरा अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं मिलने वाला, जो उसके प्रति इतना झुकाव रखता हो। इसलिए, यह रूस के हित में है कि वह ट्रंप के कार्यकाल में ही उनकी राजनीतिक बढ़त का फायदा उठाकर यूक्रेन में यथास्थिति कायम करने का समझौता कर ले।

यूक्रेन युद्ध पर समझौता कराकर पुतिन को किसी रूप में जीत दिलाने के पीछे ट्रंप का एक खास मकसद है। दरअसल, ईरान के खिलाफ अकारण छेड़ी गई जंग में अमेरिका को जिस अपमान का सामना करना पड़ा है, उस पर ट्रंप अपना गुस्सा बमुश्किल छिपा पा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया ने खुलासा किया और पेंटागन ने मान भी लिया कि ईरान के हाथों अमेरिका को नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि ट्रंप यह दावा नहीं कर पाते हैं कि ईरान को उन्होंने अपनी शर्तों पर झुका दिया है, तो इतिहास उन्हें एक पराजित नेता के रूप में ही याद रखेगा। इस पूरे समीकरण में अब इजरायल का मुद्दा पीछे चला गया है। अमेरिका ने बहुत ही सावधानी और खामोशी के साथ एक ऐसा गठबंधन तैयार कर लिया है, जो ईरान को घेरकर रखेगा, ताकि वह कोई नया हमला न कर सके।

अमेरिका ने सऊदी अरब की सुरक्षा का हवाला देकर ब्रिटेन और फ्रांस को मैदान में उतरने को मजबूर किया है। उसने मक्का समझौते को भी आगे बढ़ाया, ताकि पाकिस्तानी फौज को इसमें शामिल करने का बहाना मिल सके। अमेरिकी निर्देशों के तहत पाकिस्तान ने ईरान के साथ अपनी सीमाएं बंद भी कर दी हैं, क्योंकि आर्थिक दबाव डालना अमेरिकी रणनीति का अहम हिस्सा है। इराक को भी ऐसे ही निर्देश दिए गए हैं, हालांकि उसके अमेरिका के सामने पूरी तरह झुकने की संभावना कम है। इस बीच, एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम के तहत अमेरिकी सैनिकों को इराक, जॉर्डन, कतर और कुवैत से हटा लिया गया है, क्योंकि ट्रंप जानते हैं कि अमेरिकी जनता अपने सैनिकों की मौत बर्दाश्त नहीं करती। ऐसे में, यदि जमीन पर जंग होती है, तो उसका मोर्चा स्थानीय सेनाएं संभालेंगी, जबकि अमेरिका अपनी हवाई सैन्य ताकत दिखाएगा, जिसमें उसका दबदबा है। ईरान का जवाब स्पष्ट है, यदि उस पर फिर से हमला हुआ, तो उसकी फौज पड़ोसी अरब देशों को निशाना बनाएगी। हालांकि, मिसाइलों और ड्रोन पर टिकी ईरान की जवाबी कार्रवाई रूसी उपग्रहों और चीनी खुफिया जानकारियों पर निर्भर है। इसका अर्थ है कि यदि इस सहयोग को बेअसर कर दिया जाए, तो ईरान का जवाबी हमला कमजोर पड़ सकता है। साफ है, हम अभी कई अस्थिर मोर्चों पर एक साथ सैन्य शतरंज का खेल देख रहे हैं। जब तक खेल जारी है, इसके नतीजे का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि, यह भी जानना जरूरी है कि इस संघर्ष में शामिल नेताओं में जो नेता शतरंज की चालों को दूसरों से बेहतर समझ रहा है, वह व्लादिमीर पुतिन ही हैं।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व केंद्रीय मंत्री है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

दुर्गा वाहिनी के तत्वाधान में थानाभवन में हुआ शस्त्र पूजन, बालिकाओं ने पट्टेबाजी से जुड़े खेलों का किया शानदार प्रदर्शन



थानाभवन। थाना भवन में दुर्गा वाहिनी के तत्वाधान में नगर में शस्त्र पूजन का कार्य संपन्न हुआ। शस्त्र पूजन के बाद नगर के चौक बाजार में दुर्गा वाहिनी की बालिकाओं ने पट्टेबाजी से जुड़े शानदार खेल दिख-ाकर सभी का मन मोह लिया

दुर्गा वाहिनी के तत्वाधान में नगर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में दुर्गा वाहिनी की बालिकाओं ने शस्त्र पूजन किया। कार्यक्रम में बोलते हुए मेरठ प्रांत संयोजिका काजल भागीरथी ने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय मातृ शक्ति को सशक्त आत्मनिर्भर होना अति आवश्यक है ।देश की मातृशक्ति एवं बालिकाएं मजबूत होगी तो राष्ट्र भी मजबूत होगा मातृशक्ति की मजबूती के आगे कोई भी आसुरी शक्ति टिक नहीं सकती। आज के दौर में बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ आत्मरक्षा के गुर भी सीखने होंगे ।इसके लिए दुगार्वाहिनी द्वारा निरंतर विशेष शि-विरों का आयोजन भी किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला संयोजिका दुर्गा वाहिनी आंचल सैनी ने किया । कार्यक्रम में विभाग संयोजिका कविता सैनी, राकेश कम्बोज,

शालू राणा ,भारत भूषण, संजय कश्यप ,सार्थक अनेजा, हिमांशु राणा ,नीरज सैनी,दीपिका गुप्ता,अन्नू सैनी,तनीषा चावला ,पूनम प्रजापति,आदि शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। शस्त्र पूजन के उपरांत अग्रवाल धर्मशाला से दुर्गा वाहिनी की बालिकाओं का विशेष मार्च निकला ।बालिकाओं ने नगर के चौक बाजार सहित अनेक स्थानों पर लाठी, तलवार ,चक्र आदि के परंपरागत खेलों का शानदार प्रदर्शन कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। नगर की जनता ने दुर्गा वाहिनी की बालिकाओं का पुष्प वर्षा के साथ जोरदार स्वागत किया।

थानाभवन में तीन केंद्रों पर पीईटी परीक्षा हुई आयोजित सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम; मुस्तैद रहा पुलिस-प्रशासन



थानाभवन। नगर में रविवार को प्रारंभिक अर्हता परीक्षा का आयोजन तीन परीक्षा केंद्रों पर शुरू हुआ। लाजपत राय इंटर कॉलेज, लाजपत राय कन्या इंटर कॉलेज और किसान इंटर कॉलेज में अभ्यर्थी ने परीक्षा दी। परीक्षा दो पालियों में संपन्न कराई गई। परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। परीक्षा के मद्देनजर तीनों केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। केंद्रों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो परीक्षा शुरू होने से लेकर अभ्यर्थियों के आवागमन तक व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित कराया गया, ताकि परीक्षा प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनावश्यक भीड़ की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिसकर्मी सतर्कता के साथ निगरानी की । परीक्षा केंद्रों पर आने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रवेश दिया गया। वहीं, परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी पुलिस मुस्तैद रही।

शिव शक्ति धाम मंदिर में भव्य दिवाली मेले का सफल आयोजन, भजन संध्या ने बांधा समां

रामपुरम में मेले में उमड़ी लोगों की भीड़, आकर्षक स्टॉलों और मधुर भजनों ने मोहा मन



मुजफ्फरनगर। रामपुरम स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर में भव्य दिवाली मेले का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और विभिन्न आकर्षक स्टॉलों पर जमकर खरीदारी की। स्वादिष्ट व्यंजनों, मनोरंजक खेलों और उत्सवपूर्ण वातावरण ने मेले में पहुंचे लोगों का मन मोह लिया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण भजन संध्या रही। इसमें भगवान श्रीकृष्ण के विरह में गोपियों द्वारा गाए जाने वाले गोपी गीतों सहित अन्य मधुर भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। संगीत और भक्ति के सुंदर संगम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भजनों की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में अशोक गोयल, ब्रज मोहन, अजय तायल, साधना तायल, दिव्य श्री एवं राघव श्री का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी के सामूहिक प्रयास, समर्पण और सहयोग से दिवाली मेले का आयोजन सफल एवं यादगार बना। आयोजकों ने मेले में पहुंचने वाले सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी इस प्र-कार के आयोजनों के माध्यम से सामाजिक एवं सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा देने की भावना व्यक्त की।

शारदीय नवरात्र के समापन पर देवी भवन मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, हलवा-पूरी का भोग लगाकर मांगी मन्नत

दीप जलाकर मां दुर्गा की आराधना की, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली के लिए की प्रार्थना; मंदिर में दिनभर भक्तिमय माहौल रहा



थानाभवन। शारदीय नवरात्र के अंतिम दिन चौदस के अवसर पर थानाभवन के प्रसिद्ध देवी भवन मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही भक्त मंदिर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी के समक्ष दीप प्रज्वलित किए और हलवा-पूरी का भोग लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

नवरात्र के समापन अवसर पर मंदिर में पहुंचे श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। भक्तों ने माता रानी को हलवा-पूरी का प्रसाद अर्पित किया और दीप जलाकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। कई श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-शांति, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में खु-शहाली की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की। मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहने से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

देवी भवन मंदिर थानाभवन के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। नवरात्र के दिनों में यहां श्रद्धालु विशेष रूप से पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। अंतिम दिन भी भक्तों में मां दुर्गा के दर्शन को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ माता रानी की आराधना की और प्रसाद अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

इस दौरान योगेश, रीता वर्मा, राधा, सुधा, देविका सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्र में सुख-शांति तथा समृद्धि की कामना की। नवरात्र के समापन पर मंदिर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने धार्मिक उत्साह और आस्था का माहौल बनाए रखा।

जागृति के दिव्य प्रकाश एवं एकत्व के संदेश से आलोकित हुआ 79वां वार्षिक निरंकारी सन्त समागम का दूसरा दिन

"आध्यात्मिक जागृति ही वास्तविक जीवन का आधार" – निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज



समालखा। जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचा-रों, व्यवहार और भावनाओं में भी चेतन रहना आवश्यक है। इसी आध्यात्मिक संदेश का आह्वान करते हुए निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 79वें वार्षिक निरंकारी संत समागम के दूसरे दिन उपस्थित विशाल मानव परिवार को संबोधित किया। इस चार दिवसीय सन्त समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु एवं भक्त एकत्रित हुए। विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों से सम्मिलित इस विशाल मानव परिवार का प्रेमपूर्ण मिलन सौहार्द, सद्भावना और विश्वबंधुत्व की अनुपम छवि प्रस्तुत कर रहा है। समागम का वातावरण आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और आपसी प्रेम के भावों से परिपूर्ण है।

सतगुरु माता जी ने आध्यात्मिक जागृति के वास्तविक भाव को स्पष्ट करते हुए फरमाया कि जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचा-रों, व्यवहार और भावनाओं में भी चेतन रहना आवश्यक है।

भक्ति की महत्ता को प्रकाशित करते हुए सतगुरु माता जी ने समझाया कि सच्ची भक्ति किसी बाहरी पहचान की मोहताज नहीं, बल्कि प्रेम, विनम्रता, सहनशीलता और सत्य को जीवन में अपनाने से सार्थक होती है। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव स्वीकार करते हुए भी सत्य को अपना आधार बनाए रखना चाहिए। सत्संग की सार्थकता तभी है, जब वहां प्राप्त शिक्ष-ाओं को अपने आचरण में उतारा जाए और आत्मसुधार की भावना निरंतर बनी रहे।

सतगुरु माता जी के संबोधन से पूर्व निरंकारी राजपिता रमित जी ने दृष्टिहीन व्यक्ति और लालटेन के उदाहरण से समझाया कि केवल गुरमुख का बाहरी स्वरूप धारण करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि जीवन में ब्रह्मज्ञान, प्रेम और समर्पण का प्रकाश निरंतर जागृत रहना चाहिए। सेवा, सुमिरन और सत्संग के माध्यम से अपने विचारों, भावनाओं और आचरण को निरंतर निखारना ही सच्ची आध्यात्मिक जागृति है। इस अवसर पर चिश्ती फाउंडेशन द्वारा सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज को ग्लोबल पीस अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

निरंकारी प्रदर्शनी:- ज्ञान, जागृति और मानव कल्याण का प्रेरणादायी संगम सन्त समागम में आधुनिक तकनीक, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों से सुसज्जित निरंकारी प्रदर्शनी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र बनी हुई है। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विभिन्न आयु वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसे तीन प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है;

मुख्य प्रदर्शनी, बाल प्रदर्शनी तथा सन्त निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन (एस.एन.सी.एफ.) प्रदर्शनी।

मुख्य प्रदर्शनी:- इस प्रदर्शनी में मिशन के इतिहास, आध्यात्मिक यात्रा तथा सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी की मानव कल्याण यात्राओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। तीन विशेष मॉडलों के माध्यम से समागम के मुख्य विषय ह्यजागृतिह्न को दशार्ते हुए आत्मचिंतन, आध्यात्मिक समझ एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि अपनाने की प्रेरणा दी गई है।

बाल प्रदर्शनी:- यह प्रदर्शनी बच्चों के मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित है। रोचक प्रस्तुतियों के माध्यम से अच्छे संस्कारों, नैतिक मूल्यों एवं जीवनोपयोगी शिक्षाओं को अपनाने का संदेश दिया गया है, ताकि बच्चे शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी अपने जीवन में स्थान दे सकें।

एस.एन.सी.एफ. प्रदर्शनी:- इस प्रदर्शनी में संत निरंकारी मिशन की सामाजिक कल्याण एवं समाज सुधार से जुड़ी गतिविधियों को दशार्या गया है जिसमें रक्तदान, स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक जागरूकता तथा सादे एवं सामूहिक वि-वाह जैसे प्रयासों के माध्यम से निःस्वार्थ सेवा, मानवता और समाज के प्रति उत्त-रदायित्व निभाने की प्रेरणा प्रदान की गई।

नगर पंचायत थानाभवन में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



थानाभवन । बिगड़ती जीवनशैली और गलत खान-पान के कारण अनेक बीमारियाँ मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। यदि समय रहते इन बीमारियों का पता चल जाए, तो भविष्य में आने वाली अप्रिय स्थितियों से बचा जा सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, अजय संगल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस और रिसर्च के आयुष्मान सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल मेरठ करनाल रोड झिझाना टाउन शामली के सहयोग एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन नगर पंचायत थानाभवन टाउन हॉल मे किया गया।निशुल्क स्वास्थ्य शि-विर का शुभारम्भ नगर पंचायत चेयरमैन पति हाजी राव जमशेद ने फीता काटकर किया।हाजी राव जमशेद ने कहा की इस तरह के निशुल्क स्वास्थ्य कैंप लगते रहने चाहिए जिससे गरीब व्यक्तियों को इसका सीधा लाभ मिल सके उन्होंने सभी इस कैंप के लिए सभी डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया।

शिविर सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चला शिविर मे ईसीजी, इको जांच व ब्लड शुगर की जांच फ्री की गई तथा लगभग 200 मरीजो को दवाइयां भी फ्री दी गई।शिविर मे आयुष्मान सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के कुशल डॉक्टर, एमबीबीएस एमडी डीएम डॉक्टर जितेंद्र कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर देव एमडी फिजिशियन डॉक्टर मारूफ व डॉक्टर दिव्यांक एडमिन मैनेजर कमल किशोर रवि भारद्वाज एवं सद्दाम अली मौजूद रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रति हाजिर राव जमशेद सभासद अंशुल गर्ग राजवीर सिंह अनिल कुमार जय भगवान दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

रामराज में हाईवे पर जलभराव से बढ़ा हादसों का खतरा:

पुट्ठी इब्राहिमपुर के ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा मंडराया



मीरापुर (मुजफ्फरनगर) रामराज थाना क्षेत्र के ग्राम पुट्ठी इब्राहिमपुर में हाईवे की बदहाली स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए मुसीबत का कारण बनी हुई है। हाईवे पर बने एक फीट से भी अधिक गहरे गड्ढों में जलभराव होने से आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। समस्या के स्थायी समाधान और सड़क की मरम्मत को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर शीघ्र का-र्रवाई की गुहार लगाई है।

ग्रामीणों के अनुसार, हाईवे पर लंबे समय से जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें लगातार गंदा पानी भरा रहता है। जलभराव और कीचड़ के कारण वाहन चालकों को गड्ढों की गहराई का सही अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी इन गड्ढों की वजह से कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई सुध नहीं ली गई है।

संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा

जलभराव के कारण न केवल राहगीर परेशान हैं, बल्कि गांव में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी पनपने लगी हैं। गड्ढों में लंबे समय से जमा गंदे पानी की वजह से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया, लेकिन सड़क की सुध नहीं ली गई। ग्रामीणों की शीघ्र मरम्मत और जल निकासी की मांग

समस्या से त्रस्त ग्राम पुट्ठी इब्राहिमपुर निवासी ओमपाल, बेदू, फुरकान, श-राफत, सतीश, धर्मेंद्र, कय्यूम और अनीस सहित अन्य ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया है। पत्र के माध्यम से उन्होंने हाईवे पर जलभराव व गहरे गड्ढों से उत्पन्न संकट के बारे में विस्तार से अवगत कराया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जनहित में जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराई जाए और जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र-ावासियों को इस रोजमर्रा की परेशानी से मुक्ति मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

रंग संसार

सनम तेरी कसम एक्ट्रेस मावरा होकेन ने बेटे को दिया जन्म, पोस्ट शेयर कर फैंस को बताया क्यूट सा नाम



नई दिल्ली। 'सनम तेरी कसम' की सरू यानी मावरा होकेन ने पिछले साल 5 फरवरी 2025 को पाकिस्तान अभिनेता अमीर गिलानी से निकाह किया था। अब शादी के लगभग डेढ़ साल बाद एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ एक और गुड न्यूज शेयर की है। मावरा एक बेटे की मां बन चुकी हैं। बेटे का नाम उन्होंने सैयद अजमर हुसैन कमाल गिलानी रखा है। मनीकंट्रोल के अनुसार, मावरा ने एक्स पर फैंस के साथ ये खुशखबरी शेयर की। उन्होंने अस्पताल से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनके नवजात बेटे और अमीर की झलक देखने को मिली। इस क्लिप में, अमीर मुस्लिम परंपरा के अनुसार अपने बेटे के कानों में अजान देते हुए नजर आ रहे हैं।अपने बेटे के आने की खबर देने के साथ-साथ, मावरा और अमीर ने वीडियो में उसके नाम का भी खुलासा किया। अभिनेत्री ने अपने बेटे के नाम, सैयद अजमर हुसैन कमाल गिलानी रखा है। उन्होंने 'अजमर' का अर्थ भी बताया जिसका मतलब'शेर' होता है।अपने कैप्शन में उन्होंने बेटे को 'हमारे जंगल का राजा, हमारा गर्व और हमारा सबसे अनमोल खजाना' बताया। इसके बाद से मावरा और अमीर के फैंस उन्हें बधाई देने लगे।इन सीरियलों में साथ किया था काम मावरा और अमीर ने कई सारे सीरियलों में साथ काम किया है जिसमें 'सबात' और 'नीम' सहित कई पाकिस्तानी टीवी सीरियल शामिल हैं। एक्ट्रेस अब अपनी जिंदगी के दूसरे चैप्टर में प्रवेश करते हुए पेरेंटहुड एंजॉय करती हुई नजर आएंगी। मावरा ने 2016 में रोमांटिक ड्रामा 'सनम तेरी कसम' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस मूवी में उनके साथ हर्षवर्धन राणे नजर आए थे। अपनी पहली रिलीज के समय यह फिल्म ठीक-ठाक चली थी

राज काज

बड़े होटलों में कैसे करें फल-सब्जी, अनाज और दूध की सप्लाई! किसानों-डेयरी फार्मर्स के सप्लायर बनने का आसान तरीका

नई दिल्ली बड़े होटलों और रेस्टोरेंट में रोजाना इस्तेमाल होने वाली सब्जियां, फल, अनाज, मसाले, दूध और दूसरे फूड आयटम्स किसानों से मंडियों, थोक कारोबारियों, सप्लायर्स और अन्य सप्लाई नेटवर्क के जरिए पहुंचते हैं। हालांकि, अब किसानों और होटल इंडस्ट्री के बीच सीधे कारोबार को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों को बड़े खरीदारों तक पहुंचने और होटलों को नियमित रूप से अच्छी गुणवत्ता वाले एग्री प्रोडक्ट्स की सप्लाई हो रही है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से होटल इंडस्ट्री और किसान उत्पादक संगठनों (FPO) के बीच सीधे, व्यवस्थित और लॉन्गटर्म कारोबारी साझेदारी बनाने पर भी फोकस है। मंत्रालय के मुताबिक, ऐसी साझेदारी से किसानों की आमदनी बढ़ाने और होटलों को बेहतर गुणवत्ता वाले फूड आटम्स मिलते हैं। कैसे होटलों तक पहुंचती हैं सब्जियां और दूसरी खाद्य सामग्री? होटलों में सप्लाई बिजनेस से कैसे जुड़ें? किसान अपने क्षेत्र के FPO से संपर्क करके पता कर सकते हैं कि क्या वह होटलों, कैटरर्स या इंडस्ट्रियल बायर्स को उपज बेचता है। FPO अपने उत्पादों और आपूर्ति क्षमता की जानकारी खरीदारों तक पहुंचा सकता है। इसके अलावा, किसान और FPO सरकारी डिजिटल बाजार प्लेटफार्म और खर-ीदार-विक्रेता बैठकों के जरिए भी कारोबारी संपर्क बना सकते हैं।होटलों को हर दिन बड़ी मात्रा में सब्जियों, फलों, अनाज और मसालों की जरूरत होती है। इनकी खरीद स्थानीय मंडियों, थोक कारोबारियों, रिटेल सप्लाई नेटवर्क या सीधे किसानों और FPO से की जा सकती है। सीधे खरीद की व्यवस्था में किसान या उनका संगठन होटल के खरीद डिपार्टमेंट से संपर्क करता है और जरूरत के मुताबिक उपज की आपूर्ति करता है। केंद्र सरकार के लघु कृषक कृषि व्यापार संघ (SFAC) की दिल्ली किसान मंडी इसका एक उदाहरण है। यह प्लेटफॉर्म दिल्ली-ठउफ में किसानों और FPO को फल-सब्जियों के थोक और रिटेल खरीदारों से जोड़ने के लिए बनाया गया था। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारों में होटल, कैटरर्स, संगठित खुदरा कारोबारी और अन्य थोक खरीदार शामिल हैं। यहां ई-किसान मंडी के माध्यम से ऑनलाइन कारोबार की सुविधा भी दी गई है।

दैनिक राशिफल सोमवार 26 अक्टूबर 2026

मेष – मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा।

वृष – निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

कर्क – ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है।

सिंह– विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

कन्या – भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

तुला – शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है।

वृश्चिक – कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ।

धनु – मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा।

मकर – स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ – अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड़ेगे के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

मीन – नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

दैनिक पंचांग

26 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	मेष में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	07.43 ब.से
धनु	09.59 बजे से
मकर	12.04 बजे से
कुंभ	13.51 बजे से
मीन	15.24 बजे से
मेष	16.54 बजे से
वृष	18.34 बजे से
मिथुन	20.32 बजे से
कर्क	22.46 बजे से
सिंह	01.02 बजे से
कन्या	03.14 बजे से
तुला	05.25 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 299 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 09.42 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 17.41 बजे को समाप्त।
योग वज्र 14.17 बजे को समाप्त।
करण बव 09.42 बजे तदनन्तर बालव 20.24 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 12° 22'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872874
जूलियन दिन 2461339.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 14
विशेष स्नानदान पूर्णिमा, वाल्मीकि, मीराबाई व गणेश शंकर विद्यार्थी जयंती, टेकचंद महाराज समाधि दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक		चर	05.43 से	07.14 बजे तक	
काल	07.22 से	08.50 बजे तक		रोग	07.14 से	08.45 बजे तक	
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक		काल	08.45 से	10.17 बजे तक	
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक		लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक	
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक		उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक	
चर	01.17 से	02.45 बजे तक		शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक		अमृत	02.51 से	04.2	बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक		चर	04.22 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर में 22 केंद्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुई पीईटी-2026 परीक्षा, 70 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

दो पालियों में आयोजित परीक्षा में प्रत्येक पाली के लिए 10,230 अभ्यर्थी थे आवंटित, नकल की सूचना नहीं; डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी सूरज कुमार राय ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 जनपद में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। परीक्षा के लिए जिले में 22 केंद्र बनाए गए थे, जहां दो पालियों में अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्रत्येक पाली में 10,230 अभ्यर्थी आवंटित किए गए थे। एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह के अनुसार, दोनों पालियों में करीब 70 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के दौरान नकल की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय सहित प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश, सुरक्षा व्यवस्था, पुलिसकर्मियों की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जा रही निगरानी का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।



22 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित हुई परीक्षा

जनपद में पीईटी-2026 की परीक्षा के लिए कुल 22 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रत्येक पाली में 10,230 अभ्यर्थियों को परीक्षा देने के लिए आवंटित किया गया था। एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह ने बताया कि करीब 70 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा में उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई और नकल किए जाने की कोई सूचना नहीं मिली। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सुविधा और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रवेश प्रक्रिया पर निगरानी रखी गई। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे कि अभ्यर्थियों की जांच निर्धारित नियमों के अनुसार हो और किसी भी अभ्यर्थी को नियमों के विपरीत प्रवेश न दिया जाए। परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए।

डीएम और एसएसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और एसएसपी सूरज कुमार राय ने चौधरी छोटूराम कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, डीएवी डिग्री कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा संचालन की स्थिति देखी और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की सतर्कता परखी गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों का प्रवेश नियमानुसार कराया जा रहा है या नहीं। केंद्रों पर तैनात प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को परीक्षा संबंधी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया।

सीसीटीवी निगरानी और स्ट्रांगरूम की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

परीक्षा की निगरानी के लिए सीसीटीवी व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम पहुंचकर कैमरों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों पर की जा रही निगरानी की समीक्षा की। इसके साथ ही स्ट्रांगरूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। प्रशासन की ओर से परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने पर जोर दिया गया। केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों तथा प्रशासनिक कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपनी ड्यूटी पूरी सतर्कता के साथ निभाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल ध्यान दें।

ककरौली पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

बेहड़ा सादात, खाईखेड़ा, टंढेड़ा और निजामपुर से पकड़े गए आरोपी, सचिन के खिलाफ हत्या समेत 14 मुकदमे दर्ज

मुजफ्फरनगर। ककरौली थाना पुलिस ने वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में बेहड़ा सादात निवासी सचिन, खाईखेड़ा निवासी रहीश, टंढेड़ा निवासी निसार और निजामपुर निवासी ओमवीर शामिल हैं। पुलिस ने चारों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडिक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण और ककरौली थाना प्रभारी दीपक चौधरी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सचिन निवासी बेहड़ा सादात, रहीश निवासी खाईखेड़ा, निसार निवासी टंढेड़ा की उम्र करीब 45 वर्ष और ओमवीर निवासी निजामपुर है।



पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार, सचिन के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में 14 मुकदमे दर्ज हैं। रहीश के खिलाफ मारपीट और धमकी देने से संबंधित एक मुकदमा दर्ज है। निसार के खिलाफ विद्युत अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज है। वहीं, ओमवीर के खिलाफ विद्युत अधिनियम, मारपीट और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम समेत विभिन्न मामलों में तीन मुकदमों का उल्लेख किया गया है।

चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक मुनेश सिंह, दिनेश सिंह, देवेंद्र सिंह और शैलेन्द्र सिंह तथा कांस्टेबल कृष्ण कुमार, देशराज सिंह और शैलेन्द्र सिंह शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, चारों अभियुक्तों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

करवाचौथ की खरीदारी से गुलजार हुए मुजफ्फरनगर के बाजार, प्यार के इजहार के लिए उपहारों की तलाश में जुटे पति-पत्नी

कहीं सोलह शृंगार की तैयारी तो कहीं जीवनसाथी के लिए खास तोहफे की खोज, साड़ियों, डिजाइनर सूट, आभूषणों और मेहंदी की बढ़ी मांग, ब्यूटी पार्लरों में भी शुरू हुई बुकिंग

मुजफ्फरनगर। करवाचौथ का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर खरीदारी के लिए पहुंच रही महिलाओं की चहल-पहल से बाजार गुलजार हैं। कहीं सुहागिन महिलाएं अपने लिए आकर्षक साड़ियां, डिजाइनर सूट और चूड़ियां पसंद कर रही हैं तो कहीं मेहंदी, सौंदर्य प्रसाधनों और आभूषणों की खरीदारी की जा रही है। दूसरी ओर, नवविवाहित पति-पत्नी अपने जीवनसाथी के लिए खास उपहार तलाशने में जुटे हैं। त्योहार को लेकर बाजार में पारंपरिक खरीदारी के साथ आधुनिक फैशन और उपहारों का भी आकर्षण देखने को मिल रहा है। इससे दुकानदारों और ब्यूटी पार्लर संचालकों को भी कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। करवाचौथ सुहागिन महिलाओं के लिए आस्था, प्रेम और वैवाहिक रिश्ते का विशेष पर्व माना जाता है। महिलाएं पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के साथ व्रत रखती हैं। इस पर्व पर सोलह शृंगार, पूजा की तैयारियों और पारंपरिक परिधानों का विशेष महत्व होता है। समय के साथ त्योहार मनाने के तरीकों में बदलाव आया है। अब पारंपरिक खरीदारी के साथ जीवनसाथी को उपहार देने और इस दिन को यादगार बनाने का चलन भी बढ़ रहा है। करवाचौथ को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में साड़ियों, डिजाइनर सूट, लहंगों और अन्य पारंपरिक परिधानों की मांग बढ़ने लगी है। महिलाएं पारंपरिक लाल रंग के साथ गुलाबी, मैरून और हरे रंग के कपड़ों को भी पसंद कर रही हैं। नवविवाहिताओं में खास तौर पर आकर्षक डिजाइन, हल्की कढ़ाई और मैचिंग आभूषणों के साथ पहनावे को तैयार करने का उत्साह दिखाई दे रहा है। शिवचौक स्थित ब्यूटी जोन के संचालक आमिर के अनुसार, नवविवाहिताओं को डिजाइनर साड़ियां, हल्की कढ़ाई वाले सूट, इंडो-वेस्टर्न परिधान और उनके साथ मेल खाते आभूषण आकर्षित कर रहे हैं। करवाचौथ के लिए



महिलाएं अपने पहनावे के साथ चूड़ियों, बिंदी और अन्य शृंगार सामग्री का भी चयन कर रही हैं।

चूड़ियों से लेकर मेकअप किट तक की खरीदारी

करवाचौथ पर सोलह शृंगार की तैयारियों के चलते चूड़ियों और सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। बाजार में लाल और हरी कांच की चूड़ियों के साथ धातु की चूड़ियां, मैचिंग कड़े, सिंदूर, पायल, बिंदी और बिछिया उपलब्ध हैं। इसके अलावा आईलाइनर, नेल पॉलिश, लिपस्टिक और तैयार मेकअप किट की भी मांग है। महिलाएं अपने परिधानों के रंग और डिजाइन के अनुसार शृंगार सामग्री खरीद रही हैं। हाथों पर मेहंदी लगाने की तैयारी भी शुरू हो गई है। आकर्षक मेहंदी डिजाइन और मेहंदी कोन की खरीदारी त्योहार की तैयारियों का अहम हिस्सा बनी हुई है। करवाचौथ पर आभूषणों की खरीदारी भी महिलाओं की तैयारियों में खास स्थान रखती है। सोने और चांदी के आभूषणों के साथ कृत्रिम आभूषणों की विभिन्न डिजाइन महिलाओं को आकर्षित कर रही हैं। ऑक्सीडाइज्ड सेट, चूड़ियां, कंगन, मंगलसूत्र और हल्के डिजाइन वाले हार पसंद किए जा रहे हैं। कई महिलाएं अपने पारंपरिक पहनावे के अनुरूप आभूषण चुन रही हैं, जबकि कुछ आधुनिक डिजाइन को प्राथमिकता दे रही हैं। बाजार में अलग-अलग पसंद और बजट के अनुसार विकल्प उपलब्ध होने से महिलाएं अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदारी कर रही हैं। ब्यूटी पार्लरों में शुरू हुई बुकिंग

त्योहार पर सजने-संवरने की तैयारियों का असर ब्यूटी पार्लरों पर भी दिखाई देने लगा है। महिलाएं फेशियल, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और मेहंदी जैसी सेवाओं के लिए पहले से बुकिंग करा रही हैं। नई मंडी स्थित काव्या ब्यूटी पार्लर की संचालक काव्या शर्मा ने बताया कि करवाचौथ को लेकर महिलाओं की ओर से फेशियल, हेयर स्टाइलिंग और मेहंदी सहित अन्य सौंदर्य सेवाओं के लिए संपर्क किया जा रहा है। महिलाएं त्योहार के दिन आकर्षक दिखने के लिए पहले से अपनी तैयारियां पूरी करना चाहती हैं। इसके चलते पार्लरों में भी व्यस्तता बढ़ने की उम्मीद है।

मुजफ्फरनगर में चतुर्दशी पर उमड़ा आस्था का सैलाब: देवी मंदिरों में गूंजे जयकारे, श्रद्धालुओं ने चढ़ाया प्रसाद

भक्तों ने कतारबद्ध होकर माता रानी के चरणों में किया नमन

मुजफ्फरनगर। अश्विन माह शुक्ल पक्ष की पावन चतुर्दशी के अवसर पर मुजफ्फरनगर जनपद के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही मां भगवती के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने कतारबद्ध होकर माता रानी के चरणों में नमन किया, प्रसाद चढ़ाया और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मन्नतें मांगीं।

शहर के सभी देवी मंदिरों में नजर आया भक्तिमय माहौल

शहर में चतुर्दशी पर्व के अवसर पर नगर के सभी छोटे-बड़े देवी मंदिरों में सुबह से ही गहमागहमी बनी रही। गांधी कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर, नई मंडी बिंदल बाजार स्थित माता वाला मंदिर, नदी घाट रोड स्थित अति प्राचीन देवी मंदिर, लोहिया बाजार स्थित देवी मंदिर, सराफा बाजार स्थित देवी मंदिर तथा भारत माता चौक स्थित दुर्गा मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। महिला व पुरुष



श्रद्धालुओं ने कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूजन सामग्री से सजे बाजार, पालिका की रही विशेष व्यवस्था

पर्व को लेकर मंदिरों के आसपास का वातावरण पूरी तरह धर्ममय बना रहा। परिसर के बाहर प्रसाद, चुनरी, नारियल, श्रृंगार सामग्री और ताजे फूल-मालाओं की दुकानें सजी रहीं, जहां श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक खरीदारी की। वहीं, पर्व के मद्देनजर नगर पालिका प्रशासन की ओर से विशेष सतर्कता बरती गई। पालिका कर्मियों द्वारा सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास उत्कृष्ट साफ-सफाई सुनिश्चित की गई और चूने का छिड़काव कराया गया।

सुबह से सायं काल तक बनी रही रौनक

चतुर्दशी के अवसर पर पूजा-अर्चना का यह दौर तड़के शुरू होकर देर शाम तक अनवरत जारी रहा। संध्या आरती के समय मंदिरों को विशेष झालरों और दीपों से सजाया गया, जिससे माहौल और भी मनमोहक हो उठा। सायं काल तक मंदिरों में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी रौनक बनी रही और पूरे नगर में जय माता दी के जयकारे गूंजते रहे।

वैष्णो देवी मंदिर में विजय वर्मा का युवा पंजाबी संगठन ने किया स्वागत

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर विजय वर्मा की नियुक्ति होने पर युवा पंजाबी संगठन, उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। गांधी कॉलोनी स्थित वैष्णो देवी मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने विजय वर्मा को माला पहनाकर एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह के दौरान विजय वर्मा ने मां वैष्णो देवी के समक्ष हाथ जोड़कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों के



सामने संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह ओबीसी मोर्चा को जिले में और अधिक मजबूत बनाने, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा मोर्चे को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान देंगे। विजय वर्मा ने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकताओं का सम्मान और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को पहुंचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने इस सम्मान के लिए युवा पंजाबी संगठन के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अनिल अरोड़ा, कुलदीप कपिश, रितेश नागपाल, नवनीत चड्ढा, प्रशांत मक्कड़, रजत अरोड़ा, हैप्पी, भारत अरोड़ा, अजय ग्रोवर, सुनील वर्मा, आकाश कक्कड़, ज्ञान जुनेजा, गगनदीप एवं अनिल मुंजाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाकियू तोमर ने कोतवाली छपार का घेराव कर किया जोरदार प्रदर्शन

युवा प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद मलिक के नेतृत्व में थाने पहुंचे किसान, 11 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन तोमर ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कोतवाली छपार पर जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद मलिक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने रविवार सुबह करीब 11 बजे थाने का घेराव कर अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शन के बाद संगठन की ओर से 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन कोतवाली छपार के एसएसआई को सौंपा गया। पुलिस अधिकारियों ने ज्ञापन में उठाई गई समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

भारतीय किसान यूनियन तोमर के युवा प्रदेश उपाध्यक्ष शहजाद मलिक ने किसानों की समस्याओं को लेकर तीन दिन पूर्व कोतवाली छपार पर धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। इस संबंध में पुलिस के उच्च अधिकारियों



की ओर से आश्वासन मिलने के बाद संगठन ने थाने पर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। ज्ञापन में संगठन ने क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा रामपुर तिराहा चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर चेकिंग के नाम पर किसानों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की गई। संगठन ने थाने में पासपोर्ट सत्यापन और जमानत संबंधी कार्यों में कथित रूप से सुविधा शुल्क लिए जाने की शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग भी उठाई। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि किसी भी मामले में बिना जांच-पड़ताल के मुकदमा दर्ज नहीं किया जाए।

बेगराजपुर में माता के मंदिर पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

चतुर्दशी व शरद पूर्णिमा पर हजारों श्रद्धालुओं ने चढ़ाया प्रसाद,पुलिस ने संभाली व्यवस्था

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर क्षेत्र के गांव बेगराजपुर स्थित माता के मंदिर पर चतुर्दशी व शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।सुबह से ही माता के दर्शन करने और प्रसाद चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। माता के जयकारों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ मंदिर पहुंचे। श्रद्धालु झोटा-बुग्गी और ट्रैक्टर-



ट्रॉलियों में सवार होकर माता के दरबार में पहुंचे तथा श्रद्धा-सुमन अर्पित कर प्रसाद चढ़ाया। मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने मंदिर परिसर की व्यवस्था संभाली। पुलिसकर्मियों ने भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए मोर्चा संभाले रखा। धार्मिक आस्था और भक्ति के माहौल में पूरा मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंजता रहा।

सड़क हादसे के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, पुरकाजी पुलिस ने भारत मेडिकेयर सेंटर के सामने से दबोचा

दुर्घटना से जुड़े मुकदमे में फरार चल रहा था उत्तराखंड का आरोपी संजीत कुमार, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। सड़क दुर्घटना से जुड़े मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को पुरकाजी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को पुरकाजी स्थित भारत मेडिकेयर सेंटर के सामने से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उत्तराखंड के हरिद्वार जनपद के मंगलौर थाना क्षेत्र के गांव खेमपुर थिथौला निवासी संजीत कुमार पुत्र पाल सिंह के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ पुरकाजी थाने में सड़क दुर्घटना से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस के अनुसार, जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में पुरकाजी पुलिस की टीम वांछित आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान थाना प्रभारी मानवेन्द्र भाटी के नेतृत्व में पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर भारत मेडिकेयर सेंटर के सामने दबिश देकर संजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

इन धाराओं में दर्ज है मुकदमा



पुलिस ने बताया कि आरोपी संजीत कुमार थाना पुरकाजी में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 162/2026 में वांछित था। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 105, 125(बी) और 324(5) के तहत अभियोग पंजीकृत है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। उपनिरीक्षक शानू चौधरी के नेतृत्व में हुई गिरफ्तारी

आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शानू चौधरी, हेड कांस्टेबल गौरव राणा और कांस्टेबल राम प्रकाश पूनिया शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। मुजफ्फरनगर पुलिस ने जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत पुरकाजी पुलिस की यह कार्रवाई सामने आई है।

शुकतीर्थ युवा शक्ति संगठन ने स्थापना का एक माह पूरा होने पर चलाया स्वच्छता अभियान

बस स्टैंड से गणेशधाम और डॉक्टर साहब बी.एल. चौक तक दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक, प्रशासन से सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग

शुकतीर्थ। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में शुकतीर्थ युवा शक्ति संगठन ने अपनी स्थापना का एक माह पूरा होने के अवसर पर रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के अंतर्गत संगठन के युवाओं ने शुकतीर्थ बस अड्डे से गणेशधाम तक तथा बस अड्डे से डॉक्टर साहब बी.एल. चौक तक स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान चलाया।

इस दौरान मार्ग पर स्थित दुकानदारों और स्थानीय लोगों को साफ-सफाई बनाए रखने, कूड़ा इधर-उधर न फेंकने तथा अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया। संगठन के सदस्यों ने दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकानों के आसपास सफाई रखें और कूड़े को उचित स्थान पर डालें, ताकि तीर्थनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

संगठन का कहना है कि शुकतीर्थ एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं तीर्थस्थल है, जहाँ



स्थानीय निवासियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। इतने बड़े तीर्थक्षेत्र की सफाई व्यवस्था सीमित सफाई कर्मचारियों के सहारे संचालित होने के कारण व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से संगठन ने स्वच्छता अभियान चलाया।

संगठन ने प्रशासन से मांग की कि शुकतीर्थ की आबादी, क्षेत्रफल, बाजारों, मंदिरों और श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए। संगठन के अनुसार, तीर्थनगरी की नियमित सफाई और बेहतर व्यवस्था के लिए कम से कम 10 सफाई कर्मचारियों की तैनाती पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि मुख्य मार्गों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई नियमित रूप से हो सके। शुकतीर्थ युवा शक्ति संगठन ने स्पष्ट किया कि संगठन का गठन शुकतीर्थ की स्वच्छता, व्यवस्था, विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के उद्देश्य से किया गया है। संगठन किसी राजनीतिक दल या नेता के समर्थन अथवा विरोध में कार्य नहीं करेगा। संगठन का कहना है कि उसकी पहल किसी राजनीतिक लाभ या व्यक्तिगत लालच के लिए नहीं, बल्कि तीर्थनगरी की व्यवस्था सुधारने और नागरिक जिम्मेदारी निभाने के लिए है।

संगठन ने शुकतीर्थ के युवाओं के साथ-साथ जिम्मेदार नागरिकों, व्यापारियों और स्थानीय निवासियों से भी अपील की कि वे क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में आगे आएँ और स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी समझें। संगठन के अनुसार, केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय नागरिकों को भी अपने आसपास सफाई बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। वहीं, नियमित सफाई और पर्याप्त कर्मचारियों की व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

अभियान में शामिल संगठन के युवा मुख्य रूप से हरप्रीत सिंह संदीप सैनी अखिल ठाकुर आकाश शर्मा आकाश धारीवाल अश्वनी सैनी नीरज ध्यानी शुभम कौशिक सोनू बावराज शामिल रहे अभियान में सहयोग देने वाले जिम्मेदार नागरिक पूर्व प्रधान सुशील शर्मा कमरपाल सैनी डीलर विनोद नेताजी डॉ सतीश सैनी शिव धाम कॉलोनी सतीश शर्मा शामिल रहे सफाई कर्मचारी जयपाल सैनी अमित कुमार ओमपाल सहयोगी रहे

शुकतीर्थ युवा शक्ति संगठन

एकता ड्ड अनुशासन ड्ड सेवा ड्ड स्वच्छता जनहित

संदेशः हमारा उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं, बल्कि बिना राजनीति और बिना किसी स्वार्थ के अपने शुकतीर्थ को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में योगदान देना है।

जनगणना-2027 की तैयारियों में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, प्रशिक्षण से गैरहाजिर रहने वाले कार्मिकों पर गिरेगी गाज

एडीएम गंभीर सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की समीक्षा, प्रशिक्षण केंद्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समयबद्ध, व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराई जाए और बिना उपस्थित हुए प्रशिक्षण से दूर रहने वाले कार्मिकों के खिलाफ जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश की ओर से मुजफ्फरनगर जनपद के लिए नामित नोडल अधिकारी गौरव गुंजन भी शामिल हुए। इसके अलावा सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, अधिशासी अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को जनगणना की तैयारियां निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूरी कराने के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण केंद्रों का दोबारा निरीक्षण कराने के निर्देश

अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह ने कहा कि जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी कर ली जाएं। इसके तहत प्रशिक्षण स्थलों के रूप में चयनित स्मार्ट क्लास का एक बार फिर निरीक्षण कराया जाएगा, ताकि वहां उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का आकलन किया जा सके। प्रशिक्षण केंद्रों पर किसी प्रकार की कमी मिलने पर उसे समय रहते दूर कराने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक प्रशिक्षण स्थल पर पर्यवेक्षक के रूप में नायब तहसीलदार और खंड शिक्षा अधिकारी की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्थाओं पर नजर रखने और प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की होगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कार्मिकों को आवश्यक सुविधाएं



मिलें और प्रशिक्षण कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

जनगणना कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए प्रशासन ने कार्मिकों की उपस्थिति को गंभीरता से लिया है। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, खंड शिक्षा अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों के कार्यालयाध्यक्षों को निर्देश दिए गए कि वे अपने अधीनस्थ कार्मिकों की प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। अपर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने स्तर से निगरानी रखने और कार्मिकों को समय से प्रशिक्षण में भेजने को कहा गया है। प्रशासन की ओर से यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण से संबंधित आदेश समय रहते उपलब्ध करा दिए जाएं। इससे कार्मिकों को प्रशिक्षण स्थल, समय और अपने दायित्वों के संबंध में पहले से जानकारी मिल सकेगी और अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। प्रशिक्षण केंद्रों पर कार्मिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। सभी प्रशिक्षण स्थलों पर जरूरत के अनुसार बैनर, फ्लेक्स और अन्य प्रचार सामग्री समय से उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन और स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था करने को कहा गया है। अपर जिलाधिकारी ने भोजन की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा की निगरानी पर भी जोर दिया। इसके लिए संबंधित खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों को जिम्मेदारी सौंपने पर बल दिया गया, ताकि प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कार्मिकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध हो सके। प्रशासन का जोर है कि प्रशिक्षण केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था व्यवस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कार्मिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को पहले से आवश्यक प्रबंध करने होंगे। बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी फील्ड ट्रेनर्स (एफटी), प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण संबंधी आदेश समय से उपलब्ध कराए जाएं। प्रत्येक प्रशिक्षण बैच में संबंधित प्रगणकों को ड्यूटी आदेश, पहचान पत्र और एएचएल से संबंधित आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

भोपा पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया, अलग-अलग मामलों में चल रहे थे वांछित

सीकरी और रहकड़ा गांव से पकड़े गए आरोपी, नई मंडी और भोपा थानों में दर्ज मुकदमों से संबंधित हैं दोनों वारंटी

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित आरोपियों और न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर कार्रवाई करते हुए भोपा थाना पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक सीकरी गांव का निवासी है, जो नई मंडी थाने में दर्ज धोखाधड़ी और धमकी से संबंधित मामले में वांछित था। दूसरा आरोपी रहकड़ा गांव का निवासी है, जो भोपा थाने में दर्ज चोरी की संपत्ति से संबंधित मामले में जारी वारंट के आधार पर पकड़ा गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह तथा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार के नेतृत्व में भोपा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों वारंटियों को



गिरफ्तार किया।

सीकरी और रहकड़ा गांव के निवासी हैं गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने पहले आरोपी की पहचान दिलशाद अहमद पुत्र इरशाद अहमद निवासी ग्राम सीकरी, थाना भोपा, मुजफ्फरनगर के रूप में की है। वह नई मंडी थाने में दर्ज वाद संख्या 15758/26 में संबंधित वारंटी था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) और 351(3) के तहत कार्रवाई की गई है। दूसरे आरोपी की पहचान बब्लू पुत्र बुन्ना निवासी ग्राम रहकड़ा, थाना भोपा, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। वह भोपा थाने में दर्ज वाद संख्या 4735/17 से संबंधित था। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 414 के तहत कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने उसके खिलाफ जारी वारंट के आधार पर गिरफ्तारी की है।

वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान जारी

भोपा थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सपन चौधरी, उपनिरीक्षक आकाश शर्मा, हेड कांस्टेबल प्रवीण कुमार तथा कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार और अजीत सिंह शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य न्यायालय से जारी वारंटों का पालन सुनिश्चित करना और लंबित मामलों में कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

शरद पूर्णिमा पर शाकुम्भरी वाटिका में सजा भक्ति और सत्संग का दरबार

गीता श्याम सत्संग महिला मंडल की साधिकाओं ने व्रत रखकर किया सत्संग, भजनों से भक्तिमय हुआ वातावरण; मां लक्ष्मी, भगवान श्रीकृष्ण और चंद्रदेव की महिमा का किया गुणगान

मुजफ्फरनगर। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर दक्षिणी कृष्णापुरी स्थित शाकुम्भरी वाटिका में गीता श्याम सत्संग महिला मंडल की साधिकाओं की ओर से सत्संग का आयोजन किया गया। इस दौरान साधिकाओं ने शरद पूर्णिमा का व्रत रखकर धार्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। सत्संग में शरद पूर्णिमा के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। वहीं, भजन-कीर्तन के माध्यम से भगवान का गुणगान कर वातावरण को भक्तिमय बनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्संग संयोजिका मनीषा गोयल ने शरद पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना को विशेष फलदायी माना जाता है।

चंद्रमा की सोलह कलाओं और खीर के प्रसाद की बताई महिमा

सत्संग में साधिका एवं प्रधानाचार्य मंजू गोयल ने शरद पूर्णिमा की धार्मिक मान्यताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से परिपूर्ण होता है। शरद पूर्णिमा की रात गाय के दूध से बनी केसरयुक्त खीर को चंद्रमा की रोशनी में रखने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि चंद्रमा की किरणों के संपर्क में रखी खीर को अगले दिन प्रसाद के रूप में ग्रहण करना शुभ माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में शरद पूर्णिमा को प्रकृति, चंद्रमा और आध्यात्मिक साधना से जोड़कर देखा जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालु व्रत, पूजा और सत्संग के माध्यम से धार्मिक आस्था प्रकट करते हैं।

मां लक्ष्मी और भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का किया गुणगान



एसडीएम कोर्ट खतौली की पेशकार मुनेश सिंघल ने कहा कि शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी, भगवान श्रीकृष्ण और चंद्रदेव की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है। यह पर्व श्रद्धालुओं को भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक चिंतन से जोड़ता है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से लोगों को एक साथ बैठकर सत्संग करने और धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है।

भजनों से भक्तिमय हुआ सत्संग स्थल

कार्यक्रम में त्रिवेणी शुगर मिल के परचेज मैनेजर मुकुल अग्रवाल, गायक महेंद्र रावत और मुनेश सिंघल ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए। भजनों के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। भजन-कीर्तन से शाकुम्भरी वाटिका का वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित लोगों ने धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और सत्संग में भागीदारी की।

आयोजन में अनेक श्रद्धालुओं ने किया सहयोग

सत्संग के आयोजन में इंजीनियर्स क्लब के सचिव इंजी. बसंत कुमार गोयल, खुशी सक्सेना, तानिया, मधु सक्सेना, प्रदीप लाला, पवित्रा गोयल, इंजी. नितिन गोयल, अमिता गोयल, इंजी. शिशिर गोयल, केशव राज सिंघल, शिक्षिका शिखा गोयल, केशवी गोयल और श्रव्या गोयल सहित अन्य लोगों का विशेष योगदान रहा।इसके अलावा शशि शर्मा, प्रमिला सैनी, ऋतु सैनी, बबीता, लक्ष्मी ठाकुर, कमला ठाकुर, सोहनबीरी, देवयंती, श्यामो, राजबीरी, शकुंतला, सुमन शर्मा, संतोष वर्मा, प्रकाशी शर्मा, सुशीला शर्मा, राधिका वर्मा, अनविका गोयल, अनन्वी गोयल, देविका, दीपाली, आकांक्षा वर्मा, निर्मल वर्मा, अंजली वर्मा, टीना वर्मा, गीता वर्मा, पूनम शर्मा, रौनक शर्मा, रूही गर्ग, प्रिया गर्ग, अनीता गर्ग, निहारिका सैनी, विनायक सैनी, कृतज्ञ गर्ग, शिमला देवी, सरोज बाला और डॉ. मोहन लाल गर्ग सहित अनेक श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

स्वर्णकार समाज धूमधाम से मनाएगा महाराजा अजमीढ देव की जयंती, हवन-भंडारे और देशभक्ति संगीत कार्यक्रम का होगा आयोजन

26 अक्टूबर को दक्षिणी कृष्णापुरी में सजेगा जयंती समारोह, समाज की विशिष्ट हस्तियों को शॉल ओढ़ाकर किया जाएगा सम्मानित; डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा संभाल रहे कार्यक्रम की व्यवस्थाएं

मुजफ्फरनगर। स्वर्णकार समाज के आदि पुरुष महाराजा श्री अजमीढ देव की जयंती शरद पूर्णिमा के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस वर्ष जयंती समारोह का आयोजन 26 अक्टूबर को दक्षिणी कृष्णापुरी स्थित रामलीला स्थल के निकट, मुख्य मार्ग पर नंद किशोर पटवारी के निवास पर किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के लोगों की सहभागिता रहेगी। आयोजन के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, हवन-यज्ञ, भंडारा, जलपान और भोजन की व्यवस्था के साथ देशभक्ति से ओतप्रोत संगीत कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन मुजफ्फरनगर के जिला अध्यक्ष नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि महाराजा अजमीढ देव की जयंती प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी समाज के लोग मिलकर उत्साहपूर्वक मनाएंगे। समारोह का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना और महाराजा अजमीढ देव के आदर्शों एवं स्मृति को सम्मान देना है।



हवन-यज्ञ से होगी समारोह की शुरूआत

जयंती समारोह की शुरूआत प्रातः आठ बजे हवन-यज्ञ के साथ होगी। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उपस्थित लोगों के लिए भंडारे, जलपान और भोजन की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने समाज के लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर समारोह की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

देशभक्ति संगीत कार्यक्रम बनेगा आकर्षण

जयंती समारोह के अवसर पर देशभक्ति से जुड़े संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से देशप्रेम और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के लोगों की भागीदारी के साथ उत्सवपूर्ण वातावरण में महाराजा अजमीढ देव की जयंती मनाई जाएगी।

समाज की विशिष्ट हस्तियों को किया जाएगा सम्मानित

समारोह के दौरान स्वर्णकार समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. ओमपाल सिंह वर्मा संभाल रहे हैं।

सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, 105.6 किलो तार बरामद

प्लांट में मजदूरी और देखरेख का काम करते थे आरोपी, रात में केबल काटकर खेत में छिपाते और प्लास्टिक जलाकर निकालते थे कॉपर; लुहारी रोड स्थित श्मशान के पास पुलिस ने पकड़ा

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना पुलिस ने सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 39.9 किलोग्राम जला हुआ कॉपर तार और 65.7 किलोग्राम बिना जला हुआ एल्युमिनियम/कॉपर तार बरामद किया है। बरामद तार का कुल वजन 105.6 किलोग्राम बताया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोलर पावर प्लांट में मजदूरी और देखरेख का काम करते थे। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर प्लांट से तार चोरी करने की योजना बनाई और धीरे-धीरे केबल काटकर उसे खेत में छिपाना शुरू कर दिया। बाद में तार की प्लास्टिक जलाकर कॉपर निकालते और उसे राह चलते लोगों को बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक, यह मामला आरवीजी ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के सोलर पावर प्लांट से डीसी सोलर केबल चोरी होने से जुड़ा है। कंपनी के निदेशक गगनदीप सिंघल ने 25 सितंबर 2026 को चरथावल थाने में शिकायत



देकर अज्ञात चोरों द्वारा प्लांट से केबल चोरी किए जाने की सूचना दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए चरथावल थाना पुलिस की टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 24 अक्टूबर को लुहारी रोड स्थित श्मशान के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से जला हुआ और बिना जला हुआ तार बरामद हुआ। कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण में, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार तथा चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे सोलर पावर प्लांट में मजदूरी और देखरेख का काम करते थे तथा रात में वहीं सोते थे। इसी दौरान वे कथित तौर पर धीरे-धीरे सोलर केबल काटकर उसके बंडल बनाते और उन्हें पास के खेत में छिपा देते थे। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बाद में तार के ऊपर चढ़ी प्लास्टिक को जलाकर कॉपर अलग कर लेते थे और निकाले गए कॉपर को राह चलते लोगों को बेच देते थे। पूछताछ में उन्होंने 17 सितंबर 2026 को चारों के मिलकर प्लांट से तार चोरी करने की बात भी बताई। पुलिस इस संबंध में आगे की जांच कर रही है।

चारों आरोपी चरथावल कस्बे के निवासी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विपिन पुत्र सत्यप्रकाश, निवासी रोहाना रोड, चरथावल; गुड्डू पुत्र मित्तर, निवासी मोहल्ला हलवाईयान, चरथावल; रिषी पुत्र सटोरा, निवासी ठाकुरद्वारा जैन मंदिर के पास, चरथावल और बबलू पुत्र ज्ञान सिंह, निवासी मोहल्ला हलवाईयान, चरथावल के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों के खिलाफ सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी करने के मामले में कार्रवाई की जा रही है।

39.9 किलो जला और 65.7 किलो बिना जला तार बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो प्रकार का तार बरामद किया है।

मुजफ्फरनगर के 17,433 व्यापारियों को ब्याज माफी योजना से मिलेगी बड़ी राहत, 449.76 करोड़ के पुराने बकाये के निस्तारण का रास्ता खुला

मूलधन जमा करने पर 100 प्रतिशत तक ब्याज और पूरा अर्थदंड माफ करने का प्रावधान, बकाये की राशि के अनुसार मिलेगी छूट; पुराने वैट और अन्य कर मामलों को निपटाने का मौका

मुजफ्फरनगर। पुराने कर विवादों और बढ़ते ब्याज के बोझ से परेशान व्यापारियों के लिए ब्याज माफी योजना 2026 राहत का बड़ा अवसर लेकर आई है। उत्तर प्रदेश सरकार की इस योजना के तहत मुजफ्फरनगर जिले के 17,433 बकायेदार व्यापारियों को अपने पुराने कर मामलों का निस्तारण कराने का मौका मिलेगा। जिले में जीएसटी व्यवस्था लागू होने से पहले के वैट और अन्य कर कानूनों के अंतर्गत करीब 449.76 करोड़ रुपये का बकाया लंबित है। निर्धारित शर्तों के अनुसार मूलधन जमा करने पर व्यापारियों को ब्याज में 100 प्रतिशत तक छूट और अर्थदंड में पूरी माफी का लाभ मिल सकता है। योजना में बकाये की राशि के आधार पर अलग-अलग श्रेणियां बनाई गई हैं, ताकि छोटे कारोबारियों से लेकर बड़े बकायेदारों तक को राहत मिल सके।

राज्य कर विभाग ने योजना के तहत पुराने बकायों के निस्तारण की प्रक्रिया तेज करने की तैयारी की है। लंबे समय से लंबित कर मामलों में मूलधन के साथ ब्याज और अर्थदंड जुड़ने से व्यापारियों पर भुगतान का बोझ बढ़ता गया। कई मामलों में अतिरिक्त देनदारी के कारण पुराने विवादों का निपटारा नहीं हो पा रहा था। अब योजना के तहत निर्धारित छूट का लाभ लेकर व्यापारी अपनी पात्रता के अनुसार बकाया जमा कर सकते हैं और पुराने मामलों को समाप्त कराने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। राज्य कर विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मुजफ्फरनगर जिले में विभाग के अंतर्गत कुल 33,081 व्यापारी पंजीकृत हैं। इनमें से 17,619 व्यापारी वर्तमान में सक्रिय श्रेणी में दर्ज हैं। वहीं, जीएसटी व्यवस्था लागू होने से पहले के वैट और अन्य पुराने कर कानूनों के अंतर्गत 17,433 व्यापारियों पर बकाया दर्ज है। इन बकायेदारों पर कुल लगभग 44,976 लाख रुपये यानी 449.76 करोड़ रुपये की देनदारी लंबित बताई गई है। पुराने मामलों में कर की मूल राशि के अलावा ब्याज और अर्थदंड जुड़ने से देनदारी बढ़ती चली गई। ऐसे में ब्याज माफी योजना के माध्यम से व्यापारियों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम करने और लंबित विवादों का निस्तारण कराने का अवसर मिलेगा। योजना में सबसे अधिक राहत 10 लाख रुपये तक के बकायेदारों के लिए निर्धारित की गई है। इस श्रेणी में आने वाले व्यापारियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार मूल बकाया जमा करने पर 100 प्रतिशत ब्याज और 100 प्रतिशत अर्थदंड की माफी का प्रावधान है। छोटे कारोबारियों के लिए यह राहत विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कई बार मूल कर की राशि के साथ जुड़ा ब्याज और अर्थदंड भुगतान की सबसे बड़ी बाधा बन जाता है। पूरी ब्याज और अर्थदंड माफी मिलने से पात्र व्यापारी अपेक्षाकृत कम राशि में अपने पुराने कर मामलों का निस्तारण करा सकेंगे। 10 लाख रुपये से अधिक और एक करोड़ रुपये तक के बकायेदार व्यापारियों को भी योजना में पर्याप्त राहत दी गई है। इस श्रेणी में मूलधन जमा करने पर निर्धारित ब्याज का केवल 10 प्रतिशत भुगतान करना होगा, जबकि शेष 90 प्रतिशत ब्याज माफ करने का प्रावधान है। इसके साथ ही अर्थदंड में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी। इससे उन व्यापारियों को लाभ मिल सकता है, जिनकी मूल कर देनदारी के मुकाबले ब्याज और अर्थदंड की राशि काफी बढ़ गई है। निर्धारित नियमों के तहत भुगतान करने पर उनकी कुल देनदारी में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। योजना के तहत एक करोड़ रुपये से अधिक और पांच करोड़ रुपये तक के बकायेदारों के लिए मूलधन जमा करने पर निर्धारित ब्याज का 25 प्रतिशत भुगतान करना होगा। शेष 75 प्रतिशत ब्याज माफ रहेगा। इस श्रेणी में भी अर्थदंड की पूरी माफी का प्रावधान किया गया है। वहीं, पांच करोड़ रुपये से अधिक के बड़े बकायेदारों को मूलधन जमा करने पर निर्धारित ब्याज का 50 प्रतिशत भुगतान करना होगा। शेष 50 प्रतिशत ब्याज और पूरा अर्थदंड माफ किए जाने का प्रावधान है। इस प्रकार बकाये की राशि बढ़ने के साथ ब्याज में छूट का प्रतिशत अलग-अलग रखा गया है, जबकि सभी श्रेणियों में अर्थदंड की पूरी माफी का प्रावधान बताया गया है।

किस श्रेणी में कितनी मिलेगी छूट?

- 10 लाख रुपये तक का बकायाः मूलधन जमा करने पर 100 प्रतिशत ब्याज और 100 प्रतिशत अर्थदंड माफ।
- 10 लाख रुपये से अधिक और एक करोड़ रुपये तकः निर्धारित ब्याज का 10 प्रतिशत देय, 90 प्रतिशत ब्याज और पूरा अर्थदंड माफ। - एक करोड़ रुपये से अधिक और पांच करोड़ रुपये तकः निर्धारित ब्याज का 25 प्रतिशत देय, 75 प्रतिशत ब्याज और पूरा अर्थदंड माफ।

भोपा पुलिस ने चोरी की बाइक सहित वाहन चोर को दबोचा, नई मंडी थाने में भी दर्ज हैं तीन मुकदमे

भोपा-अथाई मार्ग चौराहे पर चेकिंग के दौरान पकड़ा गया आरोपी, स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद; भोपा और नई मंडी थानों में दर्ज चार मुकदमों का विवरण आया सामने

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना पुलिस ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक आरोपी को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई है, जिसके संबंध में भोपा थाने में पहले से मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ नई मंडी और भोपा थानों में वाहन चोरी तथा चोरी के मामलों से संबंधित कुल चार मुकदमे दर्ज होने का विवरण सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भोपा थाना पुलिस भोपा-अथाई मार्ग चौराहे पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर जांच की तो उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अपार शर्मा पुत्र राकेश शर्मा निवासी ककराला, थाना



भोपा, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। बरामद मोटरसाइकिल स्प्लेंडर है, जिसका पंजीकरण नंबर यूपी 12 यू 6388 बताया गया है। पुलिस ने मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, बरामद मोटरसाइकिल के संबंध में भोपा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 277/2026 दर्ज है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(बी) और 317(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब बरामद मोटरसाइकिल और आरोपी की भूमिका के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नई मंडी थाने में भी दर्ज हैं तीन मुकदमे

पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आपराधिक इतिहास के अनुसार, आरोपी के खिलाफ नई मंडी थाने में भी तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 580/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), मुकदमा अपराध संख्या 585/2025 में धारा 303(2) और 317(2) तथा मुकदमा अपराध संख्या 625/2025 में धारा 303(2) और 317(2) के तहत मामले दर्ज होने का उल्लेख है। इसके अतिरिक्त भोपा थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 277/2026 भी उसके आपराधिक इतिहास में शामिल है।

शहीद धन सिंह कोतवाल को भारत रत्न दिलाने के लिए मेरठ से दिल्ली तक पदयात्रा निकालेगा संगठन

मुजफ्फरनगर में युवाओं की जनसभा कर राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुर्जर ने किया ऐलान, 27 नवंबर को जयंती पर सार्वजनिक अवकाश और स्कूली पाठ्यक्रम में इतिहास शामिल करने की भी मांग

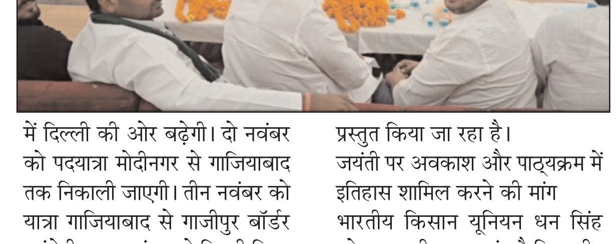
मुजफ्फरनगर। 1857 की क्रांति में शहीद हुए धन सिंह कोतवाल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन धन सिंह कोतवाल ने आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। संगठन शहीद धन सिंह कोतवाल को भारत रत्न देने, उनकी जयंती 27 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने और उनके ऐतिहासिक योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग उठाएगा। इन मांगों को लेकर मेरठ से दिल्ली तक पदयात्रा निकाली जाएगी, जिसका समापन चार नवंबर को दिल्ली स्थित किसान घाट पर महापंचायत के साथ होगा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुर्जर ने मुजफ्फरनगर पहुंचकर गुर्जर छात्रावास में आयोजित जनसभा के दौरान आंदोलन की रूपरेखा साझा की और युवाओं से इस अभियान में भागीदारी की अपील की।

बझेड़ी बाईपास पर स्वागत, गुर्जर छात्रावास में युवाओं को किया संबोधित

भारतीय किसान यूनियन धन सिंह कोतवाल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुर्जर के मुजफ्फरनगर पहुंचने पर बझेड़ी बाईपास पर संगठन के युवा जिलाध्यक्ष अनस गौर ने अपने साथियों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद पवन गुर्जर रामपुर तिराहा स्थित गुर्जर छात्रावास पहुंचे, जहां युवाओं के साथ जनसभा आयोजित की गई।.जनसभा में पवन गुर्जर ने कहा कि शहीद धन सिंह कोतवाल ने देश की आजादी के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके योगदान और बलिदान को उचित सम्मान मिलना चाहिए। संगठन इसी उद्देश्य से उनकी स्मृतियों और ऐतिहासिक भूमिका को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए अभियान चला रहा है।

एक नवंबर से शुरू होगी पदयात्रा, चार नवंबर को किसान घाट पर महापंचायत

संगठन की ओर से घोषित कार्यक्रम के अनुसार, पदयात्रा एक नवंबर को सुबह नौ बजे मेरठ की सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित भैंसाली मैदान से शुरू होगी। इसके बाद यात्रा अलग-अलग चरणों



में दिल्ली की ओर बढ़ेगी। दो नवंबर को पदयात्रा मोदीनगर से गाजियाबाद तक निकाली जाएगी। तीन नवंबर को यात्रा गाजियाबाद से गाजीपुर बॉर्डर पहुंचेगी। चार नवंबर को दिल्ली स्थित किसान घाट पर महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसी महापंचायत के साथ पदयात्रा का समापन होगा।

संगठन इस कार्यक्रम के माध्यम से शहीद धन सिंह कोतवाल को भारत रत्न से सम्मानित करने समेत अपनी प्रमुख मांगों को उठाएगा। पदयात्रा को उनके ऐतिहासिक योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सरकार तक मांग पहुंचाने के अभियान के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

जयंती पर अवकाश और पाठ्यक्रम में इतिहास शामिल करने की मांग

भारतीय किसान यूनियन धन सिंह कोतवाल की प्रमुख मांग है कि शहीद धन सिंह कोतवाल को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। इसके साथ ही 27 नवंबर को उनकी जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने और उनके जीवन, संघर्ष तथा 1857 की क्रांति में योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग भी की जा रही है। संगठन का कहना है कि ऐतिहासिक क्रांतिकारियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। पाठ्यक्रम में उनके इतिहास को जगह मिलने से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उनकी भूमिका और बलिदान के बारे में जानकारी मिल सकेगी। संगठन इन मांगों को लेकर जनसमर्थन जुटाने और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की तैयारी में है।

सांसद चंदन चौहान ने मांगें सरकार तक पहुंचाने का दिया आश्वासन

मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में बिजनौर के राष्ट्रीय लोकदल सांसद चंदन चौहान भी मौजूद रहे। संगठन की ओर से उठाई गई मांगों के संबंध में उन्होंने उन्हें सरकार के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। सांसद की मौजूदगी को संगठन ने अपनी मांगों को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने के अवसर के रूप में देखा। संगठन ने शहीद धन सिंह कोतवाल की जयंती और अपने स्थापना दिवस के अवसर पर 27 नवंबर को मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित करने की जानकारी दी।

खरीफ का राजा उड़द



भूमि का चुनाव

सभी प्रकार की मिट्टियों में की जा सकती है वैसे दोमट मिट्टी सर्वथा उपयुक्त होती है उचित प्रबंधन करने पर उड़द की फसल कम उपजाऊ व हल्की भूमियों पर भी सफलतापूर्वक की जा सकती है। अच्छे उत्पादन के लिये उचित जल निकास की व्यवस्था हो।

बीज की मात्रा

अच्छी पैदावार के लिए एक हेक्टेयर क्षेत्र में उड़द की पौध संख्या 2 से 3 लाख पौधे हो। उन्नतशील जातियों का स्वस्थ, सुडौल, रोगरोधी बीज 15–20 किलो ग्राम बुवाई के लिए उपयुक्त है।

बीजोपचार

बीज को बोने के पूर्व फफूंदनाशक दवाओं से उपचारित करें। फफूंदनाशक दवाई जैसे थाइरम, कार्बेन्डाजिम, वीटावैक्स किसी भी दवा से 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें। फफूंदनाशक दवा से उपचारित करने के बाद राइजोबियम कल्चर पीएसबी कल्चर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर उड़द की बुवाई करें।

बोने की विधि

उड़द की बुवाई हमेशा कतारों में ही करें। क्योंकि यह वैज्ञानिक, सख्त, सस्ती एवं उपयुक्त विधि है उड़द की बुवाई देशी हल में पीछे हाथ द्वारा या सीड ड्रिल द्वारा करनी चाहिए। उड़द की बुवाई करते समय कतार से कतार की दूरी 30 सेमी एवं पौध से पौध की दूरी 10 से 15 सेमी रखें। उड़द के बीज की गहराई 3 से 5 सेमी रखें।

प्रमुख किस्में

किस्में	पकने की अवधि	औसत उपज	विशेष गुण धर्म
जवाहर उर्द–86	60–65 दिन	12–14 क्विं./हे.	यह प्रजाति पीला मोजेक वायरस के प्रति अवरोधी व दाना चमकदार।
पंत यू–30	70–75 दिन	12–15 क्विं./हे.	पौधे छोटे सीधे, तना व पत्तियां हरी, पुष्प पीले रोगमुक्त, पीला मोजेक व पाउडरी मिल्डयू के प्रति अवरोधी किस्म।
पंत यू–19	75–80 दिन	10–12 क्विं./हे.	पौधे छोटे एवं सीधे, दाना मध्यम आकार के, हल्का काला रंग पीला मोजेक प्रतिरोधी किस्म। जवाहर उर्द–2
70–75 दिन	12–14 क्विं./हे.		पौधे बौने एवं फल्लियां मुख्य तने पर लगती है।
टीपीयू–4	70–75 दिन	8–10 क्विं./हे.	इस प्रजाति का पौधा सीधा व मध्यम ऊंचाई का होता है।
आईपीयू–94–1	80–85 दिन	12–14 क्विं./हे.	पीला मोजेक प्रतिरोधी किस्म।

रसायनिक उर्वरक

मृदा परीक्षण के उपरांत खाद एवं उर्वरक की सुझाई गयी मात्रा का उपयोग करें। उड़द के अच्छे उत्पादन के लिये डी.ए.पी. 100 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश 30 किलोग्राम एवं जिप्सम 200 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से उपयोग करें या यूरिया 50 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट–250 किलोग्राम व म्यूरेट ऑफ पोटाश 30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें।



खरपतवार नियंत्रण

फसल में मुख्य रुप सावां, दूब घांस, कोदो, मछुआ, वनमकोय, मोथा आदि खरपतवार मुख्य रूप से आते हैं उड़द की फसल को प्रारंभिक अवस्था में बुवाई के 15 से 40 दिन के मध्य खरपतवारों से मुक्त रखना जरुरी है सामान्यतः पहली निंदाई–गुड़ाई 15 से 20 दिन व दूसरी निंदाई–गुड़ाई 35–40 दिन बाद करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढ़ंग से होता है उड़द की फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न करने से उपज में 25–40 प्रतिशत तक कमी देखी गयी है। खरपतवारों का रसायनिक नियंत्रण करने हेतु फ्लूक्लोरीन (बासालीन) 1–1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बोनी के पहले खेत में उपयोग करें एवं खड़ी फसल में रसायनिक नियंत्रण हेतु परस्यूट 600 मिली दवा 500–600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। छिड़काव के समय भूमि में नमी का हो।

कटाई एवं गहाई

जब 70–80 प्रतिशत कलियां पक जाये तब कटाई आरंभ करें। फसल को खलिहान में 3 से 4 दिन तक रखने के बाद सुखाकर गहाई करें।

देशी परंपरागत ड्रिप सिंचाई अपनाएं





सिंचाई की अलग–अलग अपनायी जाने वाली विधियों में से घड़ा सिंचाई प्रणाली एक बहुत ही सस्ती और सरल विधि है। यह प्रणाली शुष्क और पानी की अत्यधिक कमी वाले क्षेत्रों के लिए बहुत ही लाभदायक हैं । इस प्रणाली से फलदार और वानिकी पौधों को आसानी से स्थापित किया जा सकता है। इस प्रणाली से सब्जियों की भी खेती की जा सकती हैं । यह प्रणाली ड्रिप सिंचाई प्रणाली का एक बेहतर विकल्प है। निम्नलिखित दशाओं में इस विधि को सफलतापूर्वक अपनाया जा सकता है।

- जहॉ पानी की अत्यधिक कमी हो या पानी अत्यधिक मंहगा हो।
- उबड़ खाबड़ भूमियों में जहां भूमि को समतल करना कठिन हो।
- जहां जल लवणयुक्त है जिसके कारण इसे साधारणतया सतही सिंचाई प्रणाली के उपयोग में नहीं लाया जा सकता हो।

कार्यविधि

इस विधि में मिट्टी के पके हुए घड़े को जमीन में गर्दन तक दबा दिया जाता हैं। जब घड़ों में पानी भरा जाता है तो पानी घड़े की दीवारों के सूक्ष्म छिद्रों से पानी निकलकर आसपास की मृदा को तर करता है। यह पानी पौधों की आवश्यक वृद्धि के लिए उत्तम नमी बनाए रखता है। घड़े में पानी की कमी को एक निश्चित अंतराल पर पानी डालकर पूरा कर दिया जाता है। इस प्रकार मृदा में लगातार नमी की पूर्ति होती रहती है।

घड़े की विशेषताएं

- घड़ा छिद्रयुक्त हो।
- ज्यादा चमकीला नहीं हो।
- घड़ा करीब 7–10 लीटर क्षमता का हो। लेकिन पौधे और फसल के अनुसार बड़ा भी लिया जा सकता है।
- पानी:– घड़े में साफपानी ही भरें क्योंकि गंदे पानी भरने से घड़े के छिद्र बन्द हो जाते हैं। प्रति घड़ा पानी की आवश्यक मात्रा जलवायु पर मुख्यतया निर्भर करती है। निम्न वाष्पीकरण की दशा में 1–1.5 लीटर पानी प्रतिदिन जबकि उच्च वाष्पीकरण की दशा में 2–2.5 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।



लाभ

- देशी सिंचाई प्रणाली की तुलना में 60 – 90 प्रतिशत से अधिक पानी की बचत
- सस्ती व उपयोग में सरल।
- पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं।
- खरपतवार का नियंत्रण ।
- सतही वाष्पीकरण कम होता है।
- गहराई में पानी का रिसाव नहीं होता है जबकि सतही सिंचाई में करीब 50 प्रतिशत पानी गहराई में रिसकर नष्ट हो जाता है।
- भूमि क्षरण में कमी।
- कृषि यंत्रों का कम प्रयोग।

परवल की बहार आई



जलवायु

इस कद्दूवर्गीय सब्जी की खेती मुख्यतः उष्ण– आर्द्र जलवायु क्षेत्रों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। परवल की वानस्पतिक वृद्धि के लिए 21–27 डिग्री सेल्सियस तथा अच्छे फलन के लिए 21–24 डिग्री सेल्सियस का तापक्रम उपयुक्त रहता है। अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। परवल के पौधे जलमग्न अवस्था को सहन नहीं कर सकते हैं। तथापि शुष्क मौसम के प्रति काफी हद तक सहनशील होते हैं। नदी के किनारे खेती में वर्षा ऋतु की अपेक्षा ग्रीष्म ऋतु में पैदावार अधिक प्राप्त होती है। परवल का पौधा कम तापक्रम एवं पाले के प्रति सहनशील नहीं होता है जिससे 7 डिग्री सेल्सियस से कम तापक्रम पर इसकी पत्तियां झड़ जाती हैं। शीत ऋतु में पौधा सुषुप्तावस्था में चला जाता है। अतः इस ऋतु में फलन–फूलन नहीं होता। बसंत ऋतु की प्रारंभ से इसमें वृद्धि पुनः शुरू हो जाती है एवं नये फूल एवं फल आने लगते हैं।

भूमि एवं उसकी तैयारी

परवल की खेती विभिन्न प्रकार की भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है फिर भी अधिक उत्पादन के लिए उचित जल निकास युक्त बलुई दोमट मिट्टी सर्वोत्तम होती है। भारी एवं अधिक चिकनी मिट्टी युक्त मिट्टी परवल की खेती के लिए उपयुक्त नहीं होती। नदी के किनारे की मिट्टी में उचित जीवांश मिलाकर ग्रीष्मऋतु में इसकी खेती लाभदायक होती है। परवल की खेती के लिए चयनित खेत की गहरी जुताई कर एवं 2–3 बार कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए तत्पश्चात पाटा फेर कर खेत को समतल कर लें।

प्रजातियों का चयन

फैजाबाद परवल 1,3 एवं 4 व राजेन्द्र परवल 1 एवं 2, स्वर्णा अलौकिक, स्वर्णा रेखा, भाकोलिया किस्में है।

प्रवर्धन (बडिंग)

परवल की फसल के व्यावसायिक रोपण के लिए बेल की कलम या केन्द्रीय जड़ों का प्रयोग उपयुक्त होता है। बीजों द्वारा लगाये गये पौधे कमजोर होते हैं एवं फलन में अधिक समय लेते हैं। साथ ही उनके नर या मादा होने की अनिश्चितता रहती है। परवल के प्रवर्धन हेतु नर एवं मादा पौध सामग्री का 1:9 के अनुपात में रोपण करना उपयुक्त रहता है।



रोपण का समय

सिंचाई की पर्याप्त सुविधा होने पर फरवरी–मार्च में इसकी रोपण उपयुक्त होती है। साथ ही मानसून के शुरू होते ही जून–जुलाई में इसका रोपण किया जा सकता है। परन्तु फरवरी–मार्च में पुराने परवल से पर्याप्त मात्रा में रोपण सामग्री उपलब्ध होने से रोपण में आसानी होती है। क्योंकि शीत ऋतु की सुषुप्तावस्था के पश्चात 3–4 वर्षों के पुराने रोपित परवल को उचित उत्पादन के लिए खोदकर पुनः रोपण बसंत ऋतु के प्रारंभ (फरवरी–मार्च) में किया जाता है। वर्षा ऋतु में फलन–फूलन होने के कारण बेल की कलम या कंदीय जड़ों की उपलब्धता कठिन होती है।

रोपण विधि

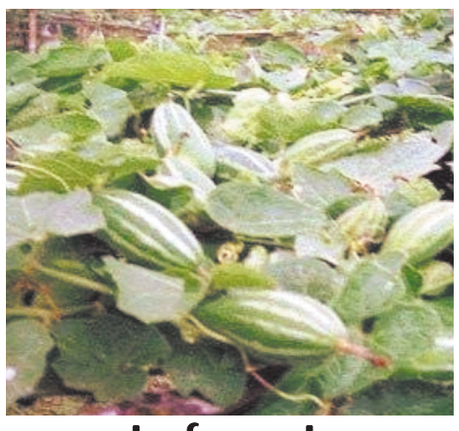
नये रोपण हेतु परवल की बेल की कलम या कंदीय जड़ों का उपयोग किया जाता है। नये रोपण के लिए नर मादा का उचित अनुपात (1:9) ध्यान रखें जिसकी विधि निम्नानुसार है–

कंदीय जड़ों द्वारा

परवल के 3–4 पुरानी परिपक्व कंदीय जड़ों का भी रोपण के लिए उपयोग किया जाता है। लम्बी जड़ों को तोड़कर (जिसमें 3–4 कलिका हो) भी लगाया जा सकता है। कंदीय जड़ों में 10–15 दिन में नये अंकुर निकल आते हैं। रोपण के पश्चात नियमित रूप से हल्की सिंचाई एवं शीघ्रता से नये पौधों का विकास कर पाना संभव है, क्योंकि कंदीय जड़ों में लगभग शत प्रतिशत नये पौधे अंकुरित होते हैं परन्तु कंदीय जड़ों की उपलब्धता में कठिनाई होती है।

रोपण की दूरी

परवल को मंडप बनाकर सहारा देने की आवश्यकता होती है इस विधि में रोपण की दूरी कतार से कतार 1.5 या 2.0 मीटर एवं पौधे से पौधे की दूरी 0.8 से 1.0 मीटर तक होती है इस प्रकार पौध रोपण की दूरी के हिसाब से 5000–7000 संख्या में प्रति हेक्टर पौध सामग्री की आवश्यकता होती है। नदी के किनारे लगाने हेतु 3500– 4000 पौध प्रति हेक्टर की आवश्यकता होती है।



खाद एवं उर्वरक प्रबंधन

परवल लगाने के लिए खेत में अंतिम जुताई के समय 250–300 क्विंटल सड़ा हुआ गोबर खाद मिला दें। रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के परिणामों के अनुसार करें। परवल के लिए सामान्य रूप में अनुसंशित मात्रा में 90:60:40 किग्रा. क्रमशः नत्रजन, स्पुर एवं पोटाश तत्वों का उपयोग प्रति हेक्टर क्षेत्रफल में करें। इसमें से एक तिहाई नत्रजन को दो बराबर भागों में 60–60 दिनों के अंतराल पर दें। उर्वरकों के उपयोग के समय मृदा में उचित नमी का होना आवश्यक होता है।

सहारा देना

परवल चूंकि बेल वाली फसल है। अतः व्यावसायिक से अधिक उत्पादन के लिए मंडप या मचान बनाकर सहारा देना आवश्यक है। लोहे के एंगल एवं जंगरोधी तार का मंडप या मचान बनाना इसकी स्थायी खेती के लिए अच्छा रहता है। परन्तु इसमें प्रारंभिक लागत अधिक आती है। फिर भी बांस, अन्य लकड़ी की टहनियों, अरहर के सूखे तने इत्यादि को खेत में उचित दूरी पर गाड़ कर पौधों को सहारा प्रदान कर अधिक उत्पादन लिया जा सकता है।

कटाई एवं पुर्नरोपण

अक्टूबर माह के पश्चात तापक्रम कम होने पर परवल के सुषुप्तावस्था में चले जाते हैं। अतः शीतऋतु प्रारंभ के पूर्व करीब 30–40 सेमी. लम्बाई छोड़कर बेलों की कटाई कर दें। इससे बसंत ऋतु के प्रारंभ में फरवरी–मार्च से पौधों में नये अंकुर निकल आते हैं। इन अंकुरित पौधों में उचित सिंचाई, खाद एवं उर्वरक देकर निंदाई–गुड़ाई करें। परवल की फसल रोपण के 4 वर्षों बाद उत्पादन कम होने लगता है। अतः 3–4 वर्षों के पश्चात कंदीय जड़ों को उखाड़कर अलग–अलग कर पुर्नरोपण नये खेत में करें।

निंदाई-गुड़ाई

परवल की फसल की नियमित निंदाई– गुड़ाई अधिक उत्पादन के लिए अत्यावश्यक है। प्रत्येक सिंचाई के पश्चात उचित नमी होने पर गुड़ाई करें। प्रत्येक महीने कम से कम दो बार गुड़ाई करना आवश्यक है। खरपतवारों का समयानुसार उचित नियंत्रण करें।

सिंचाई प्रबंधन

परवल के अच्छे पैदावार हेतु आवश्यकतानुसार नियमित सिंचाई करें। अतिवृष्टि के समय उचित जल निकास का प्रबंध आवश्यक होता है, क्योंकि जलमग्नता के प्रति संवेदनशील फसल है। परवल के पौधे में फलन फरवरी से अक्टूबर तक प्राप्त होता है।

कलम द्वारा

बेल की कलम को सीधे खेत में भी लगाया जा सकता है या कलम द्वारा पॉलीथिन में पौधे तैयार कर बाद में खेतों में रोपित किये जा सकते हैं। बेल को सीधे ही या कुंडली बनाकर भी लगाया जा सकता है। कलम की लंबाई सीधे लगाने के लिए 40–50 से.मी. एवं कुंडली बनाकर लगाने के लिए लगभग 1.0 मीटर हो। नियत दूरी पर तैयार गड्ढों में गोबर की सड़ी हुई खाद अच्छी तरह मिलाकर परवल की कलम लगाकर तुरंत हल्की सिंचाई कर दें। पॉलीथिन में 1:1:1 का रेत, मिट्टी एवं सड़े हुए गोबर खाद का मिश्रण भरकर 3–4 छेंद कर देना चाहिए तत्पश्चात बेल की कलम को सीधे या कुंडली बनाकर इस प्रकार लगाना चाहिए कि दोनों सिरों पर एक–एक गांठ मिश्रण से बाहर रहे जिससे नयी पत्तियों का अंकुरण हो सके। इसके पश्चात हल्की सिंचाई नियमित रूप से करनी चाहिए। दस दिन में अंकुरण देखा जा सकता है। पौधों का समुचित विकास होने पर पौधों का खेत में नियत दूरी पर बनाये गड्ढों में पॉलीथिन से सावधानीपूर्वक निकाल कर रोपण कर दें। प्रारंभिक अवस्था में सघन सिंचाई–गुड़ाई एवं सिंचाई उचित देखभाल करें। कलम के रोपण के पूर्व पत्तियों को सावधानीपूर्वक पर्णवृन्त तोड़कर छोड़कर तोड़ दें।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में दिल्ली में विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन, नोएडा के सैकड़ों व्यापारियों और साधु-संतों ने लिया भाग





नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार के समर्थन में दिल्ली में बिरला मंदिर से तालकटोरा स्टेडियम तक विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इसमें नोएडा के सैकड़ों व्यापारियों, वैश्य समाज, पोरवाल समाज, सर्व समाज के प्रतिनिधियों तथा उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की कोर कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संतों के साथ महिलाओं और युवतियों की सहभागिता भी देखने को मिली। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता जय भगवान गोयल, चांदनी चौक के पार्षद सुमन गुप्ता तथा उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारी प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रदर्शन में राष्ट्रहित, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने जैसे विषय प्रमुखता से उठाए गए।

अराजक गतिविधियों के विरोध और आर्थिक आत्मनिर्भरता का संदेश: आयोजकों के अनुसार, रैली का उद्देश्य देश में अराजक गतिविधियों पर अंकुश लगाने, विदेशी ताकतों के कथित हस्तक्षेप का विरोध करने तथा भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। वक्ताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा, देश की एकता और आर्थिक आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में व्यापारी वर्ग की अहम भूमिका है। व्यापारियों के हितों की रक्षा, स्वदेशी उद्यमों को प्रोत्साहन और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी से देश की आर्थिक प्रगति को गति मिल सकती है।

विकास जैन का कांग्रेस और केजरीवाल पर तीखा हमला: उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने अपने संबोधन में कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल की राजनीति पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यदि देश में स्वाभिमान, सुरक्षा और सम्मान के साथ रहना है, तो अराजकता फैलाने वाली ताकतों को लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देना होगा। राष्ट्रहित से ऊपर कोई राजनीति नहीं हो सकती और देश की एकता एवं अखंडता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

अपने संबोधन में विकास जैन ने कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल के लिए 'कॉकरोच' शब्द का इस्तेमाल करते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि देश की जनता को राजनीतिक दलों से उनके कार्यों और नीतियों पर सवाल पूछने चाहिए तथा राष्ट्रहित के मुद्दों पर स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और व्यापारी वर्ग का सम्मान देश की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। उन्होंने विदेशी हस्तक्षेप के प्रति सतर्क रहने और देशहित में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाने का आह्वान किया।

महिलाओं और युवतियों की सहभागिता से विकास जैन प्रसन्न: रैली में महिलाओं और युवतियों की भागीदारी पर विकास जैन ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सामाजिक और राष्ट्रीय विषयों पर महिलाओं की सक्रिय सहभागिता जागरूक समाज की पहचान है। जब महिलाएं, युवा, व्यापारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और साधु-संत एक साथ किसी विषय पर अपनी भागीदारी दर्ज कराते हैं, तो समाज में एकजुटता और जिम्मेदारी का संदेश जाता है।

उन्होंने रैली में शामिल महिलाओं, युवतियों और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों की रही सक्रिय भूमिका रैली में संगठन के चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, उद्योग प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष अमित गोयल, प्रदेश महामंत्री सचिन गोयल, राजेश जिंदल, शिवा चौहान, मनीष शर्मा और शक्ति सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वोट बचाओ - देश बचाओ अभियान को लेकर कांग्रेस ने की प्रेस वार्ता



नोएडा। डा रागिनी नायक, राष्ट्रीय प्रवक्ता, ए आई सी सी पर्यवेक्षक द्वारा आज महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा के सैक्टर 52 स्थित पार्टी कार्यालय पर एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि हम तो पहले ही कहते थे कि 'चौकीदार चोर है' और अब चोर रंगे हाथों पकड़ा गया है। वोट चोरी के खिलाफ़ लगभग दो साल पहले जो अलख नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी ने आलंद, महादेवपुरा, हरियाणा, कर्नाटक में हुई वोटों की धांधली का पर्दाफ़ाश कर के जगाया था, उसकी पुष्टि 2 चुनाव आयुक्तों के 14 शिकायती पत्रों ने कर दी। लोकतंत्र और संविधान पर कुठाराघात करने वाले, जनादेश को लूट कर देश गद्दारी करने वालों की ईंट से ईंट बजाने का प्रण राहुल गॉधी जी और कांग्रेस के हर संघर्ष के साथी ने लिया है। इसकी शुरुआत ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े से होगी।

मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूँ कि 'सिर्फ़ हंगामा खड़ा करना कांग्रेस का मक़सद नहीं..हमारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए'। 'वोट चोरी' को बंद करने वाला हर रास्ता हम खोलना चाहते हैं इसीलिए जहॉ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12-13 साल में एक प्रेस वार्ता करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, वहॉ लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के साथ 'वोट-चोरी' के मद्दे पर ही 12-13 प्रेस वार्ताएँ राहुल जी ने कीं। संसद में मुद्दा उठाया, सड़क पर संघर्ष किया, राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया - हर संभव कोशिश की और अब कांग्रेस पार्टी - 'वोट बचाओ-देश बचाओ' नाम से देश-व्यापी अभियान चला रही है।

आज की प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री दीपक कुमार,जिला अध्यक्ष दीपक भाटी, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, दिनेश अवाना, पवन शर्मा, शहाबुद्दीन, सतेंद्र शर्मा, लियाकत चौधरी, फिरे सिंह नागर, यतेंद्र शर्मा, निशा शर्मा, संजय तनेजा,चरण सिंह यादव, कैप्टन पी एस रावत, गौतम अवाना, जावेद खान, दयाशंकर पांडेय, संदीप सिसोदिया, वीरो देवी, मधुराज, मुकेश शर्मा, रामकुमार शर्मा, मजहर हुसैन, उदयवीर यादव, वसीम खान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ईशान एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में डांडिया महोत्सव एवं फूड फेस्ट का भव्य आयोजन



नोएडा। ईशान एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, नॉलेज पार्क-1, ग्रेटर नोएडा में नवरात्रि के उपलक्ष्य में डांडिया महोत्सव एवं फूड स्टॉल का भव्य आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भारतीय संस्कृति, परंपरा और आपसी सौहार्द का सुंदर परिचय दिया। कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन डॉ. डी.के. गर्ग की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों में सजकर डांडिया एवं गरबा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक संगीत और विद्यार्थियों के उत्साह से पूरा परिसर उत्सव के रंग में रंग गया। डांडिया महोत्सव के साथ आयोजित फूड स्टॉल कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे। विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों से सजे स्टॉल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने स्टॉल के संचालन में सक्रिय भागीदारी निभाई, जिससे उन्हें टीमवर्क, प्रबंधन, रचनात्मकता और उद्यमशीलता जैसे व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. डी.के. गर्ग ने विद्यार्थियों के उत्साह एवं सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना भी है। सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सामाजिक समरसता की भावना विकसित करती हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानने तथा भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

संस्थान के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य सदस्यों ने भी आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा आपसी मेल-जोल और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण में हुआ। डांडिया महोत्सव एवं फूड स्टॉल ने संस्थान में सांस्कृतिक एकता, रचनात्मकता और उत्सव की भावना को नई ऊर्जा प्रदान की।

मन की बात सुन युवाओं ने लिया राष्ट्रसेवा, लोकतंत्र की रक्षा और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प



नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर के जिला कार्यालय, सेक्टर-116 में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में मन की बात युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नोएडा विधायक पंकज सिंह, भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रामनिवास यादव सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण के साथ हुआ। प्रधानमंत्री जी के विचारों को सुनने के पश्चात उपस्थित युवाओं के साथ संवाद किया गया। इस दौरान राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक दायित्वों तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय भागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में युवाओं को राष्ट्रहित एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान रहने की शपथ भी दिलाई गई।

नोएडा विधायक पंकज सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा, नवाचार और ऊर्जा के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के नए अवसर मिल रहे हैं। युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ संवैधानिक कर्तव्यों को भी समझें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश के विकास में सक्रिय योगदान दें।

भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश के नागरिकों को सकारात्मक कार्यों, जनभागीदारी और राष्ट्रसेवा से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। आज का युवा भारत के वर्तमान को सशक्त बनाने के साथ-साथ उसके उज्ज्वल भविष्य का निर्माता भी है। युवाओं को प्रधानमंत्री जी के विचारों से प्रेरणा लेकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, जनसेवा के कार्यों में भागीदारी करने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और कर्तव्य बोध के साथ कार्य करने वाला युवा ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित युवाओं ने लोकतंत्र की रक्षा करने, संवैधानिक कर्तव्यों का ईमानदारी एवं समर्पण के साथ पालन करने, भारत की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को सुदृढ़ बनाए रखने तथा राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और समाज में अराजकता फैलाने वाले प्रयासों के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। साथ ही युवाओं ने विकसित भारत के निर्माण, जनसेवा और समाज कल्याण के कार्यों में अपनी ऊर्जा, क्षमता एवं प्रतिभा का उपयोग करने की शपथ ली। इस मौके पर जिला महामंत्री अमित त्यागी कार्यक्रम संयोजक विपुल शर्मा, रामनिवास यादव, मुकंद प्रधान, प्रवीण चौहान, सत्यम सिंह, गौरव सिंह, दीपक अवाना, संदीप, तुषार, अतुल त्यागी, ऋषि तोमर, भूपेश चौधरी, मुक्तानंद शर्मा, भागवत, अजय यादव, दीपक मेहरा, चंचल अशोक मिश्रा कपिल धारीवाल नवीन मिश्रा उत्कर्ष, साई दास, नितिन बाल्मीकि, प्रदीप यादव, भीम यादव, कपिल यादव, भारत नागर उमेश शर्मा अनिल मास्टर रोहित शर्मा, आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

डाक विभाग में वर्ष के अंत तक 2.73 करोड़ से अधिक डाक सामग्री हुई बुक

नोएडा। ऑनलाइन खरीदारी, दस्तावेजों के सुरक्षित आदान-प्रदान और पार्सल भेजने के बढ़ते चलन के बीच डाक विभाग की पार्सल सेवा पर लोगो का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। सेक्टर-16 स्थित डाकघर में सितंबर 2026 में 33,84,465 डाक सामग्री बुक की गई। अगस्त महीने में 33,22,895 डाक सामग्री बुक की गई थी। इसके मुकाबले सितंबर महीने में 61,570 अधिक डाक सामग्री बुक की गई।सआंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2026 से सितंबर तक डाकघर में कुल कुल 2,73,16,028 डाक सामग्री बुक हो चुकी है। जबकि जून में सबरे अधिक 35,25,694 डाक सामग्री बुक की गई थी। आकंड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में 24,44,613 डाक सामग्री बुक की गई, जबकि अगस्त 2026 में यह आंकड़ा बढ़कर 33,22,895 पहुंच गया। जिससे एक साल में 8,78,282 अधिक डाग सामग्री बुक हुई, और इसमें करीब 36 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

डाक सामग्री की बुकिंग में बढ़ोतरी: सेक्टर-16 डाकघर के प्रबंधक अजय जैन ने बताया कि बेहतर स्पीड, समय पर डिलीवरी और किफायती सेवा के कारण लोगों का भरोसा डाक विभाग पर बढ़ रहा है। ऑनलाइन खरीदारी में बढ़ोतरी के साथ पार्सल सेवा का इस्तेमाल भी बढ़ा है। आम लोगों के साथ व्यापारी और ई-कॉमर्स से जुड़े ग्राहक भी डाक विभाग की सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। प्रबंधक ने कहा कि त्योहारों के दौरान पार्सल और अन्य डाक सामग्री भेजने का चलन बढ़ जाता है। रक्षाबंधन जैसे त्यौहार पर बुकिंग में अधिक बढ़ौतरी होने उम्मीद है।

इंजेक्शन लगने से महिला की तबीयत बिगड़ी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में इकोटेक-1 कोतवाली क्षेत्र के घरबरा गांव में एक महिला की इंजेक्शन लगने के बाद तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने क्लिनिक संचालक पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। महिला की हालत गंभीर होने पर उसे ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां वह आईसीयू में रविवार की शाम करीब 4:30 बजे तक उपचाराधीन है। पीड़ित पति ने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की है। घरबरा गांव निवासी विशाल के अनुसार, 23 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे उनकी पत्नी सोनिया के पेट में दर्द हुआ था। इसके बाद वह पत्नी को गांव में स्थित एक क्लिनिक पर इलाज कराने के लिए ले गए। आरोप है कि क्लिनिक पर मौजूद डॉक्टर ने सोनिया को इंजेक्शन लगाया।

इसके कुछ देर बाद ही उनकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई। महिला की हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उसे ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर भी डॉक्टरों ने उसकी हालत खराब होती देख अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिसकी अस्पताल में रविवार की शाम तक हालत गंभीर बनी हुई थी। वहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। विशाल का आरोप है कि क्लिनिक पर इलाज के दौरान बरती गई लापरवाही के कारण उनकी पत्नी की हालत बिगड़ी है।

छठ पूजा को लेकर हुई प्रवासी संघ की बैठक



नोएडा। छठ पूजा की तैयारियों के लिए प्रवासी संघ की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 19 में कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाने पर जोर दिया गया, प्रवासी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया ने कहा कि अब हम सभी को पूरे मन से छठ पूजा की तैयारियों में लग जाना चाहिए क्योंकि विगत वर्षों में हमने जो आयोजन किये हैं उससे अच्छा ही होना चाहिए। प्रवासी संघ के महासचिव अवधेश राय ने कहा कि हमें अपने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे मन से करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाना है, नोएडा प्राधिकरण से किये जाने वाले सभी आवश्यक कार्यवाही संघ के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने बताया कि इस बार छठ घाट 150 फीट लंबा और 60 फिट चौड़ा बनाने का लक्ष्य रखा गया है और नोएडा प्राधिकरण से होने वाले कागजी कार्रवाई को लगभग पूरा कर लिया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रभागों के लिए टीम का गठन किया जा रहा है जैसे घाट की सुरक्षा, आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए टीम एवं अतिथियों को निमंत्रित करने के लिये अलग टीम।

प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि संघ का प्रत्येक सदस्य पूरे मनोयोग से छठ आयोजन को सफल बनाने के लिए लगना होगा तभी पूजा सुचारू ढंग से सम्पन्न हो सकेगी।

बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष चौरसिया जी, महासचिव अवधेश राय, विकास तिवारी,छाया राय, अभिनव पाण्डेय, राहुल द्विवेदी, अनुज त्रिपाठी, अखिलेश सिंह, विजय कुमार सिंह, अरुण सिंह, नितांत सिंह, सतरंजन कुमार, दिनेश मिश्रा, बृजमोहन सिंह, आकाश तिवारी, इंदु यादव एवं मधु सिंह समेत अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

नेपाल से गांजा लाकर एनसीआर में बेचने वाले दो तस्कर गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के अवैध कारोबार में लिप्त दो युवकों को धर दबोचा है। पुलिस के हत्थे चढ़े इन आरोपियों के पास से पुलिस ने 500 ग्राम ओजी गांजा और तस्करी की इस वारदात में इस्तेमाल की जा रही एक क्रेटा कार बरामद की है। पकड़े गए दोनों तस्कर नेपाल से गांजा मंगवाकर लखनऊ, दिल्ली और एनसीआर के तमाम इलाकों में उसकी सप्लाई करते थे और वहीं अवैध रूप से उसकी बिक्री का काम अंजाम देते थे। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने इस पूरी कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि थाना पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर सटीक कार्रवाई को अंजाम दिया। इसी खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को नॉलेज पार्क-1 इलाके से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस पूरे मामले को लेकर थाना नॉलेज पार्क में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।



छोटी पुड़िया बनाकर श्रमिकों को बेचते थे गांजा: पुलिस के मुताबिक, जब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने कई बड़े खुलासे किए। आरोपियों ने बताया कि वे नेपाल से भारी मात्रा में ओजी गांजा मंगाते थे। इसके बाद वे लखनऊ, दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में इस गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर इसे बेचा करते थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी इस अवैध गांजे को 2,500 से 3,000 रुपये प्रति ग्राम की भारी-भरकम दर पर ग्राहकों को बेचते थे। इस अवैध धंधे से जो भी रकम हाथ लगती थी, उसे दोनों आपस में बराबर बांट लेते थे और अपने व्यक्तिगत खर्चों तथा शौक को पूरा करने में उड़ाते थे। पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि आरोपी औद्योगिक क्षेत्रों के भीतर काम करने वाले गरीब श्रमिकों को भी यह गांजा बेचा करते थे।

लखनऊ और सुल्तानपुर से जुड़े हैं आरोपियों के तार: पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल करीब 23 वर्षीय अमन सिंह मूल रूप से रायबरेली जिले के बछरावां क्षेत्र का रहने वाला है। वह वर्तमान समय में लखनऊ के गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत रह रहा था। वहीं, दूसरा आरोपी करीब 25 वर्षीय हरिविजय सिंह मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के हलियापुर क्षेत्र का निवासी है और वह मौजूदा समय में लखनऊ के विकास नगर थाना क्षेत्र में रह रहा था।

पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात भी सामने आई है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ राजधानी लखनऊ के विभिन्न थानों में पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इन पुराने मामलों में मारपीट, धमकी देने और अन्य गंभीर धाराओं से जुड़े मुकदमे शामिल हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 500 ग्राम ओजी गांजा और एक क्रेटा कार बरामद करने के बाद दोनों आरोपियों को अब न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एनकाउंटर, एक लाख का इनामी बदमाश पैर में गोली लगने से घायल



नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ मे एक लाख का इनामी बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, मैदानगढ़ी थाने के इलाके में रविवार सुबह करीब 6:30 बजे पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई। बाइक पर सवार बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार हुए बदमाश पर कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस डकैती के केस में उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने पुलिस कर्मियों पर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। वहीं, पूछताछ और रिकॉर्ड खंगालने पर बदमाश की पहचान सावन उर्फ मुच्छड़ मामा के रूप में हुई। उस पर उत्तर प्रदेश में 1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह हत्या, डकैती, लूट और रंगदारी समेत कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

बैंकाक से आईं दो महिलाएं आईजीआई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बैंकाक से आईं दो भारतीय महिला यात्रियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने दोनों के पास से कुल 7.9 किलोग्राम से अधिक गांजा और हाइड्रोपोनिक वीड बरामद किया गया। दोनों महिलाएं अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंची थीं। कस्टम्स विभाग ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पहले मामले में एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2333 से बैंकाक से दिल्ली पहुंची महिला यात्री को टर्मिनल-3 पर ग्रीन चैनल पार करते समय संदेह के आधार पर रोका गया। उसके सामान की एक्स-रे जांच और तलाशी के दौरान दो पालीथीन पैकेट मिले। इनमें 2,996 ग्राम संदिग्ध गांजा बरामद हुआ।वहीं, प्राथमिक जांच में नशीले पदार्थ की गांजा होने की पुष्टि हुई। इसके बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया दूसरे मामले में 18 अक्टूबर को थाई एयरवेज की उड़ान संख्या टीजी 315 से बैंकाक से दिल्ली पहुंची एक अन्य भारतीय महिला यात्री को ग्रीन चैनल पर रोका गया। उसके बेज रंग के ट्राली बैग की एक्स-रे जांच और तलाशी लेने पर पांच पालीथीन पैकेट मिले। इनमें कुल 4,918.5 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई।

दिल्ली में प्रदूषण से थोड़ी राहत, एक्यूआई घटकर आया 200 से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्दी का आगाज होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार मौसम का मिजाज बदल रहा है। ऐसी स्थिति में वायु गुणवत्ता में भी अलग-अलग परिवर्तन देखे जा रहे हैं। इसी बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, इंडिया गेट के आसपास के इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स 155 यानी की 'मध्यम' श्रेणी में है। वहीं, दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए एक बार फिर से ग्रेप लागू कर दिया गया है, ताकि प्रदूषण की मार झेल रहे लोगों को राहत मिल सके। लेकिन, अफसोस की बात है कि दिल्ली की सड़कों पर पड़ा मलबा इस बात की तस्दीक करता हुआ नजर आ रहा है कि यहां पर ग्रेप के नियमों का पालन करने के प्रति किसी भी प्रकार की गंभीरता नहीं बरती जा रही है। दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर धूल पड़ी हुई है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन, अफसोस की बात है कि संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिस वजह से धरातल पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उधर, शनिवार की बात करें, तो दिल्ली में एक्यूआई 179 दर्ज किया गया था और शुक्रवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 230 दर्ज किया गया था। आगामी 26 अक्टूबर तक हवा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का सुधार दर्ज नहीं किया जाएगा।

पूर्वी दिल्ली की सड़कों पर अतिक्रमण

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार की सड़कों से अतिक्रमण हटाने के दावे तो खूब किए जाते हैं। लेकिन, जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। जाफराबाद रोड, वजीराबाद रोड और खजूरी चौक जैसे व्यस्त मार्गों पर रेहड़ी-पटरी और अवैध स्टैंड का कब्जा बरकरार है। कहीं सड़क के बड़े हिस्से पर दुकानें सजी हैं, तो कहीं ऑटो और ई-रिक्शा के स्टैंड ने रास्ता घेर रखा है।

हादसों के बीच सफर करते लोग: नतीजतन लोगों का सफर जाम और हादसों के खतरे के बीच हो रहा है। सड़क पर अतिक्रमण के कारण वाहनों के लिए जगह कम पड़ रही है और पैदल यात्रियों को भी सुरक्षित निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की आंखों के सामने सड़कें घिरी हुई हैं और आम लोग असुरक्षित सफर करने को मजबूर हैं।

वजीराबाद रोड पर भजनपुरा के पास निर्माणाधीन डबल डेकर फ्लाईओवर के आसपास स्थिति और चिंताजनक है। निर्माण कार्य के चलते सड़क पर वाहनों के निकलने के लिए उपलब्ध जगह पहले ही सीमित है। इसके बावजूद सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी का जमावड़ा लगा रहता है।

अतिक्रमण से बढ़ रही लोगों की परेशानी: इससे यातायात का दबाव बढ़ने के साथ ही हादसों का खतरा भी बना रहता है। व्यस्त मार्ग पर वाहनों को निकलने के लिए कम जगह मिलने से जाम की स्थिति पैदा होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान अतिक्रमण के कारण परेशानी और बढ़ रही है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के नीचे खजूरी चौक पर भी अतिक्रमण यातायात व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इस प्रमुख यातायात केंद्र पर दिनभर वाहनों की आवाजाही रहती है। इसके बावजूद सड़क के हिस्सों पर रेहड़ी-पटरी और ऑटो-ई-रिक्शा के अवैध स्टैंड बने हुए हैं। इससे वाहनों की रफ्तार प्रभावित होती है और जाम लगता है। वहीं, जाफराबाद मेन रोड पर सड़क से लेकर फुटपाथ तक अतिक्रमण के कब्जे में है।



फ्रिज में धमाके के बाद लगी आग, दिल्ली पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के खानपुर स्थित जवाहर पार्क में शनिवार दोपहर एक घर में फ्रिज में धमाके के बाद आग लग गई। घर के पास स्थित रसोई में तीन बड़े और एक छोटा एलपीजी सिलेंडर रखे थे। इससे आग के फैलने और बड़े हादसे का खतरा पैदा हो गया। सूचना मिलते ही नेब सराय थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने गीले कपड़ों की मदद से गर्म सिलेंडरों को आग प्रभावित क्षेत्र से दूर हटाया। बाद में दमकल की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे नेब सराय थाने को जवाहर पार्क, खानपुर स्थित एक घर में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, फ्रिज में धमाके के बाद आग लगी थी। घर में रखे एलपीजी सिलेंडरों के कारण स्थिति गंभीर हो सकती थी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने गीले कपड़ों की मदद से गर्म हो चुके एलपीजी सिलेंडरों को आग प्रभावित क्षेत्र से दूर किया।



15 साल से फरार 20 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, पहचान बदलकर दिल्ली में कर रहा था ड्राइवर की नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लूटपाट के एक मामले में 15 वर्षों से फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी बदमाश रविंदर उर्फ सोनू उर्फ चिकना को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने पहचान बदलकर नाम दिलबाग सिंह रख लिया था।



वह रोहिणी में रहकर मायापुरी की एक फैक्ट्री में चालक की नौकरी कर रहा था। अदालत ने उसे 2011 में भगोड़ा घोषित किया था।

क्राइम ब्रांच के उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, वारदात 11 मई 2011 को मानसरोवर गार्डन स्थित ओमकारेश्वर मंदिर के पास हुई थी। सुबह करीब 6:30 बजे सचिन अरोड़ा सैर कर रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन झपट ली। विरोध करने पर एक बदमाश ने उन पर चाकू से हमला कर दिया।

सचिन और उनके साथियों ने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपितों ने एक अन्य व्यक्ति को चाकू दिखाकर धमकाया और उसकी कार लूट ली। लोगों की मदद से सुरेश कुमार को मौके पर पकड़ लिया था। उससे चाकू और सोने की चार चेन बरामद हुई थीं, जिनमें शिकायतकर्ता की टूटी चेन भी शामिल थी। इस मामले में उमेश और सुमित को भी गिरफ्तार किया था, लेकिन रविंदर फरार हो गया था।क्राइम ब्रांच की टीम उसकी तलाश कर रही थी। जांच में पता चला कि गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने पहचाल बदल ली थी।

करीब एक साल कोलकाता में रहने के बाद वह बरेली चला गया। 2017 में दिल्ली लौटकर उसने रोहिणी में ठिकाना बनाया और दिलबाग सिंह के नाम से मायापुरी की फैक्ट्री में ड्राइवर की नौकरी करने लगा। गुप्त सूचना पर पुलिस ने 17 अक्टूबर को उसे रोहिणी से गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपित को जुआ खेलने की लत थी। जुए का खर्च पूरा करने के लिए वह साथियों के साथ सोने की चेन, मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान लूटता था।

दिल्ली वालों को बड़ी राहत: नेहरू पार्क में बनेगा भव्य ट्यूलिप गार्डन, पार्किंग और मनोरंजक सुविधाओं से होगा लैस

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राजधानी दिल्ली में ट्यूलिप के आकर्षण को बढ़ाने के लिए नेहरू पार्क में बड़े ट्यूलिप गार्डन विकसित करने की योजना बनाई है।



इसके लिए जगह चिह्नित कर ली गई है और स्थल तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। यहां आने वाले लोगों के लिए पर्याप्त पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

एनडीएमसी के अनुसार, अभी शांति पथ पर ट्यूलिप के फूल देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इससे सड़क पर जाम लगता है और कई लोग सड़क किनारे वाहन खड़े कर देते हैं।

पार्किंग की सुविधा नहीं होने के कारण आगंतुक वहां अधिक समय नहीं बिता पाते हैं। ऐसे में नेहरू पार्क में नया ट्यूलिप गार्डन विकसित करने की योजना बनाई गई है, ताकि लोग परिवार के साथ आराम से समय बिता सकें और फूलों के बीच तस्वीरें भी खींच सकें। नेहरू पार्क में ट्यूलिप गार्डन के साथ मनोरंजक गतिविधियां, ड्रोन फोटोग्राफी और संगीत जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है। इससे लोग यहां अधिक समय बिता सकेंगे। एनडीएमसी शांति पथ पर भी पहले की तरह ट्यूलिप के फूल लगाएगी। नेहरू पार्क का नया गार्डन इसका अतिरिक्त आकर्षण होगा।

ट्यूलिप के फूल सामान्यतः 20 से 25 दिन तक ही खिलते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए नेहरू पार्क में सालभर मौसमी फूलों की बहार बनाए रखने की भी योजना है। इसे 'वैली ऑफ फ्लावर्स' के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि अलग-अलग मौसम में भी लोग यहां फूलों की खूबसूरती का आनंद ले सकें।

कूचा घासीराम में हवाला कारोबार बना लुटेरों का नया ठिकाना

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित कूचा घासीराम में कारोबारियों व उनके कर्मचारियों के साथ लूटपाट की वारदातों के पीछे मोटी नकदी की आवाजाही एक अहम कारण है। इस इलाके में चल रहे हवाला कारोबार के चलते बड़ी रकम लेकर आने-जाने वाले लोग बदमाशों के निशाने पर रहते हैं।

आए दिन होती है लूटपाट की वारदात: ऐसे में कारोबार से जुड़े लोगों की नकदी की आवाजाही और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने वाले बदमाश वारदात को अंजाम देने का मौका तलाशते हैं। यही वजह है कि आए दिन यहां आए दिन लूटपाट की वारदातें होती रहती हैं।

कूचा घासीराम और आसपास का इलाका लंबे समय से व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। यहां कारोबार के सिलसिले में बड़ी रकम का लेन-देन होना आम बात है।

यदि किसी व्यक्ति के पास नकदी होने की जानकारी बदमाशों तक पहुंच जाती है, तो उसके बाजार से निकलने या सुनसान रास्ते पर पहुंचने के दौरान लूटपाट का खतरा रहता है।

कैसे होता है हवाला का लेनदेन: कूचा घासीराम में देशभर के व्यापारियों का हवाला के जरिये पैसा आता है। यहां रकम भेजने वाले और उस रकम को प्राप्त करने वालों की पहचान के लिए फटे नोट के नंबर से मिलान किया जाता है।

आधा नोट रकम भेजने वाले के पास होता है और उसी का फटा हुआ दूसरा आधा हिस्सा प्राप्त करने वाले के पास होता है। जब दोनों नंबरों का मिलान होता है तो इसकी पुष्टि होकर रकम थमा दी जाती है।

लूटपाट पर अंकुश लगाना पुलिस के लिए चुनौती

वहीं, पुलिस के सामने भी ऐसे मामलों में बदमाशों की पहचान करने के साथ यह पता लगाने की चुनौती रहती है कि उन्हें पीड़ित के पास मौजूद रकम की जानकारी कैसे मिली। हालांकि, इस तरह की लूटपाट के लगभग सभी मामले सुलझा लिए जाते हैं। लेकिन, लूटपाट के कई मामले हवाला कारोबार से जुड़ा होने के चलते दर्ज भी नहीं हो पाते हैं।

इस तरह के मामले सुलझाने के लिए पुलिस पहले कारोबारियों के कर्मचारियों की मिलीभगत की जांच के साथ बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, संदिग्धों की गतिविधियों और वारदात से पहले और बाद के घटनाक्रम की जांच करती है।

कूचा घासीराम से जुड़े लूटपाट के मामले

7 सितंबर 2026 : नेताजी सुभाष मार्ग पर स्कूटर से जा रहे एक व्यक्ति से मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने डेढ़ करोड़ रुपये लूट लिए। पीड़ित कूचा घासीराम से नकदी लेकर निकला था।

10 जून 2026 : रियल एस्टेट कंपनी के दो कर्मचारियों से जखीरा फ्लाईओवार पर मोटरसाइकिल बदमाशों ने डेढ़ करोड़ रुपये लूट लिए। रकम कूचा घासीराम स्थित कारोबारी प्रतिष्ठान तक पहुंचाई जानी थी।

26 मई 2026 : मनी ट्रांसफर एजेंट के कर्मचारी ने फतेहपुरी के पास कूचा घासीराम पहुंचाने के लिए दिए गए 54.5 लाख रुपये लूटने की शिकायत की। पुलिस जांच में उसे ही साजिशकर्ता बताते हुए 48 घंटे में छह आरोपितों को गिरफ्तार कर 50 लाख रुपये बरामद किए।



31 मई 2025 : कूचा घासीराम स्थित कारोबारी के कार्यालय में घुसे बदमाशों ने पीड़ित को टेप और रस्सी से बांधा और अलमारी में रखी 26 लाख नकदी लेकर फरार हो गए। मामले में चार आरोपित गिरफ्तार।

5 अक्टूबर 2024 : कूचा घासीराम से आठ लाख रुपये लेकर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर जा रहे एजेंट को गांधी पार्क के पास लूटा गया। मामले में चार आरोपित गिरफ्तार।

26 सितंबर 2024 : गुलाबी बाग इलाके में कारोबारी और उसके कर्मचारी से लगभग चार किलोग्राम सोने के आभूषण लूटे गए। जांच में कूचा घासीराम के एक कारोबारी समेत दो गिरफ्तार।

20 जून 2024 : कूचा घासीराम से नकदी लेकर पटेल नगर की ओर जा रहे कलेक्शन एजेंट से डीसीएम रोड पर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपये की लूट। मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार।

यमुना में फिर दिखने लगा सफेद जहरीला झाग, दिल्ली में कालिंदी कुंज के पास छठ से पहले मोटी परत

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना नदी में एकबार फिर सफेद झाग नजर आने लगा है। ये सफेद जहरीला झाग कालिंदी कुंज के पास दिखाई दे रहा है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में जैसे-जैसे ठंड के दिन वापस लौट रहे हैं वायू प्रदूषण को लेकर भी चिंता बढ़ती जा रही है। रविवार सुबह 9 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 167 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है।

कालिंदी कुंज से सामने आ रही तस्वीर बीते कुछ साल की कहानी एकबार फिर बयां कर रही है। नदी में जहरीले सफेद झाग की मोटी परत तैरती दिखाई दे रही है जो कि नदी में प्रदूषण किस हद तक है इस समस्या को एकबार फिर सबके सामने पेश कर रही है। छठ पूजा से पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी अहम हो जाता है, क्योंकि यमुना किनारे श्रद्धालु स्नान और पूजा पाठ करने पहुंचते हैं।

सरकार ने 8,941 करोड़ रुपये की लागत वाली 43 परियोजनाओं का गुरुवार को उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिनमें यमुना की सफाई के लिए ओखला में दिल्ली का सबसे बड़ा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) भी शामिल है। इसपर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि दिल्ली सरकार ने अपने डेढ़ साल के कार्यकाल में यमुना नदी को सुधारने के लिए जिस तरह से काम शुरू किए हैं उसपर मजबूती से आगे बढ़ा जा रहा है। रेखा गुप्ता की युमना नदी को लेकर दिए गए इस बयान के बाद ठीक बाद ही नदी में एकबार फिर सफेद झाग दिखाई दे रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि रेखा गुप्ता सरकार ने दावा किया था कि उन्होंने पिछले साल यमुना को साफ कर दिया था। उन्होंने झाग हटाने वाले रसायन (डीफोमर) की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया में दिल्ली जल बोर्ड पर घोटाले का आरोप लगाया। सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो में कहा कि दिल्ली सरकार जल्द ही झाग नियंत्रित करने के लिए नदी पर डीफोमर का छिड़काव शुरू करेगी। भारद्वाज ने दावा किया कि मौजूदा जल मंत्री प्रवेश वर्मा दिल्ली में आप की सरकार के दौरान इसी झाग को जहरीला बताया करते थे।



गंगनहर बंद होने से पूर्वी दिल्ली में गहराया जल संकट, बेहाल हुए लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। गंगनहर से गंगाजल की आपूर्ति बंद होने का असर शनिवार को पूरे दिन यमुनापार के कई इलाकों में देखने को मिला। सुबह से शुरू हुई पानी की किल्लत शाम तक बनी रही।

करावल नगर, यमुना विहार, खजूरी, लक्ष्मी नगर समेत पूर्वी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के कई क्षेत्रों में लोगों को जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल सका। कहीं कम दबाव के चलते घरों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा तो कहीं गंदा और काला पानी आने की शिकायत सामने आई।

ऐसे में लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए वैकल्पिक इंतजाम करने पड़े। कई स्थानों पर लोगों ने टैंकरों से पानी भरकर काम चलाया, जबकि पीने के पानी के लिए कई लोगों को बोतलबंद पानी खरीदना पड़ा। गंगनहर की वार्षिक मरम्मत के चलते मुरादनगर से भागीरथी जलशोधन संयंत्र को मिलने वाले गंगाजल की आपूर्ति आठ नवंबर तक बंद रहेगी। इस अवधि में दिल्ली जल बोर्ड यमुना के पानी को शोधित कर जलापूर्ति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। गंगाजल की आपूर्ति प्रभावित होने से करावल नगर, यमुना विहार, गोकुलपुरी, बाबरपुर, ताहिरपुर, दिलशाद गार्डन, नंदनगरी, शाहदरा, सीलमपुर, जाफराबाद, शास्त्री पार्क, ब्रह्मपुरी, लक्ष्मी नगर, पटपड़गंज और प्रीत विहार समेत कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही।

सुबह के समय लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिला। इसके बाद शाम की आपूर्ति के दौरान भी संकट से पूरी तरह राहत नहीं मिल सकी।

संक्षिप्त समाचार

17 संदिग्ध उग्रवादी गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद



इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने शनिवार को दो कुकी संगठनों से जुड़े 17 संदिग्ध उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। उन पर केंद्र सरकार के साथ हुए सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) समझौते के तहत पंजीकृत कैडर होने का फर्जी दावा करने का आरोप है। इस दौरान भारी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ की क्विक एक्शन टीम और कोबरा बटालियन ने साइनाई कैंप में संयुक्त अभियान चलाया। जांच के दौरान 17 लोग कथित तौर पर फर्जी पहचान के साथ पंजीकृत कैडर बनकर रह रहे थे। इनमें आठ पर कुकी नेशनल आर्मी और नौ पर कुकी लिबरेशन आर्मी का सदस्य होने का झूठा दावा करने का आरोप है। सुरक्षा बलों ने 24 से अधिक बंदूक, 38 मैगजीन, बड़ी मात्रा में कारतूस, विस्फोटक, वायरलेस संचार उपकरण और अन्य सैन्य सामग्री जब्त की। आरोपितों को 31 अक्टूबर तक आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फर्जी पहचान, अवैध हथियारों और शिविर के नियमों के उल्लंघन में अन्य लोगों की क्या भूमिका थी।

मुंबई एयरपोर्ट मस्जिद विवाद: किरीट सोमैया का 'जेल भरो सत्याग्रह'

मुंबई, एजेंसी। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने शनिवार को जेल भरो सत्याग्रह किया। उन्होंने



मुंबई एयरपोर्ट के पास बनी एक कथित अवैध मस्जिद को हटाने की मांग की। सोमैया ने कहा कि टर्मिनल-2 के पास बनी इस मस्जिद को गिराया जाना चाहिए। यदि पुलिस मोहम्मद सरवर को गिरफ्तार नहीं करती है तो वे तब तक पुलिस स्टेशन में ही बैठे रहेंगे, जब तक कि इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती। सोमैया ने कहा कि मुंबई मेट्रोपालिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) और महाराष्ट्र सरकार के आदेश के अनुसार, टर्मिनल-2 के पास बनी मस्जिद को गिराया जाना चाहिए। आगे बोले कि आज लगभग सौ समर्थक मेरे साथ यहां आए हैं। यदि पुलिस मोहम्मद सरवर को गिरफ्तार नहीं करती है तो मैं तब तक पुलिस स्टेशन में ही बैठा रहूंगा, जब तक कि एफआईआर दर्ज नहीं हो जाती। यह विरोध प्रदर्शन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के पास स्थित एक मस्जिद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुआ। सोमैया ने कहा कि यदि जल्द ही कोई कदम नहीं उठाया गया तो वे स्वयं जाकर इस ढांचे को गिरा देंगे।

गुरुग्राम की ग्लोबल सिटी को मिलेगी नई पहचान

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के ग्लोबल सिटी में वर्ल्ड-क्लास आइकॉनिक टावर बनाने की योजना तैयार की गई है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) के अधिकारी इसके लिए सलाहकार नियुक्त कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराएंगे। साथ ही, बुनियादी ढांचे, बिजली और पानी की आपूर्ति से जुड़े काम तीन महीने में पूरे करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाएगी। इससे भूखंडों की ई-नीलामी के दौरान निवेशकों को परेशानी नहीं होगी। ग्लोबल सिटी को एकीकृत व्यावसायिक और आवासीय जिले के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां ऑफिस टावर, रेजिडेंशियल ब्लॉक, खुदरा बाजार, होटल, अस्पताल, स्कूल, विवाह महल और सामुदायिक केंद्र बनाने की योजना है। इसका उद्देश्य इस परियोजना को प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। आइकॉनिक टावर के निर्माण की योजना इसके लिए अलग से तैयार की जाएगी।

हिमाचल में बर्फबारी से बढ़ी ठंड, कब तक तेवर दिखाएगा मौसम

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों रोहतांग, बारालाचा और शिंकुला में हिमपात से मौसम ठंडा हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को भी प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ जगह पर हिमपात और निचले क्षेत्रों में वर्षा की संभावना जताई गई है।

हिमपात की संभावनाओं के बीच वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इस कारण प्रदेश के होटलों में आक्यूपेंसी 55 से 70 प्रतिशत तक बताई जा रही है।

तापमान में गिरावट: चोटियों पर हिमपात और शिमला सहित कुछ स्थानों पर बादलों और धूप के बीच प्रदेश में केलंग में दिन के तापमान में 6.3 डिग्री की गिरावट आने से अधिकतम तापमान 9.4 डिग्री दर्ज किया गया है। जबकि न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री दर्ज किया गया है। कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान मे 1.6 डिग्री की गिरावट के कारण -0.5



डिग्री दर्ज किया गया है। ताबो में अधिकतम तापमान में 2.7, मनाली में 2.4 डिग्री की गिरावट आई है।

प्रदेश के पर्यटन स्थलों में शिमला और कुफरी में होटलों में आक्यूपेंसी 60 से 70 प्रतिशत जबकि मनाली में 55 से 60, कसौली में 70 प्रतिशत बताई जा रही है। पर्यटकों की आमद के बढ़ने से ट्रैफिक जाम की समस्या राजधानी शिमला, कुफरी सहित अन्य पर्यटन स्थलों में भी रही।

पैरा एशियन गेम्स में मेडल जीत भारत लौटे आईएएस सुहास एलवाई, लखनऊ एयरपोर्ट पर ढोल-नगाड़ों से हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ, एजेंसी। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियाई पैरा गेम्स 2026 में देश का नाम रोशन करने वाले वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास एलवाइ शनिवार को कांस्य पदक के साथ लखनऊ लौटने परचौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। टर्मिनल टीम और प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें फूलों के गुलदस्ते भेंट कर और माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पीआरडी जवानों ने विशेष बैंड की धुन बजाकर उनका अभिनंदन किया। जापान में खेली गई एशियाई पैरा गेम्स की पुरुष एकल एसएल-4 बैडमिंटन स्पर्धा में सुहास एलवाइ ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक देश के नाम किया। उत्तर प्रदेश कैडर के 2007 बैच के आईएएस अधिकारी सुहास एलवाइ ने इससे पहले टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में पुरुष एकल स्पर्धा में दो रजत पदक अपने नाम किए थे।



सियांग बांध के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, भीड़ ने थाना और एनएचपीसी दफ्तर फूंका; 40 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के पासीघाट में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की सियांग अपर बहुउद्देशीय परियोजना (एसयूएमपी) के विरोध में शुक्रवार रात हिंसा भड़क उठी। उग्र प्रदर्शनकारियों ने एनएचपीसी कार्यालय और एक पुलिस स्टेशन में आग लगा दी।



कई सरकारी प्रतिष्ठानों और पुलिस वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। भीड़ ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कलिंग मोयोंग और दो स्थानीय विधायकों- ओनी पन्यांग और निनोंग एरिंग के निजी आवासों पर भी हमला बोला, तोड़फोड़ की और घर का सामान उठा ले गए।

पूर्वी सियांग की उपायुक्त जयंती पर्टिन ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित 12 घंटे का बंद काफी हद तक शांतिपूर्ण रहा। हालांकि, बंद समाप्त होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने राजमार्ग जाम कर दिया।प्रशासन के समझाने के बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं हटे, जिसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। उग्र भीड़ ने पासीघाट पुलिस स्टेशन, एनएचपीसी कार्यालय और कई पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, झड़प में आठ प्रदर्शनकारियों को भी मामूली चोटें आईं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। शनिवार तड़के करीब चार बजे के बाद स्थिति नियंत्रण में आई। इलाके में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

प्रस्तावित परियोजना को लेकर स्थानीय समुदायों में लंबे समय से असंतोष है। प्रदर्शनकारी परियोजना संबंधी गतिविधियों को रोकने और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों से बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने की अपील की।

जिसे हार्ट अटैक समझा गया, वह निकला मर्डर... बेंगलुरु में वकील की मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ऑटो के किराए को लेकर हुआ एक मामूली विवाद 43 वर्षीय वकील की मौत की वजह बन गया।

अब इस पूरे मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि शुरुआत में जिसे दिल का दौरा समझकर नजरअंदाज किया जा रहा था, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वह एक हत्या का मामला बन गया है।

किराए को लेकर शुरू हुआ था विवाद

बता दें कि मृतक वकील की पहचान केंगेगुंटे निवाली 43 वर्षीय श्री राम के रूप में हुई है। 9 अक्टूबर की सुबह उन्होंने मगादी रोड के गोलरहट्टी इलाके में एक ऑटो बुक करने के लिए ऑटो चालक पृथ्वीराज अप्पाजीगोवड़ा से बात की थी। लेकिन किराए को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, श्री राम ने ज्यादा किराया देने से इनकार कर दिया और यह कहकर आगे बढ़ गए कि वे दूसरा ऑटो पकड़ लेंगे। इस बात से गुस्साए ऑटो चालक पृथ्वीराज ने उनका पीछा किया और उन पर हमला कर दिया।

सामने आई जानकारी के अनुसार, ऑटो चालक ने श्री राम को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया, जिससे उनके सिर में अंदरूनी गंभीर चोटें आईं। इस दौरान कुछ अन्य ऑटो चालक भी वहां मौजूद थे, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

हमले के बाद श्री राम नागरभावी आउटर रिंग रोड पर अचेत अवस्था में मिले थे। गश्त पर मौजूद पुलिस टीम ने उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसी दिन उनकी मौत हो गई।



गौरतलब है कि शुरुआत में डॉक्टरों और पुलिस को यही लगा कि श्री राम की मौत हार्ट अटैक से हुई है। लेकिन परिवार वालों ने जब उनके शरीर पर चोट के निशान देखे, तो उन्होंने अन्नपूर्णाश्वरी नगर पुलिस स्टेशन में साजिश की आशंका जताई। इसके बाद परिवार की मांग पर जब शव का पोस्टमार्टम कराया गया, तो रिपोर्ट में चौंकाने वाला सच सामने आया। रिपोर्ट से पता चला कि वकील की मौत दिल के दौरे से नहीं, बल्कि सिर में अंदरूनी खून का थक्का जमने के कारण हुई थी।

मोबाइल और नकदी गायब होने की भी जांच: इतना ही नहीं इस खुलासे के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी ऑटो चालक पृथ्वीराज को हिरासत में ले लिया है। इसके साथ ही पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि क्या घटना के बाद आरोपी ने श्री राम का मोबाइल फोन और नकदी चुरा ली थी या नहीं। फिलहाल, पुलिस बाकी फरार ऑटो चालकों की तलाश कर रही है और मामले की हर एक कड़ी को तेजी से सुलझाने में जुटी है।

मध्य प्रदेश में हिट एंड रन केस : गोपालपुर चौकी प्रभारी की वर्दी फाड़ी, दौडाकर की पिटाई; भागकर बचाई जान

डिंडौरी, एजेंसी। जिले के गोपालपुर चौकी अंतर्गत ग्राम झनकी में शुक्रवार की देर शाम साप्ताहिक बाजार के दौरान हिट एंड रन का मामला सामने आने के बाद बेकाबू आरोपितों ने समझाइश देने पहुंचे चौकी प्रभारी की वर्दी फाड़ने के साथ दौडाकर पीटने की वारदात को अंजाम दिया गया।

चौकी प्रभारी अतुल हरदहा ने किसी तरह खेतों की ओर भागकर अपनी जान बचाई गई। वारदात के दूसरे दिन शनिवार को चौकी प्रभारी की शिकायत पर करंजिया थाना में छह नामजद सहित 15-20 अज्ञात के विरूद्ध गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। आरोपितों के विरूद्ध आगजनी, बलवा, शासकीय सेवक की पिटाई, शासकीय कार्य में बाधा, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी देने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला बना है। पुलिस ने इसी तरह लोगों को कुचलने वाले अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध भी मामला दर्ज किया है। ग्राम मनकी निवासी वाहन मालिक संतोष साहू का पूरा परिवार डर के मारे रात भर घर से गायब रहा। उग्र भीड उनके घर में भी आग लगाने की धमकी दे रही थी। वाहन मालिक के परिजन



उर्मिला साहू व विमला साहू ने बताया कि उनके वाहन की चाबी जबरन ग्राम करौंदी निवासी सुरजीत ले गया था। संबंधित युवक उनके यहां ट्रैक्टर चलाता है। शनिवार को वापस महिलाएं घर लौटीं। गौरतलब है कि इस दुर्घटना में जहां एक की मौत हुई है वहीं चार अन्य घायल हुए हैं। गौरतलब है कि चौकी प्रभारी अतुल हरदहा की पहचान एक कर्मठ प्रभारी के तौर पर जानी जाती है। वे लंबे समय तक अमरपुर के साथ विक्रमपुर चौकी में भी प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। आरोपितों के विरूद्ध पुलिस अब कडी कार्रवाई करने की तैयारी में है। गोपालपुर चौकी के प्रभारी की जिम्मेदारी शुक्रवार को ही एसआई अतुल हरदहा ने संभाली थी। झनकी में दुर्घटना की सूचना मिलने पर वे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर लोगों को समझा रहे थे, उसी दौरान भीड़ ने उन पर ही हमला कर दिया।

शिकायतकर्ता चौकी प्रभारी अतुल हरदहा ने बताया कि 23 अक्टूबर को शाम 6.45 बजे उन्हें ग्राम झनकी में सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी।

सूचना पर वे स्टाफ सहायक उपनिरीक्षक गोविंद मरावी, आरक्षक किशन शर्मा, आरक्षक मौसम भासंत, गोपनीय सैनिक हरिहर धुर्वे, 36वीं वाहिनी बटालियन के आरक्षक देवेश तिवारी और ओंकार तिवारी को लेकर मौके पर पहुंचे थे। मौके पर पता चला कि ग्राम झनकी में उत्तम सिंह धुर्वे की एक्सीडेंट में मौत हो गई है और तीन व्यक्ति नर्मदा मरावी निवासी ग्राम झनकी, विवेक पेंद्राम और पुरषोत्तम पेंद्राम दोनों निवासी बिट्ठलदेह घायल है।

शिकायत में उन्होंने बताया कि भीड़ दुर्घटना करने वाले वाहन क्रमांक एमपी 52 जेडए 3745 को आग लगाने की बात कह रही थी। जब उन्होंने भीड़ को समझाकर आग लगाने से मना किया तो भीड़ उग्र हो गई।

इस मामले में पुलिस ने आरोपित पिंटू पेंद्राम निवासी ग्राम दमहेड़ी राजेंद्रग्राम जिला अनूपपुर, गोपेन्द्र चंदेल, जितेन्द्र चंदेल, योगेश चंदेल, रोहित तेकाम सभी निवासी ग्राम झनकी के साथ सुभाष वालरे निवासी ग्राम बिट्ठलदेह और 15 से 20 अन्य अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया है। आरोप है कि सभी ने एक राय होकर पुलिस टीम को घेर लिया, आरोपितों ने चौकी प्रभारी को मां बहन की गंदी-गंदी गालियां दीं, जान से मारने की धमकी दी और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए मारपीट की। बताया गया कि आरोपित सुभाष वालरे द्वारा वर्दी फाड़ दी गई। रोहित तेकाम द्वारा डंडे से मारा गया।

करोड़ों की छूट देने का मामला गरमाया, गमाडा के 57 करोड़ माफ करने पर एफआईआर की तैयारी; ईडी ने पंजाब पुलिस को लिखा पत्र

चंडीगढ़, एजेंसी। मोहाली में जमीन सौदे में कथित अनियमितताओं और बिल्डर को करीब 57 करोड़ रुपये की देनदारी में राहत देने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गमाडा (ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथारिटी) के वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली की कंपनी रेमिगेट बिल्डएस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने के लिए पंजाब पुलिस से संपर्क किया है। मामला सेक्टर-62 में 1.13 एकड़ की फूड कोर्ट साइट से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, ईडी की कार्रवाई गमाडा के मुख्य अभियंता अजय गर्ग के बयान और जांच के दौरान जुटाए गए दस्तावेजों पर आधारित है। अजय गर्ग से अगस्त में पूछताछ की गई थी। एजेंसी उस प्रक्रिया की जांच कर रही है, जिसके तहत कंपनी को बकाया राशि में छूट दी गई थी। यह छूट मुख्य सचिव-कम-चेयरमैन केएपी सिन्हा की



अध्यक्षता में हुई गमाडा की बैठक में मंजूर की गई थी। इस साइट की सितंबर 2015 में 32.50 करोड़ रुपये में नीलामी की गई थी। ईडी ने अगस्त में गमाडा के मुख्य अभियंता अजय गर्ग, पूर्व मुख्य अभियंता सुनील कंसल और तत्कालीन एस्टेट अधिकारी हरदीप सिंह से पूछताछ की थी। उनसे जांच के सिलसिले में रिकॉर्ड और दस्तावेजी साक्ष्य मांगे गए थे। यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने 22 से 24 सितंबर के बीच गमाडा कार्यालय में करीब 50 घंटे तक चली तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और अन्य सामग्री को भी अपने संचार में आधार बनाया है।

नोएडा मेट्रो में पहली बार एक दिन में 85 हजार लोगों ने यात्रा कर बनाया नया रिकॉर्ड

नोएडा, एजेंसी। नोएडा मेट्रो ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा लाइन मेट्रो में शुक्रवार को पहली बार एक दिन में एक लाख से अधिक लोगों ने यात्रा की। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के अनुसार यह यात्रियों की संख्या का नया रिकॉर्ड है। इस रूट पर रोजाना औसतन 85 हजार लोग यात्रा करते हैं। हाल में एक दिन में 97 लोगों ने यात्रा की थी। एनएमआरसी के अनुसार, एक्वा लाइन मेट्रो में 23 अक्टूबर को कुल 1,05,358 लोगों ने यात्रा की। यात्री सुविधा बढ़ाने और सफर को अधिक आसान बनाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। टिकटिंग व्यवस्था में सुधार, डिजिटल सुविधाओं का विस्तार और मेट्रो स्टेशनों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। इन पहल के चलते मेट्रो की औसत दैनिक यात्री संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एनएमआरसी ने ट्रेन संचालन की अवधि कम करने की योजना बनाई है। इसके तहत व्यस्त समय में दो ट्रेन के बीच का अंतराल सात मिनट 30 सेकेंड से घटाकर छह मिनट 35 सेकेंड किया जाएगा। यह बदलाव एक नवंबर 2026 से लागू करने की योजना है। इस फैसले से सुबह और शाम के व्यस्त समय में मेट्रो का इंतजार कम होने की उम्मीद है। ऑफिसों, स्कूल-कॉलेजों में आने-जाने वाले यात्रियों को इससे राहत मिल सकती है। रात में मेट्रो संचालन का समय बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है।

वाणी के पास इतिहास रचने का मौका



नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने Hero WomenÓs Indian Open 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। टूर्नामेंट के तीसरे दिन वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर कुल पांच अंडर 211 स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। अब उनकी नजरें एक दशक बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब भारत वापस लाने पर हैं। वहीं, एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स और तवेसा मलिक भी खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। 32 वर्षीय वाणी कपूर ने तीसरे राउंड के दौरान शानदार खेल दिखाया। उन्होंने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलते हुए कुल स्कोर पांच अंडर 211 तक पहुंचाया। वाणी अब खिताब की प्रबल दावेदार बन गई हैं और उनके पास अंतिम राउंड में इतिहास रचने का मौका होगा। वाणी कपूर को खिताब जीतने के लिए गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की अनुभवी गोल्फर पोर्ननोंग फाटलम से कड़ी चुनौती मिलेगी। शैनन ने तीसरे राउंड में 67 का कार्ड खेला, जबकि फाटलम ने 69 का कार्ड बनाया। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर वाणी से सिर्फ एक शॉट पीछे है, जिससे अंतिम दिन मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

परिवार और दोस्तों के समर्थन से आत्मविश्वास में वाणी

वाणी कपूर ने कहा कि परिवार और दोस्तों का साथ उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि उनके करीबी लोग उन्हें याद दिलाते रहेंगे कि अभी 18 होल का खेल बाकी है और असली काम पूरा करना है। वाणी का मानना है कि यह समर्थन उन्हें शांत रहने और खिताब की चुनौती पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।

प्रणवी उर्स बीमारी और थकान के बावजूद चौथे स्थान पर

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स ने बीमारी और थकान से जूझने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे राउंड में उन्होंने 73 का कार्ड खेला और कुल तीन अंडर 213 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं। अर्जेंटीना की मैग्डालेना सिमरमाकर भी इसी स्कोर के साथ उनके बराबर हैं। प्रणवी अब अंतिम राउंड में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी।

सिनियाकोवा ने जीता खिताब

● फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी को रौंदा



ओसाका, एजेंसी। चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने जापान ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने अमेरिका की एश्लिन क्रूगर को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा ने तीन साल बाद अपना पहला सिंगल्स खिताब जीता और करियर की छठी एकल ट्रॉफी अपने नाम की।कैटरीना सिनियाकोवा ने फाइनल में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और एश्लिन क्रूगर को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने महज 64 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिनियाकोवा ने पूरे मैच में क्रूगर की सर्विस छह बार तोड़ी और दोनों सेट में अपना दबदबा बनाए रखा।

तीन साल बाद जीता सिंगल्स खिताब

30 वर्षीय सिनियाकोवा के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि उन्होंने आखिरी बार 2023 में चीन के नानचांग में जियांग्शी ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। जापान ओपन की ट्रॉफी उनके करियर का छठा सिंगल्स खिताब है। उन्होंने पहली बार 2017 में चीन के शेनझेन में एकल खिताब जीतकर अपने करियर की शुरुआत की थी।सिनियाकोवा को टेनिस में खास तौर पर डबल्स की बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। उनके नाम करियर में 39 डबल्स खिताब हैं। पिछले महीने उन्होंने टेलर टाउनसेंड के साथ यूएस ओपन महिला डबल्स का खिताब भी जीता था। जापान ओपन में मिली जीत ने उनके सिंगल्स करियर को भी नई मजबूती दी है।

संक्षिप्त समाचार

तीसरे टी-20 में नहीं खेलेंगे फर्ग्यूसन, हेनरी सीरीज से हुए बाहर

भारत के खिलाफ मौजूदा टी20 सीरीज खेल रही न्यूजीलैंड की टीम के तेज गेंदबाजी विकल्पों की आने वाले दिनों में कड़ी परीक्षा होने वाली है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। लॉकी फर्ग्यूसन मंगलवार को वेलिंगटन में होने वाले तीसरे टी20 मैच के लिए यात्रा नहीं करेंगे, बल्कि रविवार को ऑकलैंड चले जाएंगे ताकि वे शुक्रवार को ऑकलैंड और फिर हैमिलटन में होने वाले चौथे और पांचवें टी20 मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। वहीं, मैट हेनरी क्राइस्टचर्च में ही रुकेंगे, जहां पहले दो टी20 मैच खेले गए थे। वह इस सीरीज के



बाकी बचे तीनों टी20 मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके बजाय, वह न्यूजीलैंड और भारत के बीच चार नवंबर को खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से पहले ऑकलैंड के लिए रवाना होंगे। काइल जैमीसन, जो शुरुआती दोनों टी20 मैचों का हिस्सा नहीं थे, तीसरे मैच के लिए वेलिंगटन जाएंगे। और मैच के बाद वहीं रुकेंगे ताकि वे 31 अक्तूबर को वेलिंगटन के खिलाफ कैंटरबरी के फोर्ड ट्रॉफी दूसरे दौर के मैच के लिए उपलब्ध रह सकें। इसके बाद जैमीसन भी वनडे मुकाबलों के लिए ऑकलैंड रवाना होंगे। ब्लेयर टिकनर अंतिम तीन मैचों के लिए वेलिंगटन में टी20 टीम से जुड़ेंगे, जबकि जोश क्लार्कसन ऑकलैंड जाएंगे और अंतिम दो टी20 मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, मैट फिशर केवल तीसरे टी20 मैच के लिए कवर के रूप में टीम के साथ वेलिंगटन की यात्रा करेंगे और उसके बाद भारत ए के खिलाफ अपने दूसरे चार दिवसीय मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड ए टीम में वापस लौट आएंगे।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे

अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटोन व्यूएग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाइंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी को नंबर 3 पर उतारने पर उठे सवाल, अश्विन ने दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला खामोश रहा। चोटिल ईशान किशन की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए वैभव को नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। अब भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी पोजिशन पर सवाल उठाते हुए टीम मैनेजमेंट को अहम सलाह दी है।

'वैभव पानी से बाहर मछली की तरह दिखे'

क्राइस्टचर्च में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 मुकाबला समाप्त होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने प्रसारक से बातचीत में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। अश्विन ने कहा, 'यह मिस रहा। वैभव जैसे युवा क्रिकेटर के लिए इसे मिस कहना भी मुझे लगता है कि अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन मेरे पास हिट या मिस के केवल दो विकल्प हैं, इसलिए वह थोड़ा पानी से बाहर मछली की तरह नजर आए। वह लगातार बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते रहे और आठ गेंदों तक ऐसा ही करते रहे।'

'नंबर-3 पर बल्लेबाजी करना उनके लिए सही भूमिका नहीं'

अश्विन के मुताबिक, वैभव सूर्यवंशी को नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते समय सहजता महसूस नहीं हुई। वह आमतौर पर आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन इस मुकाबले में छठे ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद उन्हें अपनी पारी को संभालने में परेशानी हुई। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'ऐसा नहीं लगा कि वह गेंद को सही टाइमिंग के साथ खेल पा रहे थे। जब ऐसा होता है, तब आपको एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत होती है, जो उनके पास जाकर उन्हें शांत रहने के लिए कहे।' अश्विन का मानना है कि युवा खिलाड़ी को दबाव के समय सही मार्गदर्शन देना टीम के वरिष्ठ बल्लेबाजों की जिम्मेदारी भी है।

सैंटनर बोले-तिलक वर्मा ने फिनिशर की भूमिका शानदार निभाई



क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला।

कीवी कोच बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा।वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है।

वैभव नहीं, संजू सैमसन को भेजें नंबर-3 पर

रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने की सलाह भी दी। उनका कहना है कि अगर टीम इंडिया वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन तीनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में खिलाना चाहती है, तो संजू को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। अश्विन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि उन्होंने पहले भी इस संयोजन के साथ खेला है और तब संजू को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नीचे आना पड़ा था। अगर टीम इसी संयोजन के साथ खेलना चाहती है, तो मुझे यकीन नहीं है कि वैभव को ही नंबर-3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। लेकिन जो हुआ, वह हुआ। आज वैभव के लिए यह प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।'

तिलक वर्मा के धैर्य से प्रभावित हुए अश्विन

रविचंद्रन अश्विन ने तिलक वर्मा की बल्लेबाजी और दबाव में उनके प्रदर्शन की भी तारीफ की। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारत को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।अश्विन ने कहा, 'तिलक वर्मा भी शानदार धैर्य दिखा रहे हैं। मैं अभी नीतीश के टेम्परामेंट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं, लेकिन भारत के मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर में इतनी ताकत है कि विरोधी टीमों को चिंता करनी पड़ेगी। मेरे लिए यह टीम का एक बड़ा सकारात्मक पक्ष है।' अश्विन की यह टिप्पणी भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में बढ़ती गहराई को दर्शाती है।

दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन

ईशान किशन के चोटिल होने के बाद वैभव सूर्यवंशी को दूसरे टी20 में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रभाव नहीं छोड़ सके।भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और शीर्ष क्रम के लगातार विकेट गिरने से दबाव बढ़ गया। ऐसे में वैभव से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। हालांकि, एक खराब पारी के आधार पर उनकी क्षमता का आकलन करना जल्दबाजी होगी।

तीसरे टी20 में टीम इंडिया की रणनीति पर रहेंगी नजरें

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को खेला जाना है। दूसरे मैच में जीत के बाद भारतीय टीम सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करना चाहेगी। वहीं, वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी पोजिशन को लेकर अश्विन की टिप्पणी के बाद टीम मैनेजमेंट के फैसले पर भी सबकी नजरें रहेंगी।अगर संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर भेजा जाता है, तो वैभव को उनकी पसंदीदा भूमिका में खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, अंतिम फैसला टीम मैनेजमेंट ही करेगा। भारतीय टीम के लिए सबसे अहम बात यह होगी कि युवा खिलाड़ियों को सही भूमिका और पर्याप्त आत्मविश्वास दिया जाए।

खेलने से पहले फिटनेस का आकलन करना जरूरी: धोनी

बंगलूरू, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है।

बंगलूरू में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखना होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं।धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखना होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हुए, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम



2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है।धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।